निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• 26 मार्च 2025 बुधवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 301 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1552 : गुरू अमरदास सिखों के तीसरे गुरू बने।
1953 : डॉ जोनास साल्क ने पोलियो से बचाव के लिए नए टीके की घोषणा की।
1668 : इंग्लैंड ने बंबई पर अधिकार कर लिया।
1979 : मिस्त्र और इजराइल के बीच कैंप डेविड शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुआ।
1799 : जापां फिलिस्तीन पर नेपोलियन बोनापार्ट ने कब्जा किया।
1917 : गाजा में तुर्कों और ब्रिटिश सेना के बीच हुये युद्ध में ब्रिटेन विजयी हुआ।

विधानसभा में भाजपा विधायक के सवाल का जवाब देते हुए शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा

निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक के लिए सरकार कानून बनाने को तैयार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। विधानसभा में मंगलवार भी निजी स्कूलों की मनमानी का मामला जोर शोर से उठा। भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद के अल्प सूचित प्रश्न का जवाब देते हुए मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि मनमानी को रोकने के लिए जिला स्तर की समिति अगर अनुशंसा करेगी तो कानून बनाने की दिशा में पहल की जाएगी।

भाजपा विधायक प्रदीप यादव का सवाल था कि झारखंड में जैक, सीबीएसई एवं आइसीएसई बोर्ड के तहत पढ़ाई होती है लेकिन सभी निजी स्कूल अपने-अपने तरीके से एडमिशन फीस और ट्यूशन फीस वसूलते हैं, लिहाजा सरकार को कानून बनाकर फीस की राशि में एकरुपता लानी चाहिए। इस पर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि न्यायाधिकरण तो बना है लेकिन उसकी नियमित बैठक नहीं होती है। उन्होंने कहा कि उपायुक्त की अध्यक्षता में नियमित बैठक होनी चाहिए। बैठक की सूचना जनप्रतिनिधियों को कुछ समय पहले दी जाना चाहिए। वहीं भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि हर साल री-एडमिशन के नाम पर मोटी फीस वसूली जा रही है। जवाब में शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि निजी स्कूल फीस तय करने को लेकर स्वतंत्र हैं। इस पर नियंत्रण के लिए स्कूल स्तर पर शुल्क समिति और उससे ऊपर जिला स्तरीय समिति है। गड़बड़ी पाये जाने पर निजी स्कूलों से ढ़ाई लाख रूपये तक की जुर्माना राशि वसूली जा सकती है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के गजट की कॉपी को सभी जिलों में भिजवाया जाए, साथ ही उपायुक्त के स्तर पर नियमित बैठक हो, इसकी व्यवस्था की जाएगी। मंत्री ने कहा कि स्कूलों की मनमानी के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर हुई थी, जो बाद में खारिज हो गयी। सवाल जवाब का सिलसिला बढ़ने पर स्पीकर ने हस्तक्षेप करते हुए मंत्री से कहा कि विसंगति को दूर करने के लिए कानून बनाना चाहिए। इस पर मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि कानून जरूर बनना चाहिए। अगर जिला स्तर की समिति से अनुशंसा आती है तो कानून बनाने की दिशा में पहल की जाएगी। आपको बता दें कि 23 मार्च को भाजपा विधायक रागिनी सिंह ने भी इस प्रश्न को उठाया था।

मंईयां सम्मान की लाभार्थी महिलाओं के लिए खुशखबरी

31 मार्च तक बगैर आधार से लिंक्ड खातों में भी मिलेगी मंईयां सम्मान की राशि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की लाभार्थी महिलाओं के लिए एक खुशखबरी है। सरकार ने कहा कि योजना की लाभार्थी जिन महिलाओं ने अब तक अपने बैंक खाते को आधार से लिंक नहीं कराया है, उन्हें 31 मार्च तक योजना के अंतर्गत खात में सहायता राशि मिलती रहेगी। मंगलवार को एक अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में 31 दिसंबर से मार्च तक की समय सीमा बढ़ाने का फैसला किया गया। इसके साथ ही इस बैठक में विभिन्न श्रेणी के लिए स्वीकृत टीचर्स के कुल 50,000 पदों में से 3,451 पदों के सृजन को भी मंजूरी दे दी गई। इस बारे में जानकारी देते हुए कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने बताया कि 'मंत्रिमंडल ने मंईयां सम्मान योजना के क्रियान्वयन में आंशिक संशोधन को मंजूरी दे दी है। इस संशोधन के बाद, जिन महिला आवेदकों के बैंक खाते आधार से लिंक नहीं हैं, उन्हें मार्च तक आर्थिक सहायता मिलती रहेगी। मार्च के बाद, यह राशि केवल आधार से जुड़े बैंक खातों में ही दी जाएगी। 'झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के अंतर्गत राज्य सरकार 18 से 50 साल की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों मेंप्रदान करती है। हालांकि योजना की लाभार्थी कई महिलाएं अपने बैंक खाते को आधार नंबर स लिंक न कराने के कारण जनवरी से इस योजना राशि से वंचित थीं। ऐसी ही महिलाओं को राहत देते हुए राज्य सरकार बैंक खातेको आधार से लिंक करानेकी समय सीमा 31 मार्च तक बढ़ा दी है। बैठक के दौरान मंत्रिमंडल ने कुल 16 प्रस्तावों को मंजूरी दी।

■ **हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित झारखंड कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय**

ईद पर भाजपा की 'सौगात-ए-मोदी'

नई दिल्ली (नबिटा ब्यूरो)। भाजपा ने मंगलवार को सौगात-ए-मोदी अभियान की शुरुआत की। इसके तहत देशभर में 32 लाख वंचित मुसलमानों को ईद मनाने के लिए विशेष किट दी जा रही है। भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा ने इस अभियान की जिम्मेदारी संभाली है। मोर्चे के 32 हजार कार्यकर्ता देश की 32 हजार मस्जिदों के साथ मिलकर जरूरतमंदों तक ये किट पहुंचायेंगे। इसके लिए हर मस्जिद से 100 लोगों को मदद पहुंचाने का टारगेट रखा गया है। अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा- रमजान के पवित्र महीने और ईद, गुड फ्राइडे, ईस्टर, नौरुज के मौके पर अल्पसंख्यक मोर्चा 'सौगात-ए-मोदी' अभियान के जरिए जरूरतमंदों तक पहुंचेगा।

औरंगाबाद में आठ नक्सली गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। बिहार के नक्सल प्रभावित औरंगाबाद जिले में पुलिस को नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के साथ चलाए गए संयुक्त अभियान में प्रतिबंधित नक्सली संगठन झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के आठ बड़े नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल ने आज प्रेस वार्ता में बताया कि नक्सलियों के पास से भारी मात्रा में अवैध आग्नेयास्त्र और अन्य सामान भी बरामद किया है। पकड़े गए नक्सलियों की पहचान नवीनगर थाना क्षेत्र के बेला खैरा गांव निवासी बल्ली राम, माली थाना क्षेत्र के वीरवाल बिगहा निवासी मिथिलेश यादव, बेरिया गांव निवासी कृष्णा पाल, जसोईया गांव निवासी लालू सिंह, टंडवा थाना क्षेत्र के बेनी गांव निवासी नरेश राम, बड़ेम ओपी थाना क्षेत्र के नावाडीह निवासी मिथलेश सिंह, नरारी कला खुर्द थाना क्षेत्र के कुडवां निवासी छोटन कुमार एवं झारखंड के जपला जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के चापनकर गांव निवासी छोटू सिंह उर्फ राकेश कुमार सिंह के रुप में की गई है। इनके पास से चार लॉग रेंज राइफल, एक थ्री-नट राइफल, 12 जिंदा कारतूस राइफल, एक 7.62 मिमी जिंदा कारतूस, सात पीस वर्दी, एक मैन पैक, भाकपा माले का लेटर हेड, झारखंड जनमुक्ति मोर्चा परिषद का लेटर हेड, लेवी की मांग एवं उसके हिसाब लेखा जोखा से संबंध डायरी एवं पुर्जा तथा मोबाइल फोन बरामद किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सात मार्च को नबीनगर थाना क्षेत्र में नहर निर्माण कर रही कंपनी के संवेदक से क़रीब 8 से 10 की संख्या में रहे हथियारबंद नक्सलियों ने भाकपा माओवादी का पर्चा देकर लेवी की थी। इसके बाद संवेदक ने नबीनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गई थी जिसमें कांड की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संजय कुमार पांडेय के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया जिसमें औरंगाबाद पुलिस एवं एसटीएफ के संयुक्त ऑपरेशन में आसूचना संकलन एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर नक्सलियों की पहचान की गई। इसमें तीन नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया जिन्हें आवश्यक पूछताछ के बाद उन्हें पूर्व में जेल भेज दिया गया, जबकि छापेमारी के दौरान पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। श्री राहुल ने बताया कि पकड़े गए इन नक्सलियों में अधिकांश का नक्सली कांडों में आपराधिक इतिहास रहा है। पूछताछ के क्रम में इन सभी ने उक्त घटना में अपनी संलिप्ता स्वीकार की है। इसके अलावा सभी ने कई ईट भट्टा मालिकों से, सरकारी प्रोजेक्टों के कई संवेदकों से एवं सोन नदी के दियरा क्षेत्र में खेती कर रहे किसानों से रंगदारी कलेक्ट करने की बात को स्वीकार की है। इनके द्वारा पूर्व के कई कुख्यात नक्सलियों राजेंद्र सिंह, बीरबल पासवान, एनुल मियां, सीताराम रजवार उर्फ रमन जी, नितेश यादव आदि से अपने संबंधों की बात स्वीकार की है। एसपी ने बताया कि इन नक्सलियों के गिरफ्तार होने एवं इनके पास से हथियार की बारामदगी होने से नक्सली गतिविधियों में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि इस प्रशंसनीय सफलता के लिए विशेष टीम के सभी सदस्यों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जायेगा।

बिहार इंटर परीक्षा में बेटियों ने फिर मारी बाजी

विज्ञान में 89.50 प्रतिशत, वाणिज्य में 94.77 प्रतिशत एवं कला संकाय में 82.75 छात्र-छात्राएं हुए सफल

इंटर परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन करनेवाली छात्राएं

प्रिया जायसवाल (विज्ञान) | रौशनी कुमारी (वाणिज्य) | अंकिता (कला)

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने 12वीं यानी इंटरमीडिएट का रिजल्ट मंगलवार को जारी कर दिया। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने रिजल्ट जारी किया है। इस मौके पर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ और बिहार बोर्ड के अध्यक्ष आनंद किशोर भी मौजूद थे। इस साल परीक्षा में कुल 12.92 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे। इंटरमीडिएट की परीक्षा में कुल 11,07,213 छात्र-छात्रा सफल हुए हैं। परीक्षा में कुल 86.50 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल हुए हैं। परीक्षा में 1,72,869 छात्र असफल यानी अनुर्तीण हो गए हैं। विज्ञान में 89.50 प्रतिश, वाणिज्य में 94.77 प्रतिशत और कला संकाय में 82.75 प्रतिशत छात्र-छात्राएं सफल हुए हैं। तीनों संकायों में लड़कियों ने टॉप किया है। पश्चिम चंपारण की बेतिया की रहने वाली प्रिया जायसवाल साइंस टॉपर बनीं हैं। प्रिया जायसवाल ने कुल 500 में 484 नंबर पाकर पहला स्थान हासिल किया है। इधर अंकिता कुमारी ने कला संकाय में टॉप किया और रौशनी कुमारी ने वाणिज्य में पहला स्थान हासिल किया। कला संकाय में कुल 82.7 फीसदी छात्र पास हुए हैं। जबकि, वाणिज्य संकाय में 94.77 फीसदी सफल रहे। वहीं, विज्ञान संकाय में 89.66 फीसदी छात्रों ने सफलता प्राप्त की है। कला संकाय में अंकिता कुमारी और शाकिब शाह ने 473 अंक (94.6 फीसदी) प्राप्त कर टॉपर बने। वाणिज्य संकाय की टॉपर्स रोशनी कुमारी रही हैं, जिन्होंने 475 अंक (95 फीसदी) हासिल किए हैं। रौशनी कुमारी वैशाली स्थित जेएल कॉलेज, हाजीपुर की छात्रा रही है। जबकि अंकिता राजकीयकृत वीएन उच्च विद्यालय, सेहन की छात्रा है। बता दें कि बिहार बोर्ड 12वीं रिजल्ट सबसे पहले जारी हो गया है। इस साल भी सीबीएसई, यूपी, एमपी, राजस्थान समेत हर बोर्ड रिजल्ट के मामले में पीछे रह गया है। बिहार बोर्ड 12वीं परीक्षा 1 से 15 फरवरी 2025 के बीच हुई थी। परीक्षा में12,92,313 परीक्षार्थी शामिल हुए थे, जिसमें 6,50,466 छात्र और 6,41,847 छात्राएं थीं। यह परीक्षा 38 जिलों में 1,677 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थीं।

रिश्वत लेते हुए मनरेगा बीपीओ गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। मनरेगा में भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है। घूस लेने के आरोप में गढ़वा से एक मनरेगा बीपीओ को एसीबी ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बीपीओ से एसीबी की टीम पूछताछ कर रही है। पूछताछ के बाद बीपीओ को न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार गढ़वा के रमना के रहने वाले शिवशंकर राम के मां के नाम पर मनरेगा के तहत डोभा का निर्माण कार्य हो रहा था। डोभा के निर्माण कार्य के लिए उपयोगिता प्रमाण पत्र पर मनरेगा प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी प्रभु कुमार को हस्ताक्षर करना था। आरोप है कि प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी प्रभु राम उपयोगिता प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के एवज में 12 हजार रुपए रिश्वत की मांग कर रहे थे। पूरे मामले में शिव शंकर राम की तरफ से पलामू प्रमंडलीय एसीबी से शिकायत की गई थी। शिकायत के सत्यापन के बाद मंगलवार को एंटी करप्शन ब्यूरो ने ट्रैप लगाकर 12 हजार रुपए रिश्वत लेने के आरोप में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी प्रभु कुमार को गिरफ्तार किया है।

देवर ने भाभी का गला काटा

समस्तीपुर (नबिटा ब्यूरो)। समस्तीपुर में देवर ने ही अपनी भाभी का गड़ासे से वार गर्दन काट डाला, जिससे महिला की मौके पर मौत हो गई। घटना मंगलवार की जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के परतापुर गांव का है। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। जानकारी के अनुसार, महिला के देवर ने उसे घसीटकर घर के गेट के पास लेकर गया। पहले उसका बाल नोंचा फिर मारपीट किया उसके बाद गड़ासे से वार गर्दन काटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपित घर से भाग रहा था। उसी दौरान ग्रामीणों ने उसके पकड़ लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई में जुट गई है।

नौकरी के नाम पर 14 लाख की ठगी

भागलपुर (नबिटा ब्यूरो)। होमगार्ड की नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले युवक को लोगों ने पकड़ा। भागलपुर के समाहरणालय परिसर में मंगलवार को युवक को पकड़ा गया, जिस पर आरोप है कि उसने सात अभ्यर्थियों से दो-दो लाख रुपए लेकर नौकरी दिलाने का झांसा दिया था, लेकिन बाद में गायब हो गया। मंगलवार को जब ठगी के शिकार अभ्यर्थी के भाई, जो एक वकील हैं, ने ठग को कोर्ट परिसर में घूमते देखा तो पकड़ने की कोशिश की। युवक भागने लगा, जिसके बाद करीब एक किलोमीटर तक पीछा कर उसे कचहरी गेट पर पकड़ लिया गया। पकड़ने के बाद युवक ने वकील के पैर पकड़कर माफी मांगनी शुरू कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी युवक को हिरासत में लेकर थाने ले गई। पुलिस अब उससे पूछताछ कर रही है और उसके अन्य सहयोगियों की भी तलाश कर रही है।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT
DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY
GLOBAL VISION
(A Complete Solution in Professional Services)
: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna
Contact No.- 9835333441, 8210823092
E-Mail : globalvision96@yahoo.in

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार
सूचना
यह आम जनता की जानकारी के लिए है कि **प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार** के लिए आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (https://awards.gov.in) पर 01.04.2025 से शुरू होगी। यह पुरस्कार उन बच्चों को दिया जाता है जो बहादुरी, खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण तथा कला और संस्कृति के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता के योग्य हैं।
5 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष से कम आयु का कोई भी बच्चा (31 जुलाई, 2025 तक), जो भारतीय नागरिक है और भारत में रहता है, पुरस्कार के लिए पात्र है।
किसी भी नागरिक से खुले नामांकन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (https://awards.gov.in) के माध्यम से प्राप्त किए जाएंगे। पुरस्कारों के लिए स्व नामांकन और सिफारिशों, दोनों पर विचार किया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31.07.2025 है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (https://awards.gov.in) देखें। CBC 46101/11/0013/2425

संक्षिप्त समाचार

घर से चोरी मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार, गहने बरामद

■ 12 फरवरी की रात चोरों ने घटना को दिया था अंजाम, एक आरोपी पर पहले से दर्ज है केस

गया, एजेंसी। गया पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए घर में घुसकर चोरी के मामले में संलिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तीनों सोहैल थाने के पोखरी टोला भलुवाही निवसी हैं। इनके पास से चोरी हुए सोने-चांदी के गहने बरामद किए गए हैं। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। बीती 12 फरवरी 2025 की रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाया। पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि अज्ञात लोग घर में घुसे और 50,000 रुपये के साथ सोने-चांदी के गहने चुरा ले गए। इस पर सोहैल थाने में कांड संख्या-09/25 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू हुई। गया के वरीय पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लिया व तत्काल अपराधियों को पकड़ने के लिए नगर पुलिस अधीक्षक व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी इमामगंज के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। इसमें सोहैल थानाध्यक्ष, अन्य पुलिसकर्मी और तकनीकी शाखा के अधिकारी शामिल थे। तकनीकी जांच, सीसीटीवी फुटेज और गुप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने भलुवाही देवी स्थान के पास से तीन आरोपियों को धर दबोचा। उनकी निशानदेही पर चोरी हुए जेवरात बरामद किए गए।

बिहार के लाखों वाहन मालिकों के लिए बड़ा अलर्ट!

■ 31 मार्च से पहले निपटा लें ये जरूरी काम, वरना होगा भारी नुकसान

पटना, एजेंसी। बिहार में लाखों वाहन मालिकों के लिए जरूरी सूचना है. परिवहन विभाग के अनुसार, राज्य में लगभग 24 लाख वाहनों के रजिस्ट्रेशन कार्ड में अब तक मोबाइल नंबर अपडेट नहीं किया गया है. विभाग ने स्पष्ट किया है कि 31 मार्च 2025 के बाद ऐसे वाहनों का पॉल्यूशन सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाएगा. साथ ही, अप्रैल 2025 से मोबाइल नंबर अपडेट कराने पर जुर्माना भी भरना होगा. परिवहन विभाग ने यह नियम लागू कर दिया है कि वाहन रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट और ड्राइविंग लाइसेंस में आधार लिंक्ड मोबाइल नंबर अपडेट करना अनिवार्य होगा. यदि वाहन मालिक समय पर यह प्रक्रिया पूरी नहीं करते हैं, तो न सिर्फ उनका पॉल्यूशन सर्टिफिकेट रोका जाएगा, बल्कि फिटनेस प्रमाणपत्र भी नहीं मिलेगा. सितंबर 2024 से अब तक 32 हजार से अधिक वाहन मालिकों ने अपने आधार लिंक्ड मोबाइल नंबर अपडेट करा लिए हैं. अब परिवहन विभाग अपने सॉफ्टवेयर में आवश्यक बदलाव कर रहा है ताकि बिना आधार लिंक्ड मोबाइल नंबर के कोई प्रमाणपत्र जारी न किया जा सके. परिवहन विभाग ने बताया कि वाहन रजिस्ट्रेशन और ड्राइविंग लाइसेंस में आधार लिंक्ड मोबाइल नंबर नहीं होने से दुर्घटना की स्थिति में वाहन मालिक और चालक की पहचान करना मुश्किल हो जाता है. साथ ही, यातायात नियमों के उल्लंघन पर ई-चालान की सूचना वाहन मालिक तक नहीं पहुंच पाती, जिससे कई कानूनी जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं.

दरभंगा एयरपोर्ट से एयर इंडिया और स्टार एयर देगी सेवा

■ स्लॉट के लिए किया आवेदन

पटना, एजेंसी। दरभंगा एयरपोर्ट से आवाजाही करनेवाले हवाई यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी है. दरभंगा एयरपोर्ट से दो और एयरलाइंस कंपनी अपनी सेवा की शुरुआत करनेवाली है. एयर इंडिया एक्सप्रेस और स्टार एयर ने स्लॉट के लिए आवेदन दिया है. उम्मीद की जा रही है कि दोनों विमानन कंपनी की सेवा जल्द ही शुरू होगी. नागरिक उड्डयन मंत्रालय से टाइमिंग स्लॉट मिलने का इंतजार किया जा रहा है. जैसे ही ये स्लॉट उपलब्ध होंगे, टिकटों की बुकिंग प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी. दरभंगा एयरपोर्ट पर एयर इंडिया एक्सप्रेस और स्टार एयर की उड़ानों की शुरुआत स्थानीय लोगों को हवाई यात्रा की सुविधा में वृद्धि करेगी.

प्रदेश में अपराध के खात्मे के लिए ब्लूप्रिंट तैयार अगर अपराधी नहीं माने तो होगा एनकाउंटर

पटना, एजेंसी। पिछले दिनों बिहार में हुए चार एनकाउंटर की घटना ने अपराधियों के अंदर खौफ पैदा कर दिया है. पुलिस मुख्यालय ने टॉप टेन और टॉप 20 अपराधियों की लिस्ट भी तैयार कर रखी है. बिहार में आपराधिक घटना को अंजाम देने वाले अपराधी या सरगना के खिलाफ लगाम लगाने के लिए चाक-चौबंद तैयारी कर ली गई है.

पुलिस की रडार पर कई कुख्यात अपराधी

बिहार में विधि व्यवस्था सरकार के लिए चुनौती बन गई है. पुलिस ने अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए रणनीति तैयार की है. पिछले दिनों कई कुख्यात अपराधियों की गिरफ्तारी बिहार के अलग-अलग जिलों से हुई है, तो कई कुख्यात अपराधी ढेर कर दिए गए हैं. टॉप 10 अपराधियों की लिस्ट भी हर जिले में तैयार की जा चुकी है. हाल के दिनों में पुलिस की सख्ती का असर भी देखने को मिला है और एक के बाद एक कई पुलिस एनकाउंटर की घटना भी राज्य के अंदर हुई है.

पुलिस ले रही है एनकाउंटर का सहारा

बिहार पुलिस अपराधियों से हर हाल में निपटने के लिए तैयार है. अपराधी जिस भाषा में बात करते हैं, पुलिस भी उसी भाषा में बात कर रही है. अपराधी अगर पुलिस पर गोलियां चलाते हैं, तो पुलिस भी अपराधियों पर गोली बरसाने में पीछे नहीं रहती है. पिछले दिनों बिहार के अंदर चार चर्चित एनकाउंटर हुए हैं. जिसने अपराधियों को खौफ में डाल दिया है.

कब और कैसे बिहार में हुआ एनकाउंटर

बता दें कि 11 मार्च को आरा शहर के अंदर दिनदहाड़े अपराधियों ने ज्वेलरी दुकान में लूट की घटना को अंजाम दिया था. वहीं 2 घंटे भी नहीं बीते कि पुलिस ने अपराधियों को घेर लिया और एनकाउंटर में 2 अपराधी घायल हो गए. उनके पास से लूटे हुए गहनों के कुछ हिस्से बरामद किए गए हैं. वहीं 22 मार्च 2025 को अररिया जिले में अपराधी और पुलिस के बीच मुठभेड़ शुरू हो गया. एसटीएफ ने जमकर मुकाबला किया और बैंक लूट में शामिल अपराधियों को करारा जवाब दिया.

वैशाली और पटना में भी हुआ एनकाउंटर

वहीं 22 मार्च को वैशाली जिले में अपराधियों का पुलिस के साथ मुठभेड़ हुआ. मुठभेड़ में 5 लाख के इनामी अपराधी की मौत हो गई. गिरोह में शामिल विशाल कुमार और सुशील कुमार घायल हो गए. उधर 23 मार्च को पटना के नौबतपुर में पुलिस और अपराधियों के बीच एनकाउंटर हुआ. दोनों ओर से गोलियां चली, जिसमें पुलिस ने 2 लाख के इनामी भारत कुमार और उनके दो सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया.

टॉप 20 अपराधियों की लिस्ट तैयार

बिहार सरकार ने बेलगाम अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए एक ठोस योजना तैयार की है. पुलिस मुख्यालय के स्तर पर टॉप 10 और टॉप 20 अपराधियों की लिस्ट तैयार करने के आदेश जारी किए गए हैं. इसके तहत कुख्यात अपराधियों का एनकाउंटर भी किया जा रहा है और पिछले 15 दिनों में चार बड़े एनकाउंटर हुए हैं, जिनमें कई कुख्यात अपराधी ढेर हो गए हैं.

शेल्टर होम से 13 लड़कियों के भागने पर एक्का बड़ा एक्शन, होमगार्ड समेत 3 स्टाफ सस्पेंड

सिवान, एजेंसी। बिहार के सिवान में जीरादेई प्रखंड के भैंसाखाल स्थित बालिका गृह से अंधेरे का फायदा उठाकर 13 लड़कियों के फरार होने के मामले में डीएम ने एक्शन लिया है. सभी लड़किया दीवार फांदकर फरार हुई थी. जिसके बाद इस मामले के प्रकाश में आने पर जिला पदाधिकारी ने कार्रवाई करते हुए ड्यूटी पर तैनात दो संविदा कर्मी को कार्य मुक्त और होमगार्ड को निलंबित कर दिया है. साथ ही संयुक्त जांच दल और धावा दल का गठन किया गया है. बालिका गृह में लापरवाही को लेकर तीन पर गिरी गाज-इस संबंध में संयुक्त जांच दल की रिपोर्ट मिल गई है. संयुक्त जांच टीम ने में स्पष्ट रूप से प्रतिवेदित किया है कि ड्यूटी पर तैनात सुनीता देवी, प्रभारी केयरटेकर और कुमारी शिवानी जायसवाल, प्रभारी पीओ ने काफी लापरवाही और अनुशासनहीनता का प्रदर्शन किया है. संयुक्त जांच टीम से प्राप्त अनुशंसा के आधार पर ड्यूटी पर तैनात सुनीता देवी, प्रभारी केयरटेकर, बाल गृह (बालिका) और कुमारी शिवानी जायसवाल प्रभारी पीओ, बाल गृह (बालिका) यूनिट-01 वृहद आश्रय गृह, को उनकी कार्य मुक्त कर दिया है. सभी के निलंबन का आदेश जारी-बता दें कि वहीं ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड सिपाही को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है.

शराब माफिया के खिलाफ छापेमारी करने गई उत्पाद विभाग की टीम पर हमला, पत्थरबाजी में पुलिसकर्मी घायल

बगहा, एजेंसी। बिहार के बगहा में देसी शराब बनाने और बिक्री करने की सूचना पर रेड करने गई उत्पाद टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया. इस पत्थरबाजी में गांव की एक बच्ची समेत दो पुलिसकर्मी गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं. ग्रामीणों ने उत्पाद विभाग की स्कॉर्पियो को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है. फिलहाल मौके पर पहुंचकर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. उत्पाद विभाग टीम पर पत्थरबाजी-बगहा के सेमरा थाना अंतर्गत डढ़िया गांव में सोमवार की शाम उत्पाद विभाग टीम पर ग्रामीणों ने हमला बोल दिया. बताया जा रहा है कि शराब निर्माण और उसकी बिक्री की सूचना पर उत्पाद विभाग की टीम गांव में गई थी. इसी बीच ग्रामीणों ने जांच और छापेमारी का विरोध करना शुरू कर दिया. पुलिस के नहीं मानने पर उसे भगाने के लिए ग्रामीणों ने पत्थरबाजी कर दी. उत्पाद विभाग के अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा की गई पत्थरबाजी में गांव की एक बच्ची को चोट लग गई. जिसके बाद ग्रामीण और उग्र हो गए. उत्पाद अधीक्षक के मुताबिक दो गाड़ी से दर्जनों पुलिसकर्मी गांव में गए थे. जैसे ही ग्रामीणों ने विरोध कर पत्थरबाजी शुरू की वैसे ही एक गाड़ी वहां से निकल गई. जबकि दूसरी गाड़ी स्टार्ट नहीं हो पाई. इस बीच ग्रामीणों ने दो पुलिसकर्मियों को गाड़ी में हीं घेर लिया और पिटाई शुरू कर दी.

चुनाव से पहले मोदी सरकार ने दी बिहार को बड़ी सौगात

प्रयागराज महाकुंभ की तरह पटना और गया में बनेगा कला ग्राम

गया, एजेंसी। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार देशभर में 20 स्थानों पर कला ग्राम की स्थापना करेगी. इसके लिए राजधानी पटना और गया को भी शामिल किया गया है. प्रयागराज महाकुंभ में कला ग्राम की सफलता के बाद माना जा रहा है कि गया और पटना में कला ग्राम बनाए जाने से बिहार की विरासत और संस्कृति अब देश-दुनिया के पटल पर जानी जाएगी. प्रयागराज की तरह बिहार की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के मद्देनजर यह मील का पत्थर साबित होगा. पटना और गया में बनेगा कला ग्राम- केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के सचिव अरुणेश चावला ने बिहार सरकार को चिट्ठी लिखकर कला ग्राम के निर्माण के लिए 5 से 10 एकड़ जमीन की उपलब्धता कराई जाने की बात कही है.

वहीं, केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया अकाउंट हैंडल एक्स पर पोस्ट कर इस बड़ी खुशखबरी को साझा किया है. गया सांसद और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है. गया जी के लिए एक और खुशखबरी. हमारे गया जी की धरती पर कला ग्राम की स्थापना की स्वीकृति मिल गई है. माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभार. हमारी संस्कृति विरासत अब और देश दुनिया जानेगी.

केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने प्रयागराज महाकुंभ 2025 को लेकर देश का पहला कला ग्राम यहां स्थापित किया था. प्रयागराज महाकुंभ में कला ग्राम की बड़ी भूमिका रही और प्रयागराज महाकुंभ के सफल होने की गाथा की एक बड़ी कड़ी साबित हुई. प्रयागराज महाकुंभ की सफलता को देखते हुए अब देश के कई और स्थान पर पर भी कला ग्राम बनाए जाने की योजना तैयार कर ली गई है. गया के बोधगया और पटना में कला ग्राम बनाने से बिहार की संस्कृति मुख्य पटल पर होगी और देश-दुनिया के लोग इससे रूबरू हो सकेंगे.

गया रही है पौराणिक धरती

गया एक पौराणिक धरती रही है. ऐसे में बोधगया में कला ग्राम बनाए जाने से बड़ी सफलता मिलेगी. पौराणिक विरासतों को भी मंच मिल सकेगा. वहीं, कई तरह के कलाओं को एक पड़ाव भी होगा. गया अंतर्राष्ट्रीय स्थली है. यहां पहले से ही विश्व प्रसिद्ध विष्णु पद मंदिर और अंतरराष्ट्रीय धरोहर महाबोधि मंदिर है. ऐसे में कला ग्राम बनने से पर्यटन के क्षेत्र में बिहार को और बड़ी पहचान मिलने में सहायक साबित होगा. केंद्र सरकार न सिर्फ कला ग्राम का निर्माण कराएगी, बल्कि इसके रखरखाव एवं सभी तरह के खर्च भी केंद्र ही वहन करेगी.

बिहार की माटी का कर्ज चुकाने निकला हूं, शिवदीप लांडे ने कहा- युवा नींद से जागेंगे तभी बदलेगी तस्वीर

सासाराम, एजेंसी। पुलिस की नौकरी छोड़कर समाज सेवा का प्रण लेने वाले पूर्व आईपीएस शिवदीप लांडे इन दिनों रन फॉर सेल्फ अभियान चला रहे हैं. सिंघम नाम से चर्चित पूर्व आईजी शिवदीप लांडे 13 जिले होकर सोमवार को रोहतास पहुंचे. जहां सबसे पहले कैमूर पहाड़ी क्षेत्र के माधा कोडियारी के पास निर्माणाधीन स्थल आसवानी नदी जलाशय का निरीक्षण किया. इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों और किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याओं से भी वह रूबरू हुए. पेयजल को लेकर पशुपालकों ने की शिकायत-किसानों और पशुपालकों ने शिवदीप लांडे को बताया कि गर्मी के दिनों में पेयजल की भारी किल्लत होती है. इस वजह से गर्मी के दिनों में अपने गांव और परिवार को छोड़कर पानी की लाश में पलायन करना पड़ता है. लोगों ने कहा कि अगर आसवानी नदी जलाशय का निर्माण पूरा हो जाता है तो पहाड़ी गांवों में सालोंभर पेयजल उपलब्ध होगा. इसके साथ ही सिंचाई के लिए भरपूर पानी मिलेगा.

युवाओं से भी मिले शिवदीप लांडे

इसी क्रम में रसूलपुर के चाणक्य क्विज एंड लाइब्रेरी के सिविल और सरकारी परीक्षाओं के तैयारी कर बच्चों से भी मुलाकात कर शिवदीप लांडे ने उनकी हौसला अफजाई की. उन्होंने कहा कि जबतक हमारे युवा शिक्षित नहीं होंगे, तब तक विकसित बिहार की परिकल्पना नहीं हो सकती है. युवाओं की अपनी भागीदारी समाज के प्रति सुनिश्चित करनी होगी.

रोहतास में विकास अधूरा

शिवदीप लांडे ने कहा कि जब वह एसपी के रूप में रोहतास में कार्यरत थे, तब ये इलाका नक्सलियों का गढ़ हुआ करता था. उन्होंने कहा कि हैरत की बात है कि अभी भी यह इलाका विकास से अछूता है.

शिक्षा से ही अंधेरे को दूर किया जा सकता है. इसी क्रम में रसूलपुर के चाणक्य क्विज एंड लाइब्रेरी के सिविल और सरकारी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बच्चों से मुलाकात की. उन्होंने तिलौथू हाई स्कूल के अंतरिक्ष विज्ञान प्रयोगशाला का भी भ्रमण किया. प्रधानाचार्य मैकू राम समेत अन्य शिक्षकों और छात्रों से बात की. उसके बाद वह डालमिया नगर औद्योगिक परिसर भी गए.

सामूहिक प्रयास से आगे बढ़ेगा बिहार : शिवदीप लांडे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि बिहार में सकारात्मक परिवर्तन की आवश्यकता महसूस कर रहे थे, जिसके कारण नौकरी त्यागकर बिहार की सेवा में लगे हुए हैं. उन्होंने कहा कि बिहार को विकास के पथ पर आगे ले जाने के लिए राजनीति और जात-पात से ऊपर उठकर सभी को एकजुट होकर प्रयास करना होगा. यह परिवर्तन किसी एक व्यक्ति के प्रयास से संभव नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग को सकारात्मक सोच और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ योगदान देना होगा.

उद्योग के बिना विकास संभव नहीं

शिवदीप लांडे ने कहा कि बिहार में जबतक रोजी-रोजगार के अवसर उपलब्ध नहीं होंगे, तब तक यहां से पलायन नहीं रुकेगा. उन्होंने कहा कि यहां पर कृषि आधारित उद्योग लगाने के व्यापक अवसर मौजूद हैं. बिहार कभी चीनी मिलों के लिए जाना जाता था लेकिन आज बिहार में एक भी चीनी मिल कार्यरत नहीं है. आज अगर महाराष्ट्र में चले जाएं तो वहां पाएंगे कि वहां हर 12 किलोमीटर पर एक चीनी मिल स्थापित है. मैं बिहार के युवाओं को जागरूक करने निकला हूं. बिहारी युवा अपने अंदर की ऊर्जा और ताकत को पहचान कर बिहार को आगे बढ़ाने में लगाएं.

स्कूल की छुट्टी के बाद बच्ची को रोककर हेडमास्टर ने किया बैड टच!

समस्तीपुर, एजेंसी। बिहार के समस्तीपुर में पांचवी क्लास की छात्रा से बैड टच करने का मामला सामने आया है. आरोप भी किसी और पर नहीं बल्कि विद्यालय के हेडमास्टर पर लगा है. जिसके बाद एचएम के खिलाफ आक्रोशित लोगों ने जमकर हंगामा किया. घटना नगर थानाक्षेत्र के बहादुरपुर मध्य विद्यालय की है. पुलिस ने भारी विरोध के बाद आरोपी एचएम को हिरासत में ले लिया है. स्कूल की छुट्टी के बाद बच्ची से बैड टच-बता दें कि जिला मुख्यालय स्थित राजकीयकृत मध्य विद्यालय बहादुरपुर में हेडमास्टर पर पांचवी कक्षा की छात्रा से बैड टच और छेड़खानी का आरोप लगा है. इसको लेकर सोमवार की शाम विद्यालय परिसर में घंटो हंगामा हुआ. वहां पहुंचे लोगों ने आरोपी हेडमास्टर को बंधक बना लिया. लोगों का आरोप था की सोमवार की शाम विद्यालय में छुट्टी के बाद हेडमास्टर के पास किसी काम से 5वीं कक्षा की तीन छात्राएं गयी थी. इस दौरान एचएम ने दो छात्राओं को घर जाने को कहकर एक छात्रा को रोक लिया. विद्यालय से जब छात्रा घर पहुंची तो उसने परिजनों को आपबीती बतायी. ये सुन परिजन आक्रोशित होकर स्कूल पहुंच गए और हंगामा करने लगे. जिसके बाद सूचना पर पहुंची नगर थाने की पुलिस ने हेडमास्टर को आक्रोशित लोगों के चंगुल से निकालकर थाना हिरासत में ले लिया.

मुरैठा तो निकलवा ली लेकिन दिमाग की बत्ती जली नहीं

तेजस्वी के तंज पर सम्राट चौधरी ने भी लालू परिवार को रगड़ दिया!

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में आरजेडी के सीएम कैंडिडेट तेजस्वी यादव के सामने एनडीए की तरफ से कौन मुख्यमंत्री का चेहरा होगा, इसकी एक झलक सोमवार को विधानसभा में दिखी. तेजस्वी ने जितने भी आरोप बीजेपी और एनडीए पर लगाए, सम्राट चौधरी ने न केवल तमाम आरोपों के जवाब दिए बल्कि लालू परिवार पर जमकर हमले भी बोले. नेता प्रतिपक्ष ने कहा, मुख्यमंत्री ने आपकी मुरैठा तो निकलवा ली लेकिन दिमाग की बत्ती जली नहीं, इस पर डिप्टी सीएम ने भी कहा, लालू जी कहते थे कि रानी के पेट से राजा पैदा नहीं होगा लेकिन यहां तो पूरा परिवार ही सत्ता में आ गया.

सम्राट चौधरी और तेजस्वी यादव में बहस- : दरअसल, डिप्टी सीएम सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को चर्चा के लिए सदन में विनियोग विधेयक पेश किया. 3 लाख 21 हजार करोड़ का विनियोग विधेयक पास भी हो गया लेकिन चर्चा के दौरान उनकी तेजस्वी यादव के साथ जमकर बहस हुई. नेता प्रतिपक्ष ने नीतीश सरकार पर नौकरी रोजगार और भ्रष्टाचार को लेकर जमकर हमला किया. साथ ही बीजेपी पर भी निशाना साधा. वहीं, तेजस्वी के आरोप पर उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने भी लालू राज और लालू परिवार पर करारा हमला किया. ये भी याद दिलाया कि उनपर लालू राज में कितने जुल्म हुए.

नीतीश सरकार पर तेजस्वी के ताबड़तोड़ हमले : विधानसभा के दूसरे हाफ में विनियोग विधेयक 2025 पर चर्चा में भाग लेते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि केंद्र सरकार ने बजट में बिहार की उपेक्षा हुई है. बिहार सरकार बजट का आकार बढ़ाने का दावा करती है लेकिन नीति आयोग की रिपोर्ट में बिहार सबसे गरीब राज्य है. पलायन, शिक्षा, स्वास्थ्य और निवेश उद्योग में सबसे पीछे है, जबकि अपराध और भ्रष्टाचार में बिहार सबसे आगे है. विकास पर मौजूदा सरकार सिर्फ झूठे दावे करती है.

बजट के आकार पर तेजस्वी का दावा : तेजस्वी यादव ने कहा कि लालू यादव जब बिहार के मुख्यमंत्री बने थे, तब बिहार का बजट 3000 करोड़ का था. वहीं जब उन्होंने नीतीश कुमार को सत्ता सौंपी, तब बजट 28000 करोड़ का था यानी 9 गुना से भी अधिक था. नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी साक्षरता दर पर बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं लेकिन बिहार में अभी स्कूल ड्रॉप 45त है, जबकि देश में सबसे कम बिहार में साक्षरता दर है. इतना ही नहीं देश भर में बिहार में सबसे कम आय है.

लौंडा डांस बिहार की संस्कृति : लौंडा डांस पर सम्राट चौधरी के बयान पर पलटवार करते हुए तेजस्वी ने कहा कि डिप्टी सीएम कहते हैं कि लालू यादव लौंडा डांस करवाते थे. उनको यह पता होना चाहिए कि लौंडा डांस हमारी संस्कृति की पहचान है, जो सदियों से चली आ रही है. भिखारी ठाकुर जो भोजपुरी के शेक्सपियर थे, उनका भी ये मजाक उड़ाते हैं. उन्होंने सदन में बैठे विनय बिहारी से भी पूछ लिया कि बताइये क्या लौंडा डांस बिहार की संस्कृति रही है या नहीं

मेरी बहन पर ओछी टिप्पणी करते हैं सम्राट: पिता लालू यादव को किडनी डोनेट करने वाली बहन रोहिणी आचार्य को लेकर सम्राट चौधरी की उस टिप्पणी पर भी तेजस्वी ने पलटवार किया है, जिसमें डिप्टी सीएम ने कहा था कि सारण से लोकसभा का टिकट देने की कीमत पर ही लालू ने बेटी से किडनी लिया होगा. इस पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मेरी बहन को टिकट के लिए किडनी देने की बात कहते हैं सम्राट चौधरी, ये उनकी छोटी सोच को दर्शाता है.

Page 3_16.12..2018 PAGE-04.qxd 25-03-2025 22:21 Page 1

सिमुलतला आवासीय विद्यालय से इस बार कोई टॉपर नहीं

टॉपर्स की फैक्ट्री का लगातार गिर रहा ग्राफ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर से इंटर परीक्षा 2025 का रिजल्ट घोषित किया गया है। गौरतलब है कि सिमुलतला आवासीय विद्यालय को टॉपर्स की फैक्ट्री कहा जाता है। वर्ष 2010 में इस विद्यालय की स्थापना हुई थी और 2015 में यहां से फर्स्ट बैच ने मैट्रिक परीक्षा में भाग लिया था और उसमें परचम लहराया था। तब से ही इसे टॉपर्स की फैक्ट्री कहा जाता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से यहां के बच्चों ने रिजल्ट में लगातार निराश किया था और इस बार भी विद्यालय को निराशा हाथ लगी। इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट व टॉपर्स की फैक्ट्री कहे जाने वाले जमुई जिले के सिमुलतला आवासीय विद्यालय एक बार फिर निराशा किया है। यहां के एक भी छात्र टॉप 10 की सूची में अपनी जगह नहीं बन पाई है। हालांकि, परिणाम घोषित होने होने से पहले विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल था। खुशी का माहौल होना भी लाजिमी था क्योंकि तीन सालों से इंटर की परिणाम में निराशा हाथ लग रही थी।

बताया जा रहा है कि इस बार विद्यालय की दो छात्र को बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा पटना बुलाया गया था। लेकिन इस बार भी यहां के छात्र टॉप 10 में अपनी जगह बनाने में सफल नहीं हुए। गौरतलब है कि मैट्रिक और इंटर परीक्षा परिणाम में सिमुलतला आवासीय विद्यालय को टॉपर्स की फैक्ट्री माना जाता रहा है। लेकिन, पिछले तीन सालों में इंटर के

परिणाम में सिमुलतला आवासीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विद्यालय परिवार को निराश किया था। इंटर के परिणाम में यहां के एक भी छात्र ने टॉप 10 की सूची में अपना जगह नहीं बना पाया था और यह सिलसिला इस बार भी जारी रहा। हालांकि पिछले बर्ष मैट्रिक के परिणाम में सिमुलतला आवासीय विद्यालय के 6 छात्रों ने टॉप टेन में जगह बनाकर विद्यालय की लाज बचाई थी। साल 2019 में हुई इंटरमीडिएट की परीक्षा में सिमुलतला आवासीय विद्यालय से विज्ञान संकाय के 19, वाणिज्य संकाय के 8 और कला संकाय के 9 छात्र शामिल हुए थे। लेकिन केवल कला संकाय के 3 छात्र ही टॉप टेन में जगह बना पाए थे। साल 2020 में विद्यालय से विज्ञान संकाय में 49, वाणिज्य संकाय में 9 और कला संकाय में 10 छात्र शामिल हुए थे। जिसमें विज्ञान संकाय से एक वाणिज्य संकाय से 1 तथा कला संकाय से 4 छात्रों ने टॉप टेन में अपनी जगह बनाई थी। साल 2021 में इस विद्यालय से विज्ञान संकाय में 39, कला संकाय में 5 और वाणिज्य संकाय में 1 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे और टॉप टेन में कला संकाय के एक छात्र ने अपनी जगह बनाई थी जिसने बिहार भर में टॉप स्थान भी हासिल किया था। साल 2022 में इस विद्यालय से 27 बच्चे विज्ञान संकाय से, 7 वाणिज्य संकाय से और 9 बच्चे कला संकाय से परीक्षा में शामिल हुए थे। लेकिन एक भी छात्र टॉप टेन में अपनी जगह नहीं बना पाया और तब से लगातार तीन वर्षों में इंटर के एक भी छात्र टॉप टेन में जगह बनाने में असफल रहे। इस बार भी अलग-अलग विषयों में कुल 29 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में शामिल हुए थे। लेकिन एक भी परीक्षार्थी टॉप 10 की सूची में अपनी जगह नहीं बना पाए।

छात्रों को लगे पंख, मिलेगी दोगुनी राशि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार बोर्ड की इंटर परीक्षा के टॉपर्स के लिए खुशखबरी है। इस बार बिहार बोर्ड उन्हें पिछली बार की तुलना में दोगुणी राशि देने जा रही है। बिहार बोर्ड के अध्यक्ष ने पहले ही इस बार की घोषण कर दी थी। आज रिजल्ट जारी करने के बाद टॉपर्स को मिलने वाली दोगुणी राशि, लैपटॉप और प्रशस्ति पत्र की जानकारी फिर से दी। उन्होंने कहा कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने इस वर्ष से इन्टरमीडिएट वार्षिक परीक्षा में तीनों संकाय - विज्ञान, वाणिज्य एवं कला में प्रथम 05 रैंक तक स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए पुरस्कार राशि को दोगुना करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उनकी मेहनत को मान्यता देने के उद्देश्य से लिया गया है।

बिहार बोर्ड की ओर से सभी पुरस्कृत विद्यार्थियों को एक-एक लैपटॉप, प्रशस्ति-पत्र एवं मेडल भी दिया जाएगा। बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि समिति ने 'बिहार विद्यालय परीक्षा समिति देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मेधा छात्रवृत्ति' की राशि में भी बढ़ोतरी की है। अब इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा, 2025 के टॉप 05 विद्यार्थियों को प्रति माह 1,500 रुपये की बजाय 2,500 रुपये छात्रवृत्ति के रूप में दी जाएगी।

पुलिस पर दो किलो लहसुन और पांच सौ रुपये रिश्वत मांगने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में एक पुलिस वाले ने खुद की कीमत दो किलो लहसुन और पांच सौ रुपये बताई है। यह आरोप एक बुजुर्ग दंपति ने लगाया है। उनका कहना है कि उनके लापता बेटे को ढूंढने के लिए पुलिस ने उनसे दो किलो लहसुन और पांच सौ रुपये की मांग की है। मामला मीनापुर थाना क्षेत्र के पिपराहाँ गाँव का है। पीड़िता का कहना है कि बीते वर्ष 2022 से उसका बेटा लापता है।

पुलिस वाले ने दो किलो लहसुन और पांच सौ रुपये नहीं मिलने पर मामले को ठन्डे बस्ते में डाल दिया। इसी वजह से पुलिस अब तक कुछ नहीं कर सकी है।

05 दिसंबर 2022 का दिन वह कभी नहीं भूल सकते, जब उनका बेटा अचानक लापता हो गया। काफी ढूँढा, लेकिन सब बेकार। अंत में थक हारकर दोनों बुजुर्ग माता-पिता स्थानीय थाना पहुंचे। दोनों के बयान पर मीनापुर थाना में कांड संख्या 625/22 दर्ज किया गया। लेकिन तब से लेकर अब तक उस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। कांड के सूचक योगेंद्र भगत ने बताया कि 05 दिसंबर 2022 को उनका एकलौता पुत्र अजीत कुमार घर से सुबह करीब 5 बजे शहर के लिए निकला, जिसके बाद से उसका आज तक कहीं कुछ अता-पता नहीं चल पाया।

मामले की सूचना पानापुर ओपी को दी गई। उसके बाद मीनापुर थाना में कांड संख्या - 625/22 के तहत मामला दर्ज किया गया लेकिन आजतक उस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई।

पीड़ित दंपति का कहना है कि जब भी थाने पर जाता हूँ, तो पुलिस पदाधिकारी गाली देकर और डांट फटकार कर वहाँ से भगा देते हैं। वही थाने के दरोगा के द्वारा कहा गया कि 2 किलो लहसुन और 500 रुपए लेकर आओ तभी मामले में कार्रवाई की जायगी। हालांकि सूचक ने कहा कि मेरे घर में 50 ग्राम भी लहसुन नहीं है तब मैं 2 किलो लहसुन कैसे दे सकता हूँ।

2 किलो लहसुन और 500 रुपये नहीं देने पर दरोगा ने मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया। अब इस मामले को लेकर पीड़ित परिवार ने बिहार मानवाधिकार आयोग एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में दो अलग-अलग याचिका दाखिल किया है।

इस मामले में मानवाधिकार अधिवक्ता ने बताया कि इस मामले को सुलझाने के बजाय पुलिस और उलझा रही है। इस मामले में पुलिस को लेकर अब उच्चस्तरीय जाँच होनी चाहिए। पुलिस इस मामले को लहसुन और रुपये के बीच उलझाकर मामले को रफा-दफा करने में लगी हुई हैं। ऐसे मामले में सीआईडी जाँच की नितांत आवश्यकता हैं।

वीमेंस कॉलेज के पास फायरिंग से अफरातफरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नेहरू पथ पर स्थित पटना वीमेंस कॉलेज के सामने मंगलवार को हवाई फायरिंग से अफरातफरी मच गई।

भागने के दौरान एक युवक घायल हो गया। फायरिंग की सूचना मिलते ही कोतवाली थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। वहीं घायल को पीएमसीएच भेजा गया है।

पुलिस मामले की जांच में जुटी है। दरअसल पटना यूनिवर्सिटी में छात्र संघ चुनाव होना है। इसके लिए वीमेंस कॉलेज के बाहर भी चुनाव का माहौल दिखने लगा है। छात्र अपने कैंडिडेट के लिए चुनाव प्रचार में भी जुट गए है।

इसी बीच मंगलवार की दोपहर कॉलेज के पास खड़ी कार के पास कुछ छात्र आपस में भिड़ गए। कार के पास ही अचानक फायरिंग हो गई।

हालांकि थाना पुलिस इस संबंध में किसी प्रकार का बयान देने से बचते रही।

बेखौफ अपराधियों ने कातिब को मारी गोली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीवान। अपराधियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले 24 घंटे के अंदर गोलीबारी की यह तीसरी घटना है, जिससे इलाके में दहशत का माहौल है। ताजा मामला नौतन थाना क्षेत्र का है, जहां सीवान रजिस्ट्री कचहरी में कार्यरत कातिब नागेंद्र कुमार श्रीवास्तव पर दिनदहाड़े अंधाधुंध फायरिंग की गई। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना पीएमसीएच रेफर किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, नौतन थाना क्षेत्र के रहने वाले नागेंद्र कुमार श्रीवास्तव रोज की तरह सीवान रजिस्ट्री कचहरी आ रहे थे। जब वह पचलखि गांव के पास पहुंचे, तभी पहले से घात लगाए सात-आठ अपराधियों ने उन्हें घेर लिया और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में गोली लगने से वह घायल हो गए। गोलीबारी की आवाज सुनते ही आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े, लेकिन अपराधी हथियार लहराते हुए फरार हो गए। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल नागेंद्र श्रीवास्तव को सीवान सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया।

घायल नागेंद्र श्रीवास्तव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उन पर हमला जमीन विवाद के कारण कराया गया है। उन्होंने कहा कि गोली चलाने वालों को मैं नहीं पहचानता। लेकिन जिसने हमला करवाया है, उससे मेरा पुराना जमीन विवाद चल रहा है। उन्होंने बताया कि हमले के दौरान करीब सात-आठ अपराधी मौजूद थे, जिसमें कुछ लोगों ने उन्हें पकड़ रखा था, जबकि कुछ फायरिंग कर रहे थे।

नागेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि मैं लंबा था, इसलिए खुद को छुड़ाकर भागने में सफल रहा, जिससे मेरी जान बच पाई। हालांकि गोली लगने के कारण मैं गंभीर रूप से घायल हो गया हूं। उन्होंने इस हमले के लिए मोहन चौधरी नामक युवक को जिम्मेदार ठहराया है और पुलिस से अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

इस गोलीबारी की घटना को लेकर नौतन थाना प्रभारी उमेश कुमार ने कहा कि प्रारंभिक जांच में मामला जमीन विवाद का लग रहा है। उन्होंने कहा कि घायल के बयान के आधार पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है और अपराधियों की तलाश जारी है।

सीवान में लगातार हो रही गोलीबारी की घटनाओं ने आम जनता को डरा दिया है। 24 घंटे के भीतर तीसरी घटना होने से यह साफ हो गया है कि अपराधी बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दे रहे हैं। लोग पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं ताकि अपराध पर लगाम लगाई जा सके।

अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ने अंजली को बनाया जिले का टापर

सिलाव (नालंदा)। इंटरमीडिएट की परीक्षा का रिजल्ट आते ही छात्र-छात्राओं में खुशी की लहर दौड़ गई। खासकर, महाबोधि महाविद्यालय, नालंदा की छात्रा अंजली सिंह के लिए यह उपलब्धि बेहद खास रही। अंजली ने साइंस स्ट्रीम में जिले में टाप कर पूरे परिवार को गौरवान्वित किया है।

अंजली का रोल कोड 12017 और रोल नंबर 25010049 है। पढ़ाई में शुरू से ही मेधावी रही। अंजली ने 10वीं की परीक्षा सीबीएसई बोर्ड से 98 प्रतिशत अंकों के साथ पास की थी। अब वह नीट परीक्षा की तैयारी कर रही हैं, जिसका एग्जाम 4 अप्रैल को होना है।

नालंदा जिले के शोभा बिगहा गांव की रहने वाली अंजली पांच भाई-बहनों में दूसरे स्थान पर हैं। उनके पिता सीआइएसएफ में सब-इंस्पेक्टर हैं, जो बेटी की सफलता पर गर्व महसूस कर रहे हैं। अंजली बताती हैं, ȣपढ़ाई के दौरान यह नहीं सोचना चाहिए कि परिणाम क्या आएगा। मेरा काम मेहनत करना है, सफलता खुद आएगी। अगर रोज 10 से 12 घंटे एकाग्र होकर पढ़ाई की जाए, तो अच्छे रिजल्ट मिलते ही हैं।

स्कूलों में अब होगी कम्प्यूटर की पढ़ाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में निजी स्कूलों की तरह अब राज्य के सरकारी स्कूलों में भी कंप्यूटर पाठ्यक्रम लागू किया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम नए सत्र (एक अप्रैल) से कक्षा छह से आठवीं तक में लागू होगा। पाठ्यक्रम लागू करने के लिए राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) तैयारी पूरी कर चुका है। परीक्षा में अन्य विषयों की तरह कंप्यूटर की परीक्षा ली जाएगी। कंप्यूटर विषय की पहली परीक्षा सितंबर 2005 में होने वाली अर्द्धवार्षिक परीक्षा के साथ ली जाएगी। एससीईआरटी के निदेशक सज्जन आर. ने बताया कि नए सत्र से कक्षा से आठवीं तक में कंप्यूटर कोर्स लागू किया जा रहा है। पुस्तक की छपाई भी हो गई।

मार्च के अंत तक कंप्यूटर की किताबें स्कूल तक पहुंच जाएगी

मार्च के अंत तक अन्य पुस्तकों के साथ-साथ कंप्यूटर की किताबें भी स्कूलों तक पहुंच जाएंगी। कंप्यूटर के शिक्षक भी बहाल किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि अभी के समय में सभी बच्चों को कंप्यूटर की बेसिक जानकारी होनी चाहिए। इसमें सरकारी स्कूल के बच्चे पिछड़ रहे थे। नीचे के कक्षाओं में कंप्यूटर कोर्स को लागू करना आवश्यक हो गया था। इससे होगा कि बच्चे कंप्यूटर एवं उनके विभिन्न भागों को पहचानेंगे और उसकी कार्यप्रणाली को बता पाएंगे।

कंप्यूटर का दैनिक जीवन में कितना उपयोग है, इसका प्रयोग करना, नियमों का पालन करना, आपरेटिंग सिस्टम के बारे में जानकारी लेंगे। साथ ही मल्टीटास्किंग फाइल मैनेजमेंट और यूजर इंटरफेस की भूमिका को समझेंगे। साइबर अपराध से बचने के लिए आवश्यक सावधानियां और रणनीतियों को अपने दैनिक जीवन में लागू कर पाएंगे। क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे तकनीक से परिचित होंगे।

जिले में होगी 317 होमगार्डों की बहाली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। जिले में 317 गृह रक्षा वाहिनी के पद पर बहाली होनी है। इसको लेकर 27 मार्च से आनलाइन आवेदन जमा किया जाएगा।

आवेदन जमा करने का अंतिम तिथि 16 अप्रैल विभाग द्वारा निर्धारित किया गया है। हालांकि अरवल जिले में होमगार्ड की नई बहाली नहीं होनी है।

जहानाबाद जिले में बहाली को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की जा चुकी है। बहाली के लिए आवेदक का शारीरिक जांच को लेकर पुलिस लाइन के मैदान को चिह्नित किया गया है।

इस बहाली में वैसे आवेदक ही भाग लेंगे जो उच्च माध्यमिक इंटरमीडिएट, इंटर अथवा राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष परीक्षा उर्तीण हैं। गृह रक्षा वाहिनी की नयी वेबसाइट तैयार की गयी है। 27 मार्च से वेबसाइट कार्य करना शुरू कर देगा।

अप्रैल में चालू हो जायेगा औटा- सिमरिया सिक्स लेन पुल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। अप्रैल के पहले या दूसरे सप्ताह में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में शामिल औटा से सिमरिया के बीच गंगा नदी पर बने सिक्स लेन पुल का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर सकते हैं।

इसके बाद सिक्स लेन सड़क पुल पर वाहनों का परिचालन शुरू कर दिया जाएगा। पुल पर कालीकरण कार्य पूरा कर लिया गया है। दूसरे लेन में लगभग काम पूर्ण हो चुका है।

1200 करोड़ रुपये की लागत से इसका निर्माण किया जा रहा है। 18 पिलर पर बन रहे इस पुल की कुल लंबाई 8.15 किलोमीटर है। पुल का निर्माण कार्य वेलस्पेन एवं एसपी शिंगला कंपनी कर रही है। पुल पर सेगमेंट का काम लगभग पूरा कर लिया गया है।

सिमरिया एवं हाथीदह की तरफ पहुंच पथ का काम अंतिम चरण में है। वहीं, हाथीदह रेलवे लाइन, सड़क मार्ग, रामपुर डुमरा एवं औटा हथीदह रेलवे लाइन पर पिलर निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। गंगा नदी पर पुल की लंबाई दो किलोमीटर है।

पहुंच पथ की लंबाई सिमरिया एवं औटा की तरफ छह किलोमीटर है। यह पुल उत्तर एवं दक्षिण बिहार को जोड़ेगा। पुल की चौड़ाई 34 मीटर है।

सिक्सलेन पुल का हाथीदह में आरओबी का निर्माण

पीएम कर सकते हैं उद्घाटन

अंतिम चरण में है। यहां निमार्णाधीन पुल के नीचे से एनएच 80 सड़क तो इसके ऊपर से एनएच 31 गुजरेगी।

इसी जगह से हाथीदह जंक्शन से ऊपर से होकर टाल होते हुए औटा के पास यह सड़क मिलेगी। वहां सौ मीटर चौड़ा रोटरी (जीरोमाइल) बनेगा। हाथीदह से औटा तक पहुंच पथ सड़क में किसानों के आवागमन की सुविधा को लेकर दर्जन भर जगहों पर पुल-पुलिया का निर्माण किया जा रहा है।

पुल के दूसरे छोर सिमरिया साइड में राजेंद्र पुल स्टेशन के पास मिलेगा। यहां 80 मीटर चौड़ा रोटरी (जीरोमाइल) का निर्माण किया जाएगा।

इस संबंध में एसपी सिंगला कंपनी के उप प्रबंधक प्रमोद पांडेय ने बताया कि 25 अप्रैल तक सिक्स लेन पुल पर वाहनों का परिचालन शुरू होने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि अप्रैल के पहले अथवा दूसरे सप्ताह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा सिक्स लेन सड़क पुल का उद्घाटन करने की उम्मीद है। अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह में प्रधानमंत्री के आगमन की संभावना है। इस दिशा में काम चल रहा है।

नीरज कुमार ने तेजस्वी से पूछे सवाल

लंपट किस्म के लोगों के नाम को करें उजागर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जदयू विधान पार्षद सह मुख्य प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए उनपर गंभीर आरोप लगाये हैं।

नीरज कुमार ने कहा है कि तेजस्वी यादव अपराधियों का खुलेआम संरक्षण करते हैं। उन्होंने कहा कि 22 मार्च को बेलगछी, बायसी, पूर्णिया में आयोजित उनके दावत-ए-इफ्तार में एक युवक कट्टा लेकर पहुंचता है और तेजस्वी यादव इस बात की सूचना पुलिस को देने के बजाय वहां उपस्थित पुलिसकर्मी उस हथियार को छुपाने काम करता है।

इस सन्दर्भ में नीरज कुमार ने तेजस्वी यादव से इस मामले में कई सवाल पूछे हैं।

उन्होंने तेजस्वी यादव से पूछा है कि तेजस्वी यादव ये बताएं कि वो अपराधी कौन था, जो उनकी मौजूदगी में खुलेआम कट्टा लहरा रहा है? तेजस्वी यादव ये बताएं कि

आपकी आंखों के सामने सारी बातें हो रही थी तो आपने पुलिस को सूचना नहीं देकर ऐसा जघन्य अपराध क्यों किया, कारण स्पष्ट करें?

तेजस्वी यादव दावत-ए-इफ्तार में पहुंचे ऐसे लंपट किस्म के लोग का नाम सार्वजनिक करें। ये बताएं कि वह अपराधी किसका साथी है और उसे वहां कौन लेकर गया था? नीरज कुमार ने कहा कि तेजस्वी यादव को इन सवालों का जवाब देना चाहिए अन्यथा ये माना जाएगा कि वो हथियार लहराने वाले के संरक्षक हैं।

50 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य : मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विधान परिषद में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार का अगला लक्ष्य 50 लाख लोगों को रोजगार देना है। राजद सरकार में 1990 से 2005 के बीच महज 94 हजार रोजगार दिए गए।

वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने वर्ष 2005 से 2020 तक साढ़े सात लाख और 2020 से अब तक दस लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी है।

विनियोग विधेयक बजट पर सरकार का पक्ष रखते हुए सम्राट ने बताया कि राज्य में प्रमंडल स्तर पर खेल गांव का निर्माण किया जाएगा। सात हजार पंचायतों में मैदान का निर्माण किया जा रहा है। पंचायतों में स्पोर्ट्स क्लब का गठन किया और खेल सामग्री भी दी जाएगी। इसके साथ ही प्रखंडों में 350 डिग्री कॉलेज खोले जाएंगे। सरकारी डेटा और वेबसाइट की सुरक्षा के लिए डेटा डिजास्टर रिकवरी सेंटर बनाया जाएगा।

बिहार को मिला 7.80 लाख पीएम आवास

उपमुख्यमंत्री सम्राट ने कहा कि एनडीए सरकार में हर क्षेत्र में काम हुआ है। वर्ष 2005 में राज्य की 54.4 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा से नीचे थी मगर अब महज 33 प्रतिशत लोग ही गरीबी रेखा के नीचे हैं।

उस समय स्कूलों में ड्राप आउट का प्रतिशत 60 था जो अब घटकर 20 प्रतिशत के आसपास रह गया है। यूपीए सरकार में बिहार को केंद्र से दो लाख 79 हजार करोड़ की मदद मिली थी।

वहीं वर्ष 2014 से अब तक केंद्र सरकार ने साढ़े 13 लाख करोड़ की मदद की है। पहले राज्य को दो लाख 45 हजार प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति मिली थी मगर मुख्यमंत्री के आग्रह के बाद अब सात लाख 80 हजार पीएम आवास बिहार को मिलेगा।

सम्राट चौधरी ने कहा कि उन्होंने लालू प्रसाद के साथ भी काम किया है। वह मंत्री से कभी नहीं पूछते थे कि क्या काम हो रहा है, मगर नीतीश कुमार के राज में रोज पूछा जाता है कि क्या काम किए हैं, कौन सा काम हो रहा है।

2005 में एनडीए को खटारा बिहार मिला था मगर आज गली-गली में मर्सडीज घूमने वाला बिहार बन गया है। विपक्ष की टीका-टिप्पणी का जवाब देते हुए सम्राट ने कहा कि कीचड़ फेकेंगे तभी तो कमल खिलेगा।

जिस पार्टी के नेता नौकरी और विधायक का टिकट देने के लिए जमीन लिखवाते हैं, उनके बारे में क्या कहा जाए। उन्होंने बताया कि बिहार में आजादी के पहले और उसके बाद भी मेडिकल कॉलेज खुले मगर 1980 से 2005 तक एक भी मेडिकल कालेज नहीं खुला।

वर्ष 2008 के बाद बेतिया, पावापुरी, पूर्णिया, मधेपुरा, समस्तीपुर, छपरा समेत कई जिलों में मेडिकल कालेज खोला गया है।

आरा स्टेशन पर सिरफिरे युवक ने पिता-पुत्री को मारी गोली

आरा। पटना-डीडीयू रेलखंड स्थित आरा रेलवे स्टेशन पर मंगलवार की देर शाम एक सिरफिरे युवक ने एक पिता व पुत्री की गोली मारकर हत्या कर दी।

इसके बाद खुद भी गोली मारकर खुदकुशी कर ली। मृतकों में आरा नवादा थाना के गोढ़ना रोड निवासी 55 वर्षीय अनिल कुमार और 18 वर्षीय पुत्री जिया कुमारी उर्फ आयूषी कुमारी तथा उदवंतनगर थाना के असनी गांव निवासी शत्रुध्न सिंह का 22 वर्षीय पुत्र अमन कुमार सिंह शामिल है।

मृतक पिता-पुत्री का भेंलाई रोड में भी मकान है। तीनों को सिर के भाग गोली लगी है। घटनास्थल से एक पिस्टल, मैग्जीन, दो कारतूस व खोखा बरामद किया गया है।

इधर, सदर एएसपी परिचय कुमार ने बताया कि शुरूआती जांच में मामला प्रेम- प्रसंग का प्रतीत हो रहा है। वैसे हर एंगल पर जांच चल रही है। पिता पेशे से एलआइसी एजेंट है।

छात्रा दिल्ली में रहकर एमबीए की पढ़ाई करती थी। वारदात के बाद आरा सदर एएसपी परिचय कुमार समेत अन्य अफसरों ने जांच की।

इस दौरान एफएसएल की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्रित किए। घटना देर शाम करीब आठ बजे यह प्लेटफार्म नंबर दो-तीन के बीच फुट ओवरब्रिज रैंप पर घटी।

हजारों लोगों की कटी बिजली

अररिया। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल अररिया अंतर्गत सभी प्रखंडो में विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा बकाया राशि की वसूली हेतु सघन अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में मार्च महीने में अभी तक कुल 5038 बकाएदार उपभोक्ताओं की लाइन काटी गई है।

आईटी मैनेजर निकेत कुमार ने बताया कि मार्च माह में अब तक अररिया प्रखंड अंतर्गत 1399, जोकिहाट प्रखंड में 905, पलासी प्रखंड में 617, सिकटी प्रखंड में 519, रानीगंज प्रखंड में 1281 एवं भरगामा प्रखंड में 470 बकाएदारों का लाइन काट दी गई है। साथ ही साथ सभी प्रखंडो में छापामारी दल का गठन कर विद्युत चोरी के विरुद्ध सघन छापामारी की जा रही है। मार्च महीने में अभी तक विद्युत आपूर्ति प्रमंडल अररिया अंतर्गत कुल 100 लोगों पर विद्युत ऊर्जा चोरी से संबंधित प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है, जिसमे कुल 34.33 लाख का आथिक जुमार्ना लगाया गया है। 100 लोगो में 81 वैसे उपभोक्ता हैं, जिन्होंने लाइन काटने के बाद बिना बिजली बकाया का भुगतान किए ही तार को स्वतः जोड़कर विद्युत का उपभोग करना शुरू कर दिया।

टिकटों की हो रही मारामारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मोहनियां। होली पर्व समाप्त होने के बाद दूसरे राज्यों में कार्यरत कैमूर जिले के लोग अपने काम पर लौटना चाहते हैं, लेकिन ट्रेनों में आरक्षण टिकट नहीं मिलने से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है।

जगह के अभाव में बोगियों में खड़ा होना मुश्किल हो रहा है। यात्री जान जोखिम में डालकर गेट पर झूलकर सफर करने को मजबूर हैं। भीड़ के कारण ट्रेनों में धक्कामुक्की हो रही है।

भीड़ के कारण आरक्षण टिकट वाले भी ट्रेन में सवार नहीं हो पा रहे हैं। यात्रियों की सुरक्षा को ले आरपीएफ और जीआरपी को प्लेटफार्म पर मशक्कत करनी पड़ रही है। हर पर्व के मौके पर जिलेवासियों को इस तरह की समस्या से जूझना पड़ता है। यात्रियों को आरक्षण व तत्काल टिकट मिलना तो दूर वेटिंग टिकट भी नहीं मिल रहा है।

स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ दिखाई दे रही है, ट्रेनों में चढ़ने में मारामारी हो रही है। गेट पर झूलते यात्रियों को हटाने में आरपीएफ व जीआरपी के पसीने छूट रहे हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर-गया रेलखंड पर अवस्थित भभुआ रोड स्टेशन से प्रतिदिन 36 जोड़ी ट्रेनें गुजरती हैं। इस रेलखंड पर एक भी स्पेशल ट्रेन का परिचालन नहीं हो रहा है। ऐसे में रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुखद यात्रा का दावा करने की बात बेमानी साबित हो रही है।

स्टेशन के टिकट काउंटर पर यात्रियों की भारी भीड़ लग रही है, जिसमें दिल्ली व मुंबई जाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक है। ट्रेनों में वेटिंग टिकट के लिए भी मारामारी है।

महाबोधि एक्सप्रेस में वेटिंग टिकट भी नहीं मिल पा रहा है। वेटिंग का अंतर तीन सौ से अधिक है। यही हाल पुरुषोत्तम एक्सप्रेस का है। गया से खुलने वाली महाबोधि एक्सप्रेस में पैर रखने की जगह नहीं रहती।

रेलवे के पदाधिकारियों के मुताबिक मई माह के बाद ही यात्रियों को वेटिंग वाला आरक्षण टिकट मिल पाएगा। यात्रियों की मजबूरी का लाभ दलाल उठा रहे हैं। वे टिकट के निर्धारित किराया से तिगुना-चौगुना पैसा लेकर यात्रियों को टिकट बेचने का प्रयास कर रहे हैं। आरक्षण टिकट के लिए भभुआ रोड स्टेशन के टिकट काउंटर पर मध्य रात्रि से ही यात्रियों की कतार लगनी शुरू हो जाती है, इसमें बिचौलियों की भी संख्या कम नहीं होती है।

ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोग काउंटर के समीप रात भर डेरा डाले रहते हैं, लेकिन जब टिकट लेने की बारी आती है तो उन्हें निराशा हाथ लगती है। यात्रियों के काउंटर तक पहुंचते-पहुंचते टिकट का समय खत्म हो जाता है। भभुआ रोड स्टेशन पर आरक्षण टिकट के लिए चार काउंटर बनाए गए हैं, लेकिन सिर्फ दो काउंटर से आरक्षण टिकट मिलता है।

इसके लिए सुबह आठ बजे से दिन के दो बजे तक का समय निर्धारित है। टिकट बुकिंग का समय बढ़ाने के लिए कई वर्षों से यात्री मांग कर रहे हैं। कई मंत्री, सांसद व विधायक से भी यात्रियों ने गुहार लगाई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। दो काउंटर से मात्र छह घंटे में कितने यात्री टिकट ले पाएंगे इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

राजेश के प्यार में उम्मे कुलसुम ने अपनाया सनातन धर्म

ममता बनकर लिए सात फेरे

बरेली, एजेंसी। बरेली के आंवला थाना क्षेत्र के मनौना गांव निवासी युवती उम्मे कुलसुम ने अपने प्रेमी राजेश से प्रेम विवाह कर लिया। राजेश भी गांव मनौना का निवासी है। दिल्ली में सिलाई का काम करने वाले राजेश से कुलसुम की कुछ साल पहले दोस्ती हुई थी, जो मोबाइल पर लंबी बात के बाद प्यार में बदल गई। दोनों ने शादी करने का निर्णय लिया, लेकिन अलग

समुदाय के कारण कुलसुम के घरवालों को यह रिश्ता मंजूर नहीं था। इस पर कुलसुम अपने घर छोड़कर प्रेमी के पास पहुंच गई। सोमवार को दोनों बरेली के अगस्त्य मुनि आश्रम पहुंचे और महंत केके शंखधार के सामने शादी करने की इच्छा जताई। महंत के मुताबिक युवती बालिग है। उसने बालिग होने का प्रमाणपत्र भी दिखाया है। वहीं कुलसुम ने सनातन धर्म अपनाकर अपना नाम ममता रख लिया है। इसके बाद प्रेमी राजेश संग सात फेरे लिए। उम्मे कुलसुम उर्फ ममता ने बताया कि उसने अपनी मर्जी से शादी की।

युवती के पिता ने नाबालिग बताकर कराई रिपोर्ट

कुलसुम ने कहा कि उसके पिता ने उसे नाबालिग बताकर राजेश के खिलाफ आंवला कोतवाली मे रिपोर्ट दर्ज कराई है। जबकि उसकी उम्र 24 साल है। आरोप लगाया कि राजेश से बात करने पर घरवाले उसे पीटते थे। मम्मी ने उसे पीटा। पापा ने आग लगाकर मारने की कोशिश की थी। इसीलिए वह घर छोड़कर प्रेमी के साथ आई है। उसने अपने घरवालों से जान को खतरा जताया। दोनों को लेकर महंत ने पुलिस से शिकायत की है। पुलिस मंगलवार को युवती के कोर्ट में बयान दर्ज कराएगी।

भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री के बीच झगड़ा

आगरा, एजेंसी। आगरा में लोकतंत्र सेनानी की अंतिम शव यात्रा के दौरान भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री के बीच विवाद हो गया। ये विवाद इस कदर बढ़ गया कि दोनों में हाथापाई तक हो गई। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मी ने दोनों में बीच बचाव कराया। खेरिया मोड़ पर लोकतंत्र रक्षक सेनानी चिरंजी लाल कुशवाहा का सोमवार को निधन हो गया था। उनकी शवयात्रा में विधायक डॉ. जीएस धर्मेश और पूर्व मंत्री रामबाबू हरित भी शामिल हुए थे। बताया गया है कि दोनों में किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। इसके बाद बीच सड़क पर ही हाथापाई होने लगी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले में जब विधायक डॉ. जीएस धर्मेश से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि शवयात्रा के दौरान कुछ महिलाएं भी साथ चल रही थीं। पुरानी परंपरा के अनुसार बुजुर्ग की शवयात्रा के रास्ते को कपड़े से झाड़ते हुए चलते हैं। इन्हीं महिलाओं को रास्ता देने के लिए पूर्व मंत्री से कहा तो वो भड़क गए। पूर्व मंत्री ने उनसे अभद्र भाषा का प्रयोग किया और हाथापाई पर उतारू हो गए।

पूर्व मंत्री बोले- मेरी कोई गलती नहीं- वहीं पूर्व मंत्री रामबाबू हरित ने बताया कि विधायक डॉ. जीएस धर्मेश उनसे राजनीतिक द्वेश रखते हैं। उन्हें नीचा दिखाने के लिए विधायक ने ये हरकत की। उनकी कोई गलती नहीं थी।

अलीगढ़ में संघ प्रमुख मोहन भागवत का पांच दिन प्रवास 17 अप्रैल से

हिंदुत्व के एजेंडे को देंगे धार

अलीगढ़ , एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत पांच दिन के प्रवास पर अलीगढ़ आ रहे हैं। माना जा रहा है कि संघ प्रमुख ब्रज की भूमि पर हिंदुत्व के एजेंडे को धार देंगे। चूंकि हाल ही में प्रतिनिधि सभा की बैठक में नागपुर में औरंगजेब को लेकर हुए बवाल पर संघ ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है और श्री कृष्ण जन्म भूमि की मुक्ति का मुद्दा भी समय-समय पर गरमाता रहा है। ऐसे में मथुरा के पास अलीगढ़ में संघ प्रमुख के आगमन को लेकर तमाम कयास लगाए जा रहे हैं। भागवत के प्रवास को लेकर सिंघारपुर स्थित केशव सेवा धाम में तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। तीन मंजिला भवन तैयार किया जा रहा है, जिसमें 17 अप्रैल से 21 अप्रैल तक संघ प्रमुख रहेंगे। इस दौरान ब्रज प्रांत के भाजपा नेता चेहरे चमकाने और भागवत का आशीर्वाद लेने यहां आएंगे। इसलिए पांच दिन तक यहां नेताओं का जमघट लगा रहेगा। चूंकि अगले साल होने वाले पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले संघ प्रमुख का आशीर्वाद लेने का ब्रज प्रांत के नेताओं के पास यह बड़ा मौका है। नए भवन की तीसरी मंजिल पर चार कमरे बन रहे हैं, जिनमें एक कमरा

भागवत के लिए तैयार किया जा रहा है। शेष तीन कमरों में भी संघ के केंद्रीय पदाधिकारी रहेंगे। भागवत के कमरे को मुस्लिम कारीगर तैयार कर रहे हैं। जो रोजेदार होने के बाद भी दिन-रात निर्माण कार्य में लगे हैं। बताया जा रहा है कि सात अप्रैल को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या नए भवन का उद्घाटन करेंगे। नियमित शाखा के लिए संघ स्थान तैयार किया गया है, जिसमें संघ प्रमुख रोजाना शामिल होंगे।

बता दें कि मथुरा रोड पर सिंघारपुर स्थित केशव सेवा धाम आरएसएस की गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। संघ के सभी केंद्रीय एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों के प्रवास यहां होते हैं। संघ की बैठकें तथा अन्य आयोजन भी यहां होते हैं। संघ प्रमुख के आगमन को लेकर धाम में तीन मंजिला भवन तैयार किया जा रहा है, जो पूरी तरह वातानुकूलित होगा। इसी भवन में संघ प्रमुख मोहन भागवत का पांच दिन का प्रवास रहेगा। संघ के कई केंद्रीय अधिकारी और ब्रज प्रांत के सभी प्रमुख पदाधिकारी यहां रहेंगे। नए भवन में पहली और दूसरी मंजिल पर हॉल बनाए गए हैं, जिनका इस्तेमाल बैठकों के लिए होगा। तीसरी मंजिल पर चार कमरे बनाए गए हैं, जिनमें सभी केंद्रीय अधिकारी रहेंगे। संघ प्रमुख जिस कमरे में रुकेंगे उसे तैयार करने का ठेका केलानगर निवासी मोहम्मद आरिफ को दिया गया है। जमालपुर निवासी इमरान और आसिफ भी कमरा तैयार करने में जुटे हैं। रमजान का महीना होने के कारण तीनों कारीगर रोजेदार हैं और दिन-रात काम कर रहे हैं। आरिफ ने बताया कि समय से कमरा तैयार कर लिया जाएगा।

केशव सेवा धाम में बने छात्रावास में पूर्वोत्तर के 60 छात्र रहते हैं। इनमें 11 छात्र असम, 11 त्रिपुरा, पांच मेघालय, पांच नागालैंड, 18 अरुणाचल प्रदेश, एक आगरा, एक अलीगढ़, आठ छात्र मिजोरम के हैं।

गोशाला का उद्घाटन कल

केशव सेवा धाम में गोशाला का भवन तैयार किया गया है, जिसका उद्घाटन 26 मार्च को सुबह साढ़े नौ बजे हवन-पूजन के साथ होगा। गोशाला का लोकार्पण अग्नि अखाड़ा से महामंडेश्वर हरिकांत महाराज करेंगे। मुख्य अतिथि एडीएम वित्त मीनू राणा होंगी।

महिला नेता ने भाजपा के पूर्व पदाधिकारी अनीस अंसारी पर कराई रिपोर्ट

बरेली , एजेंसी। बरेली में भाजपा से जुड़ी महिला नेता ने भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व महानगर अध्यक्ष अनीस अंसारी, उसकी पत्नी व तीन बेटों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला ने बारादरी थाना पुलिस को बताया कि उसने बीते दिनों अनीस व उसके साथियों पर रिपोर्ट कराई थी। अनीस पर शादी का झांसा देकर शोषण करने का आरोप थी। इस मामले में पुलिस ने अनीस के खिलाफ चार्जशीट लगा दी है।

इसी मामले में आरोपी अनीस समझौता करने का दबाव बना रहा है। आरोप है कि अनीस, उसकी पत्नी व बेटों ने उसे जबरन घर में खींचकर धमकाया। उसे रुपये देकर मुकदमे में समझौता करने का दबाव बनाया। महिला ने विरोध किया तो मारपीट कर उसे जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

महिला ने बीते साल कराई थी रिपोर्ट

बीते साल महिला नेता ने भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के महानगर अध्यक्ष रहे अनीस अंसारी पर यौन शोषण करने का आरोप लगाकर एसएसपी कार्यालय में शिकायत की थी। जब पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया तो महिला ने फेसबुक पोस्ट में मुख्यमंत्री योगी को भाईजान संबोधित कर इंसाफ की मिसाल बताया। लिखा, मैं बहुत परेशान हूं। मुझे आपकी मदद की जरूरत है। अनीस अंसारी ने मेरे साथ बहुत बड़ा अन्याय किया है। आप मुझे न्याय दिलाएं। मेरा मुकदमा नहीं लिखा जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने अनीस समेत अन्य आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज की थी।

काशी में डिप्टी सीएम का तंज- सपा, बसपा, कांग्रेस सब मिलकर लड़ें ....

... फिर भी भाजपा की ही सरकार तीसरी बार बनेगी

वाराणसी , एजेंसी। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य मंगलवार को वाराणसी पहुंचे। वे सीधे सर्किट हाउस पहुंचे और भाजपा पदाधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान उनका भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने प्रेसवार्ता किया। उन्होंने कहा कि सपा, बसपा, कांग्रेस सब मिलकर लड़ें फिर भी भाजपा की ही सरकार तीसरी बार बनेगी।

डिप्टी सीएम ने उत्तर प्रदेश सरकार के आठ वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं और काशीवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सरकार के ये आठ वर्ष सफल रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सकरार के आठ वर्ष काशी में विकास की दृष्टि से नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

विपक्ष पर जमकर साधा निशाना- डिप्टी सीएम ने कहा कि जो भ्रष्टाचार करेगा उस पर कार्रवाई होगी। कांग्रेसमुक्त भारत का काम हो ही रहा है। यूपी में कांग्रेस नहीं है।

भाजपा सरकार सबका साथ सबका विकास लेकर काम कर रही है। कहा कि राजीव गांधी कहते थे कि हम एक रुपया भेजते हैं तो 15 पैसा पहुंचता है। वह यह बात गर्व से कहते थे। आज पीएम एक रुपया भेजते हैं तो पूरा रुपया डिजिटल के माध्यम से पहुंचता है।

वाराणसी के रेलवे स्टेशन चर्चा का विषय बनते हैं- डिप्टी सीएम ने कहा कि काशी में एयरपोर्ट से रोजाना हजारों यात्रियों का आवागमन है। यहां के रेलवे स्टेशन चर्चा का विषय बनते हैं।

2014 से पहले काशी बदहाली की अवस्था में थी। आज ओवरब्रिज, घाट, कॉरिडोर, 8 सालों में 40 हजार करोड़ की 458 परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं। 15 हजार करोड़ की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। हमने काशी के लिए खजाने का मुंह खोलकर रखा है। जितना हम आप सोचते हैं उससे अधिक काशी के विकास की चिंता पीएम और सीएम करते हैं।

महिला शसक्तीकरण ने नई ऊंचाइयां छुई- डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा सरकार में महिला शसक्तीकरण ने नई ऊंचाइयां छुई है। अन्नदाता की आय बढ़ाने के लिए कदम उठाए गए। पारदर्शी तरह से नौकरियां दी गईं। पीएम ने विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश का रोडमेप सामने रखा। उस पर सरकार लगातार काम कर रही है।

सरकार की उपलब्धियां गिनाईं- कहा कि 2017 से पहले यूपी गुंडा, माफियाओं का प्रदेश था बीमारू प्रदेश था। अब उससे बाहर निकल आया है ।

इन योजनाओं का लोगों को मिला लाभ

कहा कि दो करोड़ 62 लाख शौचालय बनाकर यूपी प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। 2016 में बेरोजगारी दर 18 फीसदी थी अब सिर्फ 2 फीसदी है। 66 करोड़ 30 लाख लोगों ने महाकुंभ में डुबकी लगाई। 96 लाख से अधिक सूक्ष्म और लघु उधोग स्थापित किए। आयुष्मान भारत योजना में 9 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ देकर यूपी प्रथम स्थान पर है। हर घर नल योजना में दो करोड़ से अधिक कनेक्शन दिए जा चुके हैं। एक करोड़ 88 लाख लोगों को बिजली कनेक्शन दे चुके हैं। सपा में बिजली के लिए लोग तरसते थे अब सभी जिलों में बिजली लगातार आ रही है। ट्रांसफार्मर जल जाए तो कमीशन नहीं देना पड़ता है।

एटा गोलीकांडः ठंडी चाय को लेकर हुआ विवाद, पैसे मांगे तो मार दी गोली; टी स्टॉल संचालक के बेटे की हालत गंभीर

एटा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में ठंडी चाय को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान आरोपी युवक ने चाय वाले को गोली मार दी। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग निकला। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर है।

ये घटना आगरा रोड पर स्थित टी स्टॉल की है। यहां पर पुरुषोत्तम की चाय की दुकान है। पुरुषोत्तम ने बताया कि सोमवार की रात कुछ लोग उसके यहां चाय पीने के लिए आए थे। आरोपियों ने पहले चाय पी और फिर जब पैसे मांगे, तो धमकाने लगे। आरोपियों ने साफ कहा कि चाय ठंडी थी, इसलिए पैसे नहीं देंगे। इसी बात को लेकर बेटे सुनील से झगड़ा हो गया।

पीड़ित ने बताया कि एक आरोपी ने तमंचा निकाला और बेटे पर गोली चला दी। गोली लगते ही बेटा खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा। इस दौरान आरोपी वहां से भाग निकले। तत्काल ही बेटे को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज लेकर आए। यहां बेटे की हालत गंभीर देखते हुए आगरा रेफर कर दिया गया है।

ताजमहल के पास शिल्पग्राम में कूड़े के ढेर में लगी आग, दमकल पहुंची मौके पर

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना ताजगंज क्षेत्र में शिल्पग्राम के पास कूड़े के ढेर में आग लग गई। यहां आग की लपटों के साथ धुएं के गुबार उठने लगे। ये देख स्थानीय लोगों के साथ पर्यटक भी दहशत में आ गए। सूचना मिलते ही दमकल कर्मी मौके पर पहुंच गए। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। शिल्पग्राम में एक जगह पर कूड़े का ढेर लगा हुआ है। मंगलवार सुबह इस कूड़े के ढेर में आग लग गई। सुबह-सुबह जब लोगों ने यहां से धुएं के साथ आग की लपटों को उठते हुए देखा तो वे दहशत में आ गए। तत्काल ही सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। सूचना पर फायर विकेट की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है। आग लगने का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है।

योगेश पर चचेरे भाई अक्षय का बड़ा खुलासा

नेहा में कोई दोष नहीं था..., भाभी सादगी और ईमानदारी की मिसाल थी

सहारनपुर , एजेंसी। सहारनपुर के सांगाठेड़ा गांव में हुए जघन्य हत्याकांड में आरोपी योगेश के चचेरे भाई अक्षय रोहिला ने बड़ा खुलासा किया है। शोर मचाने पर आरोपी ने अपने चचेरे भाई अक्षय को भी मारने के लिए पिस्टल लेकर उसकी तरफ दौड़ा था। बकौल अक्षय, पहली गोली की आवाज सुनने के बाद जब मैं मोमटी के रास्ते नीचे आने की कोशिश कर रहा था, तब नीचे सीढ़ियों का दरवाजा बंद था। काफी चिल्लाया कि भाई ऐसा मत कर, लेकिन तैश में आकर योगेश उसकी तरफ भी पिस्टल लेकर दौड़ पड़ा। किसी तरह अपनी जान बचाई। डर के कारण मैंने खुद को अंदर से लॉक कर लिया और शीशे तोड़कर मदद के लिए चिल्लाने लगा। इस दौरान मेरे दोनों हाथों में चोटें आईं। अक्षय ने बताया कि योगेश ने नीचे कमरे के मेन गेट का अंदर से ताला लगा रखा था, जिससे परिवार का कोई भी सदस्य बाहर न भागने पाए। पूरे योजनाबद्ध तरीके से हत्याकांड को अंजाम दिया गया। यहां तक कि चारों को गोली मारने के बाद उसने पिस्टल को दोबारा लोड किया और हाथ में रखा। उसे डर था कि कोई उसके साथ मारपीट न कर दे।

योगेश के चाचा मास्टर विनोद रोहिला ने बताया कि लोग उसे मनोरोगी कह रहे हैं, लेकिन सच्चाई इससे कोसों दूर है। वह कई दिनों से

इस घटना की योजना बना रहा था। अगर वह मानसिक रूप से अस्थिर होता, तो उसे यह कैसे समझ आता कि पुलिस उसे जनता के बीच से लेकर जाएगी तो लोग उसे मार सकते हैं। इसी डर के चलते उसने पुलिस अधिकारियों से शॉर्टकट रास्ते से ले जाने की गुहार लगाई। यह उसकी चालाकी और बुजदिली को दर्शाता है।

चाची ने भी मानसिक बीमारी की बात सिरे से नकारी

योगेश की चाची मीना ने भी उसकी मानसिक बीमारी की बात को सिरे से नकारते हुए बताया कि पहली पत्नी की मृत्यु के बाद उन्होंने ही रिश्तेदारों के माध्यम से कैराना की नेहा से शादी कराई थी, जिससे वंश आगे बढ़ सके। क्या पता था कि जिस परिवार की खुशियों को बनाए रखने के लिए वह प्रयास कर रही थीं, वही व्यक्ति एक दिन पूरे परिवार का सर्वनाश कर देगा। अक्षय ने नम आंखों और रुंधे गले से उस भयावह मंजर को बयां किया। बताया कि परिवार के लोग हमेशा योगेश को समझाते थे कि नेहा सादगी और ईमानदारी की मिसाल है। वह बातों को अनसुना कर देता था और हमें ही भला-बुरा कहने लगता था। मेरी भाभी में कोई दोष नहीं था। वह रोज मंदिर जाती थीं और पूजा-पाठ में लीन रहती थीं। सहारनपुर के सांगाठेड़ा गांव में तीन बच्चों की चिताएं अभी ठंडी नहीं हुई थीं कि उनकी मां नेहा ने भी दम तोड़ दिया। 51 घंटे तक नेहा जिंदगी के लिए अस्पताल में लड़ती रही। दो दिन से चंडीगढ़ पीजीआई में इलाज चल रहा था। देर रात सांगाठेड़ा गांव में शव पहुंचा। 22 मार्च को सांगाठेड़ा गांव में भाजपा नेता योगेश रोहिला ने शक व गुस्से में अपनी पत्नी नेहा, बेटी श्रद्धा, बेटों देवांश व शिवांश को गोली मार दी थी। सभी के सिर में गोली मारी गई थी। श्रद्धा, देवांश व शिवांश की मौत हो गई थी, जबकि उनकी मां नेहा को जिला अस्पताल से गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर कर दिया गया था। परिजनों ने उसे चंडीगढ़ पीजीआई में भर्ती कराया था। वहां चिकित्सकों ने उन्हें बचाने का काफी प्रयास किया। नेहा पीजीआई में वेंटिलेटर पर थी। उसे लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया था और उसकी हालत स्थिर बनी हुई थी। करीब 51 घंटे तक तक मौत से जूझने के बाद सोमवार शाम नेहा ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। गांव में खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। नेहा की बहन रीना और रश्मि का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोग दोनों बहनों को सांत्वना दे रहे हैं। मेरी नेहा ने किसी का क्या बिगाड़ा था। उन मासूम बच्चों का क्या कसूर था जो इतनी बेरहमी से इन सबकी जान ले ली। उनके हत्यारे को तो फांसी होनी चाहिए। यह कहना था कैराना तीतरवाड़ा चुंगी पर रहने वाली नेहा की दादी शकुंतला का। आंखों से आंसू लिए बुजुर्ग दादी का बुरा हाल है। शनिवार को नगर के तीतरवाड़ा चुंगी निवासी रजनीश रोहिला की बहन नेहा और उसके बच्चों शिवांश, देवांश व श्रद्धा को नेहा के पति योगेश निवासी गांव सांगाठेडा थाना गंगोह जनपद सहारनपुर ने लाइसेंसी पिस्टल से गोली मार दी थी। तीनों मासूम बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि सिर में गोली लगने से नेहा गंभीर रूप से घायल थी। वह चंडीगढ़ पीजीआई में जिंदगी के लिए जंग लड़ रही थी। उसके परिजन भी वहां मौजूद थे।

विधानसभा में सीएजी की रिपोर्ट पेश, रिपोर्ट में कई खामियों का खुलासा

बिना आवश्यकता के पुल बना दिए गए, नीरा योजना में भी भारी गड़बड़ी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उपमुख्यमंत्री और वित्त विभाग के प्रभारी मंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को विधानसभा में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट पेश की। सदन में पेश बिहार सरकार के 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष 2021-22 के कैग की रिपोर्ट में कई गड़बड़ियों का खुलासा हुआ है। इसमें बिहार सरकार की लापरवाही को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार बिहार में नीरा उत्पादन में भारी अनियमितताएं पाई गईं। बिना तैयारी के नीरा परियोजना शुरू की गई जिसके कारण 11.68 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। नीरा गुड़ उत्पादन में भी 2.03 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। वहीं सीएजी की रिपोर्ट में पुल ध्वस्त होने को लेकर भी बिहार सरकार पर सवाल उठे हैं। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि बिना किसी आवश्यकता के पुल बना दिए गए। पर्याप्त बसावट और जमीन की कमी के बावजूद पुल निर्माण पर 3 करोड़ रुपए खर्च किए गए। पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल में एक तरफ सड़क और पुल दोनों बने, लेकिन दूसरी ओर जमीन और गांव उपलब्ध नहीं थे। बाढ़ के घोषवरी प्रखंड के लक्ष्मीपुर गांव से कुम्हरा गांव तक सड़क बनाने के लिए 8.03 करोड़ रुपए खर्च किए गए। इस सड़क का निर्माण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत किया गया। रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ है कि ग्रामीण कार्य विभाग ने बसावटों में भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित किए बिना पुलों का निर्माण कराकर 3.33 करोड़ रुपए का निष्क्रिय व्यय किया है। सीमावर्ती इलाकों में स्मार्ट गांव बनाने की योजना भी सफल नहीं हो पाई। 6 या उससे अधिक गांवों से घिरे आबादी वाले गांवों को पूरी तरह से विकसित करना था, लेकिन केंद्र की यह योजना बिहार में सफल नहीं हो सकी। उल्लेखनीय है कि स्मार्ट विलेज की जगह वाइब्रेंट विलेज योजना पर काम चल रहा है, मगर बिहार में वाइब्रेंट विलेज को डेवलप करने में केंद्र सरकार का अनुसरण नहीं किया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत होने वाले निर्माण में भी भारी अनियमितताएं सामने आई हैं।

ईद को लेकर 39 जगहों पर नमाज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। ईद उल फितर पर्व को लेकर मसौढ़ी अनुमंडल में कुल 39 जगहों पर पुलिस मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। एसडीएम अमित कुमार पटेल ने बताया कि पूरे मसौढ़ी अनुमंडल में 39 जगहों पर ईद का नमाज पढ़ा जाएगा और विधि व्यवस्था के संधारण को लेकर कुल 39 जगहों पर पुलिस मजिस्ट्रेट और आठ वरीय दंडाधिकारियों की तैनाती की गई है। पुलिस पेट्रोलिंग हर चौक-चौराहे पर किया जाएगा। संवेदनशील जगहों को भी चिन्हित किया गया है जहां पर पेट्रोलिंग की गश्ती होगी जिसको लेकर सभी मस्जिदों के आसपास के इलाकों के रास्तों को अलर्ट मोड में रखा गया है। 13 संवेदनशील जगहों को चिन्हित करते हुए पुलिस की सख्त पहरा लगाया जायेगा।

आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए एनटीपीसी ने बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण सत्र का किया आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। एनटीपीसी के 'आह्वान' नीति के तहत, पूर्वी क्षेत्र-1 मुख्यालय ने आज बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन अपने शास्त्री नगर कार्यालय परिसर में किया। यह प्रशिक्षण सत्र मेदांता, नोएडा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसमें कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन, चोकिंग राहत तकनीक और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल आदि शामिल थे। मेदांता के प्रमाणित चिकित्सा विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण प्रदान किया जिससे प्रतिभागियों को आपातकालीन परिस्थितियों को संभालने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। इस अवसर पर अपने संबोधन में एनटीपीसी पूर्वी क्षेत्र-1 के कार्यकारी निदेशक, सुदीप नाग ने कार्यस्थल और समुदाय दोनों में जीवन रक्षक ज्ञान प्रसार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा एनटीपीसी में सुरक्षा एक 'कोर-वैल्यू' है। हमारे कर्मचारियों को आवश्यक प्राथमिक चिकित्सा कौशल से सुसज्जित करना हमारे समग्र आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को बढ़ाता है और सभी के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करता है। एनटीपीसी की स्वास्थ्य और सुरक्षा पहलों के प्रति प्रतिबद्धता के तहत आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में कर्मचारियों और सहयोगियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूर्वी क्षेत्र-1 मुख्यालय आने वाले दिनों में विभिन्न स्थानों पर इसी तरह के प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने की योजना बना रहा है जिससे कार्यस्थल सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी को और बढ़ावा दिया जा सके। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक(प्रचालन सेवाएं) डी. आर. देहुरी, क्षेत्रीय मानव संसाधन प्रमुख अनिल कुमार चावला, प्रवक्ता विश्वनाथ चन्दन, क्षेत्रीय चिकित्सा अधिकारी, एनटीपीसी डॉ. पी. पी. सामंता सहित क्षेत्रीय मुख्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और मेदांता, नोएडा के चिकित्सा विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

ईद के मौके पर मुस्लिम समाज को 'मोदी गिफ्ट किट' : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉक्टर प्रेम कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' की नीति को साकार करते हुए मुस्लिम समाज के लिए विशेष उपहार दिया गया है। उन्होंने कहा कि ईद से पहले बिहार और उत्तर प्रदेश के मुस्लिम भाई-बहनों को 'मोदी गिफ्ट किट' के रूप में ड्राई फ्रूट्स वितरित किए गए हैं। प्रेम कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी विकास की योजनाओं में किसी के साथ पक्षपात नहीं करते। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा मुस्लिम समाज को ठगती नहीं, न ही केवल इफ्तार पार्टी में टोपी पहनकर दिखावे की राजनीति करती है। उन्होंने कहा हम सच्चे और खुले दिल से सभी के पर्वों में बिना किसी भेदभाव के शामिल होते हैं। हम तुष्टीकरण नहीं, बल्कि संतुष्टीकरण की नीति पर चलते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीति पक्षपात रहित है और यही प्रधानमंत्री मोदी की सोच को दर्शाती है। उन्होंने बिहारवासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'मोदी गिफ्ट किट' के माध्यम से मुस्लिम समाज को सौगात देने के लिए बधाई दी और इसे उनके कर्मयोग का प्रतीक बताया।

काठगोदाम और ठाकुरनगर के मध्य स्पेशल ट्रेन का परिचालन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। यात्रियों की भारी भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु गोरखपुर-छपरा-बरौनी- कटिहार-मालदाटाउन के रास्ते गाड़ी सं. 05030/05029 काठगोदाम-ठाकुरनगर-काठगोदाम स्पेशल का परिचालन काठगोदाम से 26 मार्च, 2025 बुधवार को तथा ठाकुरनगर से 29 मार्च, 2025 शनिवार को 01 फेरे के लिये निम्नानुसार किया जायेगा। गाड़ी सं. 05030 काठगोदाम-ठाकुरनगर स्पेशल 26 मार्च, 2025 बुधवार को काठगोदाम से 10.00 बजे प्रस्थान।

विधान मंडल के दोनों सदनों में आरक्षण मुद्दे पर हंगामा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों में मंगलवार को आरक्षण के मुद्दे पर हंगामा हुआ। राजद के विधायक और विधान पार्षद सदन में हरे रंग की टी-शर्ट पहन कर आये थे। टी-शर्ट पर लिखा था तेजस्वी सरकार के समय बिहार में बढ़ी 65 फीसदी आरक्षण को नौवीं अनुसूची में शामिल करो। आरक्षण चोर बीजेपी-एनडीए जवाब दो। विधानपरिषद में विपक्षी सदस्यों के टी-शर्ट को देख कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भड़क गए। राजद के सदस्य कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा करने लगे थे। वे आरक्षण कौ नौवीं अनुसूची में डालने की मांग करते हुए वेल में पहुंच गए। इसका नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी कर रही थीं। हंगामा के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार स्वयं खड़े हो गए। उन्होंने विपक्ष की नेता राबड़ी देवी को बैठने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सब बोगस है। इसका कोई मतलब नहीं है। ऐसा कहीं देखा है? उन्होंने राबड़ी देवी से कहा, आप का क्या है, सब आपके हसबैंड का किया हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बेचारी को कुछ पता है। मैं तो इन लोगों से यही पूछ रहा हूं कि किस लिए इसे पहन कर आये हैं। इस दौरान राबड़ी देवी बीच-बीच में नीतीश कुमार के बयान का विरोध करती रहीं। राबड़ी देवी ने कहा कि केंद्र सरकार ने मुसलमान को कोई सौगात नहीं दी है, सिर्फ जुमला और हवा हवाई है। वहीं आरक्षण को लेकर राजद नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने कहा कि आरक्षण लागू करने वाले नेताओं को गाली सुननी पड़ रही है। आरक्षण का जो हमारा अधिकार है उसे हम छोड़ेंगे नहीं। इस बीच राबड़ी देवी पर भड़कते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि इसके हस्बैंड(पति) का है पार्टी, इसको क्या है? ए बेचारी तो ऐसे ही आ गई है जब वह हटा तो इसको बनवा दिया। इसका कोई मतलब है? यह तो ऐसे ही है। यह सब ऐसा ही क्या-क्या करते रहता है? कोई पार्टी में इस तरह से देखे हैं? इस पार्टी का यही हाल है। इसका क्या मतलब है? हरा टी शर्ट पहन कर आए हैं, हम यही पूछ रहे हैं। सब ऊपर वाला भी बैठा है, हम उसको भी कहेंगे कि देश भर में कहीं देखा है इस तरह का ये लोग यही सब कर रहा है, जो शर्ट नहीं पहना है वह ऊपर से रख लिया है।

युवा उद्यमियों के बीच चलाया गया स्वच्छता सर्वेक्षण जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की प्रसिद्ध लोक गायिका डॉ. नीतू कुमारी नवगीत ने मीठापुर क्षेत्र में युवा उद्यमियों के बीच पटना नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम के तहत स्वच्छता सर्वेक्षण के संबंध में लोगों को प्रेरित करने के लिए अभियान चलाया जिसके तहत उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से अनुरोध किया कि स्वच्छता सर्वेक्षण में भाग लेकर पटना की स्वच्छता रैंकिंग को बेहतर बनाने में मदद करें। कार्यक्रम में उपस्थित उद्यमियों ने भी संकल्प लिया कि वह शहर को साफ-सुथरा रखने में अपनी ओर से पूरी मदद करेंगे और एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में स्वच्छता कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। साथ ही अपनी इकाई से जुड़े सभी लोगों को प्रत्येक सप्ताह कम से कम 2 घंटे का श्रमदान करने के लिए प्रेरित करेंगे। ब्रांड एंबेसडर नीतू नवगीत की प्रेरणा से अनेक युवा उद्यमियों ने पटना नगर निगम द्वारा उपलब्ध कराए गए क्यू आर कोड को स्कैन करके स्वच्छता सर्वेक्षण में भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गौरवी, सौम्या, अरविंद झा, राजीव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। नीतू नवगीत ने स्वच्छता जागरूकता से संबंधित गीतों की प्रस्तुति करके भी लोगों को जागरूक किया।

दक्षिण पूर्व रेलवे के मेडिकल विभाग ने मनाया विश्व यक्ष्मा रोग दिवस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोलकाता। दक्षिण पूर्व रेलवे के मेडिकल विभाग ने 24 मार्च 2025 को गार्डन रीच स्थित केंद्रीय अस्पताल के सभागार में विश्व यक्ष्मा रोग दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. नंदिता घोष दस्तिदार ने यक्ष्मा रोग (टीबी) के कारणों, बचाव, निदान, उपचार और रोग के परिणामों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरुआत केंद्रीय अस्पताल की एसीएचडी डॉ. मुक्त मंदल रॉय के संक्षिप्त परिचय से हुई। कार्यक्रम में सात सफल टीबी योद्धाओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने अपने साहस और संकल्प से इस गंभीर बीमारी को हराकर स्वस्थ जीवन की ओर वापसी की। इन योद्धाओं को समाज के लिए प्रेरणा स्वरूप फल की टोकरी और प्रोटीन बार देकर सम्मानित किया गया। दक्षिण पूर्व रेलवे की प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. अंजना मल्होत्रा ने पिछले 100 दिनों के दौरान किए गए गहन यक्ष्मा रोग उन्मूलन कार्यक्रम की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सौमित्र मजूमदार, एजीएम/एसईआर ने टीबी योद्धाओं की सराहना करते हुए मेडिकल विभाग की लगातार क्षय रोग उन्मूलन के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने 'टीबी मुक्त भारत' और इस वर्ष की थीम 'हां! हम टीबी समाप्त कर सकते हैं: संकल्प लें, निवेश करें, पूरा करें'के प्रति प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम के अंत में केंद्रीय अस्पताल, गार्डन रीच के चिकित्सा निदेशक डॉ. के. श्रीकुमार ने मेडिकल फ्रेटर्निटी और रेलवे प्रशासन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने दी 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम पर शुभकामनाएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरीय नेता डॉ. प्रेम कुमार ने 12वीं बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए 12.92 लाख विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह उनकी मेहनत और लगन का परिणाम है। डॉ. प्रेम कुमार ने उन विद्यार्थियों का भी हौसला बढ़ाया जो किन्हीं कारणों से इस बार सफलता प्राप्त नहीं कर सके। उन्होंने कहा हतोत्साहित या निराश होने की जरूरत नहीं है। एक परीक्षा का परिणाम ही जीवन का निर्धारण नहीं करता। परीक्षाएं जीवन में आती-जाती रहती हैं। यदि इस बार सफलता नहीं मिली है तो दोबारा तैयारी करें, सफलता निश्चित रूप से आपके कदम चूमेगी। उन्होंने आगे कहा कि असफलता ही सफलता का द्वार खोलती है, इसलिए आत्मविश्वास बनाए रखें और आगे बढ़ें।

मंत्री ने कहा कि बिहार सरकार ने इस बार परीक्षा में पुरस्कार की राशि दोगुनी कर दी है। अब बिहार के टॉपर विद्यार्थी को 1 लाख की जगह 2,00,000 नगद, लैपटॉप, सर्टिफिकेट और मेडल दिया जाएगा। वहीं, प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि 25,000 से बढ़ाकर 50,000 कर दी गई है। डॉ. प्रेम कुमार ने बिहार टॉपर को विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता ने पूरे राज्य का नाम रोशन किया है। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

पति-पत्नी के बीच कलह में पत्नी ने खाया जहर, हुई मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। पति-पत्नी के विवाद में रोजाना हो रहे झगड़ा झंझट से आजीज होकर एक महिला ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली है। मामला पुनपुन थाना क्षेत्र के श्रीपालपुर गांव की है जहां पर बताया जाता है कि घरेलू विवाद में आकर एक महिला ने जहर खा ली थी जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक का नाम राजकुमरीया देवी पति फुटानी मांझी बताई जाती है। घटना के बाद मृतक के पति ने शव को दाह संस्कार के लिए गांव के ही बगल में नदी किनारे उसे गाड़ने की कोशिश की ऐसे में मृतक के बड़े बेटे दिलचंद मांझी ने पुनपुन थाना को पूरे घटना के बारे में जानकारी दी जहां आनन-फानन में पुलिस मौके पर पहुंची जहां डेड बॉडी को बरामद किया गया है और मृतक के बेटे के बयान पर पुनपुन थाने में प्राथमिक की दर्ज की गई है। आरोपी फरार हैं, थानाध्यक्ष बेबी कुमारी ने बताया कि फुटानी मांझी दो शादी किया था, पहले जिस महिला से शादी की थी वह इसके झगड़े से भाग गई थी वहीं यह दूसरी विधवा महिला से शादी किए थे, लेकिन इससे भी आजिज होकर वह महिला भी जहर खाने से मौत हो गई।

पति-पत्नी के आधार पर हो शिक्षकों का स्थानांतरण : जीवन कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के विधान परिषद् जीवन कुमार ने पति-पत्नी के पदस्थापना के आधार पर स्थानांतरण मामले को सदन में शून्य काल के दौरान उठाया है। जीवन कुमार ने बताया कि बिहार में 1 लाख 90 हजार शिक्षकों ने स्थानांतरण के लिए आवेदन किया था जिसमें विभाग ने प्रथामिकता के आधार पर पति-पत्नी को असाध्य रोगों से ग्रसित, विधवा, दिव्यांग के बाद द्वितीय प्राथमिकता दी है, लेकिन हाल में 10 हजार 225 शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया जिसमें पति के आधार पर पत्नी का स्थानांतरण कर दिया गया जबकि पति का स्थानांतरण नहीं किया गया। उन्होंने सदन के माध्यम से विभाग को आवगत कराया कि विभाग दूरी के आधार पर महिला शिक्षिकाओं का स्थानांतरण के साथ-साथ पति का भी स्थानातरण सुनिश्चित करे। सदन ने श्री कुमार की मांग को उचित बताया और भरोसा दिया कि उनकी मांग पर विभाग जल्द अमल करेगा।

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर समस्याओं से कराया अवगत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। मुख्यालय, हाजीपुर में 04 रेलकर्मी/उनके आश्रितों ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए। रेलकर्मियों एवं उनके आश्रितों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं।

एनटीपीसी ने पटना के संजय गांधी जैविक उद्यान के वन्य जीवों को लिया गोद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

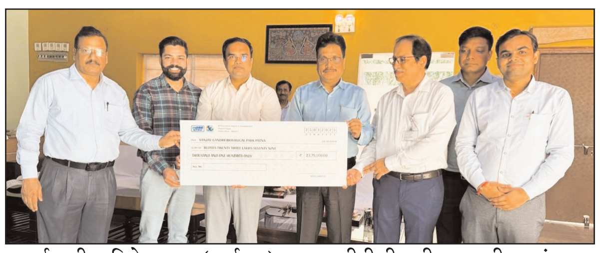

पटना। वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एनटीपीसी पूर्वी क्षेत्र-1 मुख्यालय ने अपने नवीन पर्यावरणीय सीएसआर कार्यक्रम के तहत पटना के संजय गांधी जैविक उद्यान के चार वन्यजीवों और दो पक्षी एनक्लोजर को गोद लिया। जैव विविधता संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए एनटीपीसी पूर्वी क्षेत्र-1 मुख्यालय ने इन जानवरों के आहार और देखभाल के लिए 23,79,100 का योगदान दिया है, जो तीन वर्षों तक जारी रहेगा। आज संजय गांधी जैविक उद्यान परिसर में आयोजित एक औपचारिक कार्यक्रम में एनटीपीसी के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (पूर्व-1), सुदीप नाग ने संजय गांधी जैविक उद्यान के निदेशक हेमंत पाटिल को यह चेक सौंपा। इस गोद लेने की पहल के तहत सफेद बाघ (केशरी), मादा हाथी (लक्ष्मी), शेर शावक (पार्वती), हिमालयन भालू (मंजुला), साथ ही पेलिकॉन और पक्षी एनक्लोजर को 17 मार्च 2028 तक देखभाल के लिए अपनाया गया है। यह पहल एनटीपीसी की वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस जिम्मेदारी के तहत एनटीपीसी इन छह प्रजातियों के आहार और देखभाल का संपूर्ण व्यय वहन करेगा जिससे संकटग्रस्त वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एनटीपीसी इन एनक्लोजर के पास एक प्रमुख साइनबोर्ड लगाने की योजना बना रहा है जिसमें प्राकृतिक विरासत के संरक्षण और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने वाले संदेश होंगे। इस अवसर पर सुदीप नाग ने कहा इस पहल के माध्यम से हम अपने समुदाय में वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरणीय प्रबंधन के प्रति एक बड़ी जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को प्रेरित करने का लक्ष्य रखते हैं। इस अवसर पर अनिल कुमार चावला, क्षेत्रीय प्रमुख-मानव संसाधन आनंद कुमार, रेंज ऑफिसर फॉरेस्ट, जियोलॉजिकल रेंज सहित एनटीपीसी और संजय गांधी जैविक उद्यान के अधिकारी उपस्थित थे।

पटना के बापू टावर में 5 अप्रैल को होगा मगही महोत्सव का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की राजधानी पटना में आगामी 5 अप्रैल को मगही भाषा, साहित्य-संस्कृति-सिनेमा, लोक कला, लोक गायन, इतिहास-पुरातत्व का एक दिवसीय उत्सव आयोजित होने जा रहा है। यह महोत्सव पटना के गर्दनीबाग स्थित बापू टावर में आयोजित किया जाएगा, जो सुबह 9 बजे से शुरू होकर शाम 7 बजे तक चलेगा। इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य मगही लोक भाषा, साहित्य, संस्कृति और संगीत में विमर्श को बढ़ावा देना है। आयोजन में विभिन्न सांस्कृतिक और बौद्धिक कार्यक्रमों के जरिए मगही की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा। मगही महोत्सव में कई रोचक और ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसमें विमर्श और परिचर्चा के सत्र होंगे जहां मगही भाषा और साहित्य पर गहन चर्चा होगी। इसके अलावा युवा संवाद का आयोजन भी किया जाएगा जिसमें नई पीढ़ी को मगही संस्कृति से जोड़ने पर जोर दिया जाएगा। लोक गायन और मगही कवि सम्मेलन के माध्यम से स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मौका मिलेगा। साथ ही अभिभाषण और लोक नृत्य जैसे कार्यक्रम इस महोत्सव को और भी रंगीन बनाएंगे। मगध क्षेत्र की मूर्तिकला, चित्रकला, पटना कलम, टिकुली पेंटिंग और बावनबूटी का लाइव डेमो भी होगा।

विद्यालयों में इनोवेशन मेला लगाने की आवश्यकता : विजय प्रकाश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्कूल ऑफ क्रिएटिव लर्निंग में आज इनोफेस्ट एवं गणित मेला 2025 का शानदार आयोजन किया गया। इस अवसर पर एपीसीएल के अध्यक्ष विजय प्रकाश ने कहा इनोफेस्ट एक नवाचारी प्रयोग है। आज के समाज को सबसे अधिक आवश्यकता रचनात्मकता और नवाचार के प्रसार की है। इसके लिए आवश्यक है कि सभी विद्यालयों में इनोवेशन मेले का आयोजन किया जाए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फादर निशांत थे, जो पूर्व में सेंट जेवियर्स प्रबंधन संस्थान के निदेशक रह चुके हैं और वर्तमान में मंथन संस्था के प्रमुख हैं। उन्होंने विद्यालय द्वारा इस आयोजन के प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की और इसे छात्रों के लिए एक प्रेरणादायक मंच बताया। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. मृदुला प्रकाश ने बताया कि यह वार्षिक आयोजन प्रत्येक वर्ष सफलतापूर्वक आयोजित किया जाता है और इसके माध्यम से कई छात्रों ने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न कक्षाओं के लगभग 200 मॉडल्स प्रदर्शित किए गए। छात्रों की रचनात्मकता का एक और उदाहरण था- 12 फीट ऊंचा रंगीन मोर मॉडल और मिट्टी का घर (घरोंदा), जिससे बच्चों की परंपरागत कला और नवाचार दोनों का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में बिहार विद्यापीठ- डॉ. राजेंद्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के बी.एड. और डी.एल.एड. छात्र-छात्राओं ने भी भाग लिया और छात्रों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया।

रामनवमी व ईद को लेकर शांति समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। ईद उल फितर और रामनवमी पर्व को लेकर पुनपुन थाना में थानाध्यक्ष बेबी कुमारी की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आहूत की गई जिसमें अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कन्हैया कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर लाल बाबू, बीडीओ समेत पुनपुन के कई गण्यमान्य लोग शामिल हुए। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कन्हैया कुमार ने साफ शब्दों में कहा कि रामनवमी के दौरान जुलूस में डीजे प्रतिबंध रहेगा। हर चौक चौराहे पर पुलिस की तैनाती की गई है। अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा जुलूस पर पैनी नजर रखी जाएगी। वही ईद पर्व को लेकर पुनपुन प्रखंड के अंतर्गत है विभिन्न मुस्लिम इलाकों में ईद के नमाज के दौरान भी पुलिसिया पहरा रहेगा, पुलिस गश्ती बढ़ाई जाएगी, नमाज स्थल पर पुलिस और मजिस्ट्रेट की संयुक्त रूप से तैनाती कर दी गई है।

एसडीएम ने की पीडीएस दुकानों की जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। जनवितरण प्रणाली से संबंधित सभी कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए सरकार द्वारा समय- समय पर तरह-तरह के उपाय किये जाते रहे हैं। इसी क्रम में सरकार द्वारा जारी मोबाइल अप्लीकेशन पीडीएस परख एप के माध्यम से जन वितरण प्रणाली की निर्गमन, परिवहन, वितरण व ट्रैकिंग की जांच मोबाइल अप्लीकेशन पीडीएस परख एप के माध्यम से किया जा रहा है।

संपादकीय

रेलवे में खानपान व्यवस्था का बुरा हाल

तमाम दावों और मंसूबों के बावजूद भारतीय रेल में विभिन्न सेवाओं से संबंधित शिकायतों का सिलसिला खत्म ही नहीं होता। रेलगाड़ियों में परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और शुद्धता को लेकर लंबे समय से शिकायतें मिलती रही हैं। उन्हें दूर करने के मकसद से भारतील रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम यानी आइआरसीटीसी का गठन किया गया। इसके लिए क्षेत्रीय स्तर पर रसोई बनाई गई, वहां तैयार होने वाले खानपान के निरीक्षण का तंत्र विकसित किया गया। इससे बाहरी खानपान की गुणवत्ता और कीमतों में मनमानी पर कुछ हद तक रोक तो लगी, स्वच्छता और साफ-सफाई पर भी ध्यान दिया जाने लगा, मगर फिर वही शिकायतें मिलनी शुरू हो गईं। संसद की एक समिति ने इसे लेकर रेलवे की खिंचाई की है। समिति का कहना है कि खानपान संबंधी नीतियों में बार-बार बदलाव की वजह से भी यह गड़बड़ी हो रही है। संसदीय समिति ने इस बात के लिए भी रेलवे पर नाराजगी जाहिर की कि उसके पहले के सुझावों पर अमल क्यों नहीं किया गया। समिति ने रेलवे से जवाब मांगा है कि जिन पंद्रह खानपान इकाइयों को अपडेट करने को कहा गया था, वह क्यों नहीं हुआ। आइआरसीटीसी को छह हरित रसोई भी बनानी थी, मगर उस दिशा में काम नहीं हो सका। दरअसल, 2005 के बाद से अब तक तीन बार रेलवे खानपान संबंधी नीतियों में बदलाव किया जा चुका है। 2010 में यह काम क्षेत्रीय रेलवे को सौंप दिया गया था, फिर 2017 में इसे आइआरटीसी को दे दिया गया। इस तरह नीतिगत गड़बड़ियों के चलते भी रेल खानपान सेवा को लेकर एक प्रकार की अनिश्चितता बनी रही और गुणवत्ता से समझौता होता रहा। 2017 में नई खानपान नीति बनी और उसकी समीक्षा के लिए संसदीय समिति गठित की गई, तब उसने कुछ महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए थे। मगर समिति की ताजा रपट से जाहिर है कि पिछले सात वर्षों में इस दिशा में कोई उल्लेखनीय कदम नहीं उठाए जा सके हैं। दरअसल, अभी तक रेलों में परोसा जाने वाला भोजन बाहर की रसोई में तैयार होकर पहुंचाया जाता है, फिर गाड़ियों में उसे गरम करने की व्यवस्था होती है। मगर देखा गया कि वैसे रेल डिब्बे बने ही नहीं हैं। जाहिर है, इस तरह तैयार होने और परोसे जाने के बीच समय अधिक गुजर जाने से अक्सर भोजन खराब हो जाता है। संसदीय समिति ने इस बात पर भी हैरानी जताई है कि भोजन की गुणवत्ता के निरीक्षण के लिए तो तंत्र गठित है, पर औचक निरीक्षण का कोई प्रावधान नहीं है। इससे रसोइयों में भोजन तैयार करने और रेल डिब्बों में परोसे जाने में अक्सर मनमानी की शिकायतें आती रहती हैं। सरकार रेल सेवाओं को विश्व मानकों के अनुरूप ढालने और द्रुतगामी रेलों की संख्या बढ़ाने के दावे तो बढ़-चढ़ कर करती है, रेल किराए में भी काफी बढ़ोतरी हो चुकी है, मगर जब खानपान की गुणवत्ता और स्वच्छता पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा पाता, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि दूसरी सुविधाओं पर कितना ध्यान दिया जाता होगा। अक्सर रेल दुर्घटनाओं को लेकर सवाल उठते हैं, गाड़ियों के समय पर न चलने, रेल डिब्बों में सुरक्षा का उचित प्रबंध न होने जैसी शिकायतें आम हैं। इस स्थिति में द्रुतगामी गाड़ियां चला देने या स्टेशनों की देखरेख निजी कंपनियों के हाथों में सौंप देने भर से रेलवे की साख कितनी और कहां तक बची रह पाएगी।

दृष्टिकोण से विजय तक: भारत किस प्रकार टीबी के विरुद्ध अपनी लड़ाई को नया स्वरूप दे रहा है'

जगत प्रकाश नड्डा

इस विश्व टीबी दिवस पर, मैं इस बात पर बहुत गर्व के साथ विचार करता हूँ कि भारत टीबी के खिलाफ़ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फिर से लिख रहा है। हाल ही में संपन्न 100-दिवसीय सघन टीबी-मुक्त भारत अभियान ने न केवल नवाचार की शक्ति का प्रदर्शन किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि समुदायों को संगठित करना कार्यक्रम संबंधी दृष्टिकोण को बदलने जितना ही महत्वपूर्ण है। यह अभियान 7 दिसंबर 2024 को टीबी के मामलों का पता लगाने में तेज़ी लाने, मृत्यु दर को कम करने और नए मामलों को रोकने के उद्देश्यों के साथ शुरू किया गया था।

100-दिवसीय सघन टीबी-मुक्त भारत अभियान ने टीबी का जल्द पता लगाने के लिए अत्याधुनिक रणनीतियाँ पेश कीं, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि बिना लक्षण वाले लोगों की भी पहचान हो - जिनका अन्यथा निदान नहीं हो पाता - और उनका इलाज किया गया। पोर्टेबल एक्स-रे मशीनों को सीधे उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों के पास ले जाया गया, जिनमें मधुमेह, धूम्रपान करने वाले, शराब पीने वाले, एचआईवी से पीड़ित लोग, बुजुर्ग और टीबी रोगियों के घरेलू संपर्क मैं रहने वाले शामिल थे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित एक्स-रे ने संदिग्ध टीबी मामलों को तुरंत चिह्नित किया, और स्वर्ण-मानक न्यूक्लिक एसिड एम्पलीफिकेशन टेस्ट (ह्वञ्ज) का उपयोग करके पुष्टि की गई। इन प्रयासों ने सुनिश्चित किया कि संक्रामक मामलों की पहचान की गई और उनका जल्दी से इलाज किया गया, जिससे संक्रमण पर लगाम लगी और लोगों की जान बचाई गई।

यह अभियान देश के कोने-कोने तक पहुँचा, जिसमें वे लोग जिनमें टीबी का खतरा अधिक है के 2.97 करोड़ लोगों की जाँच की गई। इस गहन प्रयास के कारण 7.19 लाख टीबी रोगियों की पहचान की गई, जिनमें से 2.85 लाख मामले बिना लक्षण वाले थे और इस अभिनव दृष्टिकोण के बिना अन्यथा छूट जाते, जिससे टीबी संक्रमण की श्रृंखला टूट गई। यह सिर्फ़ एक मील का पत्थर नहीं है - यह एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

टीबी मुक्त भारत अभियान-एक जन आंदोलन- लेकिन असली गेम-चेंजर सिर्फ़ तकनीक नहीं थी - यह समुदायों की अभूतपूर्व लामबंदी थी। टीबी उन्मूलन अब जनभागीदारी द्वारा संचालित एक जन आंदोलन है। पूरे भारत में 13.46 लाख से ज़्यादा निक्षय शिविर आयोजित किए गए, जहाँ माननीय सांसदों, विधायकों और पंचायती राज संस्थाएं और शहरी स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों सहित 30,000 से ज़्यादा निर्वाचित प्रतिनिधियों ने 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान का समर्थन किया। कॉरपोरेट पार्टनर और आम नागरिक इस अभियान में शामिल हुए, जिससे यह विचार मज़बूत हुआ कि टीबी उन्मूलन सिर्फ़ सरकार की ज़िम्मेदारी नहीं बल्कि एक सामूहिक मिशन है। और इस मिशन में जनभागीदारी का उदाहरण राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में देखा गया, जहाँ 22 संबंधित मंत्रालयों में टीबी जागरूकता, पोषण किट वितरण, टीबी मुक्त भारत के लिए शपथ लेने जैसी 35,000 से ज़्यादा गतिविधियाँ की गईं। इसी तरह सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, व्यापार संघों, व्यावसायिक संघों, स्वैच्छिक संगठनों के साथ 21,000 से अधिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं और 78,000 शैक्षणिक संस्थानों में 7.7 लाख से अधिक छात्रों ने टीबी जागरूकता और संवेदीकरण गतिविधियों में भाग लिया। जेलों, खदानों, चाय बागानों, निर्माण स्थलों और कार्य स्थलों जैसे सामूहिक स्थानों पर 4.17 लाख से अधिक संवेदनशील आबादी की स्क्रीनिंग और परीक्षण किया गया। अभियान अवधि के दौरान त्यौहारों पर 21,000 से अधिक टीबी जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें धर्म आधारित नेताओं और सामुदायिक प्रभावशाली लोगों को शामिल किया गया।

हमारे माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण, जिसने जन-भागीदारी की आधारशिला रखी, न केवल पोषण के लिए बल्कि मनोसामाजिक और व्यावसायिक समर्थन के लिए रोगियों को गोद लेने के लिए व्यापक सामाजिक समर्थन जुटाया। टीबी रोगियों के लिए सहायता अब अस्पतालों तक सीमित नहीं है - यह घरों, गांवों और कार्यस्थलों पर भी हो रही है। निक्षय मित्र पहल के माध्यम से, व्यक्ति और संगठन टीबी से पीड़ित परिवारों को पोषण संबंधी सहायता प्रदान कर रहे हैं, जिसमें हज़ारों पोषण किट पहले ही वितरित की जा चुकी हैं। सिर्फ़ 100 दिनों में, 1,05,181 नए निक्षय मित्रों को नामांकित किया गया। पोषण और टीबी से उबरने के बीच महत्वपूर्ण संबंध को पहचानते हुए, सरकार ने निक्षय पोषण योजना के तहत वित्तीय सहायता को ?500 से बढ़ाकर ?1,000 प्रति माह कर दिया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी टीबी रोगी इस लड़ाई को अकेले न लड़े।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भी टीबी रोगियों के लिए विभेदित टीबी देखभाल कार्यक्रम के तहत अनुकूलित और व्यक्तिगत उपचार प्रदान कर रहा है। उदाहरण के लिए, यदि किसी टीबी रोगी का वजन कम पाया जाता है (बीएमआई < 18.5 किग्रा/ मीटर2), तो उनके स्वास्थ्य सेवा प्रदाता उनके लिए अनुकूलित पोषण और उपचार योजना तैयार करेंगे और उपचार के दौरान हर महीने उनकी प्रगति की निगरानी करेंगे।

इस अभियान की गति ने यह भी दर्शाया है कि कैसे समाज और सरकार का समग्र दृष्टिकोण परिवर्तनकारी बदलाव ला सकता है। टीबी जागरूकता और सेवाओं को रोजमर्रा की जिंदगी में एकीकृत करने के लिए 22 मंत्रालयों ने मिलकर काम किया। टीबी जागरूकता झांकियां गोवा कार्निवल परेड का मुख्य आकर्षण बन गईं। देश भर के स्कूलों में, टीबी जागरूकता संदेशों को सुबह की सभाओं में शामिल किया गया। लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने हजारों आगंतुकों को मुफ्त टीबी जांच की पेशकश करने के लिए अपने क्लस्टर कार्यालयों के नेटवर्क का लाभ उठाया। इन विविध प्रयासों ने कलंक को तोड़ दिया, गलत सूचनाओं को सही किया और टीबी उन्मूलन को सार्वजनिक चेतना के केंद्र में ला दिया। 100 दिवसीय अभियान अभी शुरुआत है। भारत इन प्रयासों को पूरे देश में बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर नागरिक - चाहे वे कहीं भी रहते हों - को आधुनिक निदान, गुणवत्तापूर्ण उपचार और अटूट सामुदायिक समर्थन तक पहुँच प्राप्त हो। जिस तरह भारत ने कोविड-19 की जाँच को तेज़ी से बढ़ाया, उसी तरह स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय अगली पीढ़ी के टीबी निदान में निवेश कर रहा है ताकि अंतिम छोर तक तेज़ और अधिक सटीक जाँच हो सके। भारत ने पहले भी समुदाय द्वारा संचालित कार्रवाई की शक्ति देखी है - चाहे वह स्वच्छ भारत मिशन हो या हमारा पोलियो उन्मूलन अभियान। इसी तरह, टीबी मुक्त भारत अभियान अब लोगों के नेतृत्व वाला एक और आंदोलन बन रहा है। जब नवाचार पहुंच से मिलता है, और जब सरकारें, समुदाय और व्यक्ति एकजुट होते हैं तो असंभव वास्तविकता बन जाता है।

भारत सिर्फ़ टीबी से नहीं लड़ रहा है-हम इसे हरा भी रहे हैं।

(लेखक भारत सरकार के केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हैं)

मी लॉर्ड, इंसाफ दिखना भी चाहिए

(शशि शेखर)

मैं अपनी उम्मीद को बनाए रखना चाहता हूं। ऐसा कहने की सबसे बड़ी वजह यह है कि हमारे सहयोगी प्रकाशन हिन्दुस्तान टाइम्स ने अपनी वेबसाइट पर शनिवार को यह खबर शाया की कि देश के प्रधान न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने अपने सहयोगी न्यायाधीशों को दिलासा दिया है।

सुकरात ने प्लूटो के साथ अपने ऐतिहासिक संवाद में एक गजब की बात कही थी- 'न्याय एक ऐसी भलाई है, जो व्यक्ति और राजनीति, दोनों के समृद्ध विकास के लिए जरूरी है।' दुनिया के न्यायविद् सदियों से समूचे एहतराम के साथ इसे अपना ध्येय वाक्य मानते आए हैं। पिछले दिनों दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के यहां आग लगने के बाद बड़ी संख्या में नोटों के बंडल जल जाने की खबर उड़ी, जिसने इंसाफ के पुजारियों के साथ देश के अवाम को भौचक्का कर दिया।

हालांकि, अभी तक ऐसा कोई प्रमाण सामने नहीं आया है, जो साबित कर सके कि वहां धनराशि मिली या नहीं? अगर नोटों की गड्डियां मिलीं, तो वे कितनी थीं?

शायद यह मामला दब गया होता, अगर मीडिया में इसकी खबर न उछली होती। इसी के बाद एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष जोरदार तर्कों के साथ मामला उठाया। यह सब चल ही रहा था कि न्यायमूर्ति वर्मा के इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरण की खबर आई। साथ ही, यह भी मालूम पड़ा कि सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को अपनी रिपोर्ट शाम तक सौंपने को कहा है।

कहा जा रहा कि रिपोर्ट सौंपी जा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में तीन जजों की एक कमिटी बनाई है। इस कमिटी में अलग-अलग हाईकोर्ट के जजों को शामिल किया गया है। फिलहाल न्यायमूर्ति वर्मा को न्यायिक कार्यों से दूर रखा गया है। अच्छा होगा कि आला अदालत जल्द से जल्द अपनी राय से देश की जनता को अवगत करा दे, क्योंकि जितने मुंह, उतनी बातों का दौर किसी भी स्वस्थ न्यायपालिका पर आम आदमी के भरोसे के लिए भला नहीं।

इसी बीच शुक्रवार को खबरों की दुनिया में यह भी तैरने लगा कि दिल्ली के दमकल विभाग ने उन समाचारों का खंडन किया है कि उन्हें वहां किसी भी तरह के नोटों का कोई बंडल मिला। इसने आग में घी का काम किया। टेलीविजन पर लाइव डिबेट के प्रतिभागी और सोशल मीडिया के हरकारे दाल में काला खोजने में जुट पड़े थे। इसी दौरान इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन ने भी सुप्रीम कोर्ट को दरख्वास्त भेज दी कि इस जज को भला हमारे यहां क्यों भेज रहे हैं? इलाहाबाद हाईकोर्ट कूड़ादान नहीं है। मामला भड़क रहा था कि दमकल विभाग की ओर से आग को और हवा मिल गई। उसका कहना था, हमने इस संबंध में कोई बयान नहीं दिया है।

आशंकाशास्त्रियों को इससे दोबारा मौका मिल गया। वे कहने लगे कि इस सारे मामले की रंगाई-पुताई की कोशिश की जा रही है। कुछ वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने तो इस दौरान बेहद कड़े शब्दों का प्रयोग करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट का कॉलेजियम सिस्टम इसलिए ईजाद किया गया था कि न्यायमूर्तिगणों को विशिष्ट दर्जा हासिल हो, ताकि उन्हें किसी भी तरह से बेवजह प्रताड़ित न किया जा सके। उन पर आरोप लगने पर सुप्रीम कोर्ट के पास ही जांच का हक हो। तमाम वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने इस कथित घटना के हवाले से कॉलेजियम और उसके औचित्य पर ही सवाल उठाने शुरू कर दिए।

उनका तर्क था कि यदि किसी नौकरशाह, पत्रकार, नेता अथवा वकील के यहां इतनी 'राशि' मिलती, तो सबसे पहले प्रवर्तन निदेशालय, यानी ईडी के अधिकारी उसे धर दबोचते। यदि वह राजकीय कर्मचारी होता, तो केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) सक्रिय हो चुकी होती और पुलिस की आर्थिक अपराध शाखाएं भी उस पर टूट पड़तीं। आनन-फानन में गिरफ्तारी होती और उसके बाद उस शख्स को लंबी कानूनी प्रक्रिया से गुजरना होता। न्यायमूर्तियों को मिले हुए विशेष अधिकार से वे इन झंझटों से बच जाते हैं।

यहां वेदनापूर्वक जस्टिस निर्मल यादव के मामले को भी याद किया गया। निर्मल यादव पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में न्यायाधीश थीं। उन पर 15 लाख रुपये रिश्वत लेने का आरोप था। इस पर जांच बैठी। सीबीआई ने चार्जशीट दाखिल की, मामला डेढ़ दशक से अधिक तक खिंचा, लेकिन निर्मल यादव का कुछ नहीं हुआ। जिस देश में आम लोग शक की बिना पर गिरफ्तार कर लिए जाते हों और सालोंसाल उनसे अदालतें यह उम्मीद करती हों कि वे अपनी निर्दोषिता साबित करें, वहां इस तरह के मामले चौंका जाते हैं।

दुर्भाग्य से न्यायमूर्ति वर्मा या निर्मल यादव अकेले नहीं हैं। कई न्यायमूर्तियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे, कुछ पर साबित हुए, तो कुछ पर नहीं। हर बार यह मामला उठा कि न्यायाधीशों का विशेषाधिकार न्याय के रास्ते में रोड़ा बनता है। हालांकि, निजी तौर पर मैं मानता हूं कि न्यायमूर्तियों को विशेषाधिकार हासिल होना चाहिए, ताकि वे देश की जनता की अपेक्षाओं को पूरा कर सकें। इसमें कोई शक नहीं है कि अधिकांश न्यायमूर्ति यही कर रहे हैं। इसके बावजूद कुछ लोगों की कथनी या करनी न्यायपालिका को लांछित करती रहती है। कोलकाता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सौमित्र सेन का मामला भी ऐसा ही था। सेन पर भ्रष्टाचार के आरोप प्रमाणित हुए और उनके खिलाफ संसद द्वारा महाभियोग की कार्रवाई पूरी हो पाती, इससे पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया। क्या इतना पर्याप्त था? निर्मल यादव अथवा सौमित्र सेन किसी अन्य पेशे में होते, तो क्या आरोप सिद्ध होने या चार्जशीट दाखिल होने में इतनी देरी लगती? क्या वे लंबे समय के लिए सलाखों के पीछे जाने से बच पाते?

देश में समाप्त करने होंगे विभागों के पर्सनल ला

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

देश में व्यवस्थाओं के नाम पर अव्यवस्थायें फैलाने की कोशिशें निरंतर तेज होती जा रहीं हैं। नियमों के नाम पर पर्सनल ला बनाने का क्रम बढता जा रहा है। स्वाधीनता के बाद संविधान निर्माण के दौरान जहां जातियों, सम्प्रदायों, स्थानों, भाषाओं, क्षेत्रों, संस्कृतियों के आधार पर विभाजन करने वाले विशेष कानूनों का प्राविधान किया गया ताकि भविष्य में सत्ता का संचालन चन्द लोगों के हाथों में ही रह सके, तो दूसरी ओर लालफीताशाही ने कार्यपालिका को निरंकुश बनाने की दिशा में विभागों को मनमाने आचरण करने की छूट देने की गरज से अलग-अलग कानूनों का निर्माण कर लिया। विधायिका के सत्ता पक्ष ने अपनी ठेकेदार पार्टी के हितों के साथ स्वयं की स्वार्थपूर्ति को स्थायित्व देने की नियत से नागरिकों को मुफ्तखोरी की आदत डालकर उन्हें हरामखोर बनाने की प्रतिस्पर्धा जीतने में जी-जान लगा दी। परिणामस्वरूप हरामखोरों ने बडी-बडी जमातें बनाकर आपराधिक वारदातों से धनकुबेर का पदग्रहण करके विलासता की दिशा में बढना शुरू कर दिया। जातिगत एकता के नाम पर चन्द चालाक लोगों ने नेता बनकर विष वमन के माध्यम से सामाजिक खाई को चौडा किया। सम्प्रदाय विशेष के हितों को संरक्षित करने का दिखावा करने वाले मजहबी उस्तादों ने अतीत की इबारतों को दोहराने की कसमें खाना शुरू कर दी। ऐसे में देश की जडों में मट्ठा पिलाने की कबायत करने वाले कार्यपालिका के चन्द अधिकारियों ने अपनी तन, मन और धन की असीमित हवस को शान्त करने हेतु विशेष कानूनों के दायरे बढाने शुरू कर दिये। अतीत के पन्ने पलटने पर ज्ञात होता है कि स्वाधीनता के दौरान कलेक्टर के पद पर तैनात व्यक्ति के पास केवल राजस्व विभाग के सीमित अधिकार होते थे जो वर्तमान में असीमित घोषित हो गये हैं। पैर रखने का अधिकार पाने वाले ने आहिस्ता-आहिस्ता सुख-सुविधायुक्त विश्राम का आशियाना खडा कर लिया है, गुलामों की फौज पैदा कर ली है और जोड लिया है यशगान करने वालों का कुनवा। बात केवल कलेक्टर तक ही सीमित नहीं है। सोची-समझी योजना के तहत जिस तरह से राजस्व वसूली का जिला मुखिया समूचे जिले का बादशाह बन गया उसी तरह सभी विभाग प्रमुखों ने अपने लिये विशेष अधिनियम, कानून और प्राविधानों का निर्माण कर लिया है।

विश्व को नया आकार देने वाले भू-राजनीतिक रुझानों से निपटना

अमिताभ कांत

ट्रम्प प्रशासन अपने दूसरे कार्यकाल में टैरिफ और 'अमेरिका को फिर से महान बनाने' की नीतियों पर दोगुना जोर दे रहा है।

ट्रम्प प्रशासन अतीत के गठबंधनों को फिर से परिभाषित और पुनर्लेखन करने का काम भी कर रहा है जिसकी गूंज यूरोप और एशिया में उनके सहयोगियों द्वारा महसूस की जा रही है। इन कदमों का उद्देश्य व्यापार संतुलन में सुधार और सार्वजनिक व्यय को कम करके अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है।

अमेरिका ने पेरिस समझौते व विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से खुद को अलग कर लिया है। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) से भी वह पहले ही अलग हो चुका है। ये कदम वैश्विक भू-राजनीतिक व्यवस्था में एक शून्य पैदा कर रहे हैं।

यह शून्य लंबे समय तक नहीं रहेगा-इसे प्रतिस्पर्धी शक्तियों द्वारा भरा जाएगा। अमेरिका सबसे शक्तिशाली बना हुआ है और हम एक बार फिर एक बहुध्रुवीय दुनिया का उदय देख रहे हैं।

विखंडित वैश्वीकरण, तकनीकी वर्चस्व की लड़ाई, ऊर्जा की भू-राजनीति और ढहता वैश्विक शासन विश्व को नया आकार देने वाले प्रमुख भू-राजनीतिक रुझान हैं जिनसे भारत को निपटना होगा।

वैश्वीकरण का विखंडन : जैसा कि हम जानते हैं, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के युग में हमने जो वैश्वीकरण का युग देखा था, वह समाप्त होने वाला है। वैश्विक वित्तीय संकट के बाद से, हमने वैश्वीकरण का विखंडन देखा है। व्यापार युद्धों ने इस विखंडन को और तेज़ कर दिया है। कोविड-19 महामारी ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारी व्यवधान पैदा किया और इसके फलस्वरूप देशों और व्यवसायों को वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने के लिए प्रेरित किया।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा फिर से टैरिफ़ लगाने के साथ, व्यापार युद्धों का दूसरा युग हमारे सामने है। चाहे पारस्परिक हो या सभी टैरिफ़, व्यापार युद्ध विश्व व्यापार को बहुत ज़्यादा बाधित करेंगे। व्यापार युद्ध अब सिर्फ़ बिक्री की वस्?तुओं के बारे में नहीं रह गए हैं। वे प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और औद्योगिक नीति जैसे कारकों को प्रभावित करते हैं। देश ऊर्जा और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक उद्योगों में संरक्षणवाद और क्षमताओं का निर्माण करने का सहारा ले रहे हैं।

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के अधर में लटके होने के साथ, देश द्विपक्षीय या बहुपक्षीय व्यापार समझौतों की ओर तेज़ी से बढ़ रहे हैं।

फ्रेंड-शोरिंग का उदय और वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने का लक्ष्य भारत के लिए अवसर प्रस्तुत करता है। हम सही नीतियों, रणनीतिक द्विपक्षीय व्यापार सौदों और व्यापार सुगमता पर ध्यान केंद्रित करके विनिर्माण के क्षेत्र में निवेश को आकर्षित कर सकते हैं।

प्रौद्योगिकी- वैश्विक शक्ति के लिए युद्ध का मैदान: प्रथम औद्योगिक क्रांति से लेकर चौथी तक वैश्विक शक्ति गतिशीलता को आकार देने में प्रौद्योगिकी प्रमुख प्रेरक शक्ति रही है।

आज के युग में, सेमीकंडेक?टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और उभरती हुई प्रौद्योगिकियां प्रमुख प्रेरक शक्ति हैं। राष्ट्र तकनीकी संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए चिप निर्माण में अरबों रुपए डाल रहे हैं। एआई में देशों और कंपनियों से समान रूप से बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है। साथ ही, साइबर युद्ध और एआई द्वारा उत्पन्न जोखिमों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। साइबर युद्ध पूरे ऊर्जा ग्रिड को बाधित कर सकता है या भुगतान और बैंकिंग प्रणालियों को प्रभावित कर सकता है।

एआई द्वारा संचालित भ्रामक सूचना चुनावों को बाधित कर सकते हैं और सामाजिक कलह को जन्म दे सकते हैं। एआई को दुनिया भर के समुदायों द्वारा आकार दिया जाना चाहिए, स्वामित्व में लिया जाना चाहिए और तैनात किया जाना चाहिए। हमें कुशलता से नवाचार करना चाहिए, कम से कम में अधिक करना चाहिए, ओपन सोर्स और सरल इंजीनियरिंग को बढ़ावा देना चाहिए और बहुभाषी और मल्टीमॉडल मॉडल बनाना चाहिए। वैश्विक समुदाय को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रौद्योगिकी, नुकसान को सीमित करते हुए समावेशी हो। भारत मॉडल, जिसमें प्रौद्योगिकी का उपयोग विभाजन को बढ़ाने के बजाय उसे पाटने के लिए किया जाता है, दुनिया के लिए एक आदर्श हो सकता है।

ऊर्जा की भू-राजनीति और ऊर्जा परिवर्तन: स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव शक्ति गतिशीलता को फिर से परिभाषित कर रहा है। महत्वपूर्ण खनिजों (लिथियम, कोबाल्ट, दुर्लभ मृदा तत्वों) से समृद्ध राष्ट्र या इन महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण को नियंत्रित करने वाले देश अधिक प्रभावशाली बन रहे हैं।

आज, लगभग 70-80 प्रतिशत दुर्लभ मृदा तत्वों (आरईई) निष्कर्षण और प्रसंस्करण चीन द्वारा नियंत्रित किया जाता है। दुनिया के 80 प्रतिशत सौर सेल चीन द्वारा उत्पादित किए जाते हैं और इसी तरह लगभग 70 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी भी चीन द्वारा उत्पादित की जाती हैं।

चीन पहले से ही तकनीकी अपनाने के मामले में आगे है, ट्रम्प प्रशासन के तहत अमेरिका पेरिस समझौते से बाहर हो गया है और इसके बजाय वह जीवाश्म ईंधन विस्तार पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन के लिए बहुत बड़ा जोखिम पैदा करता है। विकसित राष्ट्र पहले ही वैश्विक कार्बन बजट का 80 प्रतिशत हिस्सा खर्च कर चुके हैं और जी7 देशों से कोयले का चरणबद्ध तरीके से उन्मूलन अब 2030 के बजाय 2035 तक होगा। इसके अलावा, विकसित राष्ट्र विकासशील देशों को जलवायु वित्त और प्रौद्योगिकी प्रदान करने की अपनी जिम्मेदारी में विफल हो रहे हैं। इससे विकासशील देशों के लिए अपनी विकास महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बहुत कम जगह बचती है।

स्वच्छ ऊर्जा की ओर हमारी दौड़ को वैश्विक गठबंधनों के नए रूपों की आवश्यकता है। देशों को अगली पीढ़ी के सौर पैनल, इलेक्ट्रोलाइज़र और वैकल्पिक सेल केमिस्ट्री (एसीसी) बैटरी जैसी तकनीक पर सहयोग करना चाहिए। भारत को निर्णायक रूप से कार्य करना चाहिए, ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में अपने घरेलू इकोसिस्टम का निर्माण जारी रखना चाहिए। हमें प्रसंस्करण और शोधन के लिए क्षमताओं का विकास करते हुए महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए व्यापार साझेदारी भी सुरक्षित करनी चाहिए।

बढ़ते वैश्विक संघर्ष के बीच ढहता वैश्विक शासन: ऐसे समय में जब वैश्विक सहयोग की सबसे अधिक आवश्यकता है, हमारे पास जो संरचनाएं हैं, वे विफल हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है। वैश्विक तापमान पहले ही 1.5 डिग्री सेल्सियस के सीमा को पार कर चुका है। ग्लोबल साउथ, अपने प्रतिनिधित्व और अपनी प्राथमिकताओं दोनों के मामले में हाशिये पर है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गतिरोध बना हुआ है, विश्व व्यापार संगठन में विवाद समाधान तंत्र का अभाव है और कॉप29 बहुत जरूरी जलवायु वित्त पोषण प्रदान करने में विफल रहा है। यूक्रेन से लेकर गाजा और सूडान तक, दुनिया भर में संघर्ष बढ़ रहा है। जैसा कि पीएम मोदी ने बार-बार कहा है, जलवायु परिवर्तन, महामारी और वित्तीय अस्थिरता की आज की चुनौतियां राष्ट्रीय सीमाओं को नहीं देखती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि हम पुरानी संस्थाओं के साथ 21वीं सदी की चुनौतियों से नहीं लड़ सकते। एक नए वैश्विक शासन ढांचे की आवश्यकता है जो ग्लोबल साउथ को अपने केंद्र में रखे और यह स्वीकार करे कि दुनिया अब कुछ चुनिंदा शक्तियों का क्षेत्र नहीं है। यह क्षण भारत के लिए एक वैकल्पिक वैश्विक आर्थिक मॉडल को आकार देने और अधिक समावेशी अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली की वकालत करने का एक अवसर है।

आने वाला दशक वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के भविष्य को आकार देगा। भारत उभर रहा है और वैश्विक मंच पर एक व्यावहारिक नेता के रूप में अपनी स्थिति बना रहा है। हम ग्लोबल साउथ के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों को सामने ला रहे हैं जबकि वैश्विक संघर्ष पर एक समझौतावादी रुख अपना रहे हैं। प्रधानमंत्री का हालिया बयान कि हमें मतभेद के बजाय संवाद पर जोर देना चाहिए, ने वैश्विक स्तर पर एक गूंज पैदा की है। भारत का कूटनीतिक संतुलन इस युग की एक परिभाषित विशेषता बन रहा है।

*लेखक भारत के जी20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ हैं। व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं।

संक्षिप्त समाचार

बैंक खाता संख्या को आधार से लिंक कराएं: उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त विजया जाधव ने मंगलवार को सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों (बीडीओ) को पत्र जारी कर निदेश दिया है कि अपने-अपने प्रखण्ड स्थित बैंकों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए प्रतिदिन पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 01 बजे तक ऐसे सभी लाभुकों का जिनके आधार के साथ उनके बैंक खाता की सीडिंग नहीं हुई है को युद्ध स्तर पर कैम्प मोड में सीडिंग कराना सुनिश्चित करेंगे। उपायुक्त ने कहा कि ऐसी परिस्थिति में विभिन्न योजनाओं के योग्य लाभुक आहर्तों के बावजूद इन योजनाओं का लाभ नहीं ले पाते है जिस कारण आम जन मानस में रोष उत्पन्न होता है। इसलिए सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी इसे गंभीरता से लेंगे तथा सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। साथ ही, प्रतिदिन 06 बजे अपराह्न तक विभागवार, योजनावार आधार सीडिंग किए गए लाभुकों का दैनिक प्रतिवेदन जिले को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

मोहर्रम इंतजामिया कमेटी ने जनरल युगल किशोर को किया सम्मानित

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मोहर्रम इंतजामिया कमेटी के जनरल जिशान खान व अंजुमन इस्लाउल्ल मुस्लिमीन कमेटी के सदर मुस्तफा कमाल सहित पूरी टीम ने श्री महावीर नव युवक दल के जनरल युगल किशोर की पगड़ीपोशी कर माला पहनाया व बुके देकर सम्मानित किया। मौके पर जनरल जीशान खान ने कहा कि पूर्वजों से चली आ रही गंगा जमुना तहजीब व आपसी भाईचारे के साथ रामनवमी मनाया जाएगा। कहा कि मोहर्रम इंतजामिया कमेटी व अंजुमन इस्लाउल्ल मुस्लिमीन कमेटी के पूरे लोग रामनवमी कमेटी के साथ तालमेल बनाकर कदम से कदम मिलाकर आपसी भाईचारी के साथ रामनवमी मनाने काम करेंगे। मौके पर मुस्लिम सदर मुस्तफा कमाल, पूर्व सदर लतन हाजी, पूर्व जनरल इसराइल आजाद उर्फ मिंटू, नेयाज अहमद, सानू सिद्दीकी, कलाम राजा साहब, अनवर अंसारी, फिरदौस आलम, मुन्ना खान, गुड्डू नवाज सहित कई शामिल थे।

ई-केवाईसी सप्ताह के अंतर्गत जागरूकता रथ को उपायुक्त ने किया रवाना

खूंटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। समाहरणालय परिसर में आज उपायुक्त श्री लोकेश मिश्रा द्वारा आपूर्ति विभाग द्वारा संचालित ई-केवाईसी जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। 21 से 27 मार्च तक मनाए जा रहे ई-केवाईसी सप्ताह के तहत इस अभियान का उद्देश्य राशन कार्डधारियों को 31 मार्च से पूर्व अनिवार्य रूप से ई-केवाईसी कराने के लिए प्रेरित करना है। यह जागरूकता रथ विभिन्न क्षेत्रों में जाकर आमजन को ई-केवाईसी की प्रक्रिया और इसके महत्व की जानकारी देगा, जिससे लाभुक समय रहते अपना ई-केवाईसी पूरा करा सकें और किसी भी प्रकार की असुविधा से बच सकें। इसके अलावा जागरूकता रथ के माध्यम से आपूर्ति विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से आमजनों के आमजनों को जागरूक भी किया जाएगा। उपायुक्त श्री लोकेश मिश्रा ने राशनकार्ड धारियों से अपील कि कि वे जल्द से जल्द अपना ई-केवाईसी पूर्ण कराएं, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से प्राप्त कर सकें। इस मौके पर जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, एनडीसी समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बसिया में जंगली हाथी का आतंक, ग्रामीणों में दहशत

गुमला/बसिया/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बसिया प्रखंड के तेतरा पाल्टोली गांव में रविवार रात एक जंगली हाथी ने आतंक मचाया। हाथी ने चमरू मिंज के घर को क्षतिग्रस्त कर दिया और वहां रखा अनाज चट कर गया। घटना के समय चमरू मिंज और उनका परिवार घर में सो रहा था,लेकिन जैसे ही हाथी ने हमला किया, वे भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। ग्रामीणों ने एकजुट होकर हाथी को भगाने का प्रयास किया। सोमवार सुबह प्रमुख जगरानी तिग्गा ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और मुआवजे का भरोसा दिलाया। क्षेत्र में हाथियों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। जिससे किसानों की फसलें भी बर्बाद हो रही हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

भंडारा में जरूरतमदों को कराया गया भोजन

गढ़वा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सोशल वर्कर संस्था के तत्वावधान में शहर के रंका मोड़ स्थित संकट मोचन मंदिर के समीप मंगलवार को भंडारा का आयोजन किया गया। यह संस्था का 68वां भंडारा था। मौके पर जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शोभित सर्राफ थे। वह अपने जन्मदिन पर अपनी मां रागिनी देवी और पिता नवीन सर्राफ के साथ शामिल हुए। उन्होंने भंडारा में सहयोग किया। उसके अलावा मेराल के निखिल फार्मा के निशांत तिवारी ने भी भंडारा में सहयोग किया। उन्होंने संस्था की ओर से चलाए जा रहे फूड फॉर हंगर कार्यक्रम की सराहना की। संस्था के संचालक आकाश केशरी ने कहा कि शहर के लोग लगातार फूड फॉर हंगर प्रोजेक्ट में जरूरतमंदों के लिए भंडारा के आयोजन में मदद कर रहे हैं। मौके पर संस्था के शुभम केशरी, अनमोल कश्यप, बाला केशरी,यश गुप्ता, पियूष गुप्ता सहित अन्य मौजूद थे।

पुल की रेलिंग मरम्मति में भारी अनियमितता

लातेहार/महुआडांड़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड अंतर्गत महुआडांड़ अक्सी और चैनपुर पंचायत के राजडंडा,बोहटा,सेड़ नदी में चल रही पुल मरम्मती में भारी अनियमिता बरती जा रही है। आरसीडी विभाग से पुल समेत कई अन्य पुल में रेलिंग ,पारापेट एवं रंग रोगन का कार्य में भारी अनियमिता बरती जा रही है। जब की ग्रामीणें का कहना है कि गुणवत्ता पूर्ण कार्य नहीं हो रहा है। घटिया छड़, सीमेंट, बालू का उपयोग किया जा रहा है। वहीं छड़ , सीमेंट एवं अन्य मात्र में सही अनुपात के अनुरूप मसाला नहीं बन रहा है । पुल एवं रेलिंग मरम्मती कार्य मजदूर के भरोसे चल रहे है। निर्माण स्थल में कोई भी विभागीय जेई उपस्थित नहीं है। मनमानी तरीके से कार्य चल रहा है। योजना स्थल पर अभी तक सूचना बोर्ड भी नहीं लगाया गया है। वहीं मजदूर के मजदूरी दर भी मजदूर को सरकारी दर के अनुसार नहीं मिल रहा है। मरम्मत के नाम में खाना पूर्ति हो रही है। अब इस संबंध में आरसीडी विभाग के अधिकारी विजय बखला को कॉल किया गया। लेकिन अधिकारी द्वारा कॉल नहीं उठाया गया।

रात्रि चौपाल कर लोगों को कालाजार के प्रति किया जागरूक

पाकुड़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कीटनाशक छिड़काव से पूर्व जन जागरूकता को लेकर सोमवार रात को सदर प्रखंड अंतर्गत कालाजार अति प्रभावित धारसुड़ी गांव में स्वास्थ्य विभाग ने रात्रि चौपाल लगाई। जिसमें उपायुक्त मनीष कुमार, सिविल सर्जन डॉ. मंटू कुमार टेकरीवाल, जिला भीबीडी पदाधिकारी डॉ केके.सिंह सहित अन्य उपस्थित थे। उपायुक्त ने ग्रामीणों को कीटनाशी छिड़काव सभी कमरों में कराने के लिए प्रेरित किया। साथ ही कालाजार बीमारी के बारे में और कीटनाशी छिड़काव से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी। साथ ही उपायुक्त ने 2024 वर्ष में प्रतिवेदित कालाजार मरीज से मिलकर उनका कुशलक्षेम जाना। प्रतिवेदित कालाजार मरीज ने भी सभी ग्रामीणों को अपने-अपने घरों में कीटनाशी छिड़काव कराने के लिए प्रेरित किया। उपायुक्त ने ग्रामीणों को कहा कि आईआरएस छिड़काव के लिए छिड़काव कर्मियों का पूरा सहयोग करें एवं दूसरों को भी प्रेरित करें कि व छिड़काव में सहयोग करें। उन्होंने सभी ग्रामीणों से आईआरएस छिड़काव में अपना सहयोग कराते हुए वैसे जगह जहां कालाजार वाहक बालू मक्खी का प्रकोप हो सकता है वहां निश्चित छिड़काव कराएं।

बीमारियों से बचाव के लिए स्वच्छता सबसे जरूरी : डॉ गणेश

लोहरदगा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पीएमश्री मिडिल स्कूल नवाडीपाड़ा, लोहरदगा में स्वास्थ्य जांच शिविर सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डा गणेश प्रसाद, डा आइलिन और डा राजेश कुमार भगत के द्वारा संयुक्त रूप से की गयी। इस दौरान डा गणेश प्रसाद ने बताया कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद और सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी भाग लेना चाहिए। जिससे शरीर और मस्तिष्क दोनों स्वस्थ रहता है। बीमारियों से बचाव के लिए साफ सफाई और स्वच्छता बहुत ही जरूरी है। डा आइलिन ने बताया कि अज्ञानता के कारण ही अधिकतर लोग बीमारियों के शिकार होते हैं। संतुलित आहार लेने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है। स्वस्थ शरीर होने से ही पढ़ाई में भी मन लगता है। विद्यार्थियों को सुबह उठना, अपने शारीरिक साफ-सफाई का ध्यान रखना और अपने गुरुजनों का कहना मानना चाहिए। डा राजेश कुमार भगत ने बताया कि बच्चे नियमित रूप से साफ-सफाई को बढ़ावा दें, साफ-सुथरा रहेंगे तो बीमार कम पड़ेंगे।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम अंतर्गत आच्छादित लाभुकों का शत-प्रतिशत इ-केवाइसी आवश्यक : उपायुक्त

31 मार्च तक इ-केवाइसी नहीं कराने वाले लाभुकों का राशनकार्ड से हटेगा नाम ● खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग की संचालित विभिन्न योजनाओं को ले जागरूक करने निकला जागरूकता रथ

उपायुक्त ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मेदिनीनगर (पलामू) /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग झारखंड सरकार की ओर से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से आच्छादित लाभुकों का शत प्रतिशत इ-केवाईसी आवश्यक है। इ-केवाईसी पूर्ण कराने की अंतिम तिथि 31 मार्च तक निर्धारित है। सभी गुलाबी व पीला राशनकार्डधारी लाभुक अपने नजदीकी डीलर से इ-केवाईसी करा लें। निर्धारित तिथि तक इ-केवाईसी पूर्ण नहीं कराने वाले लाभुकों का नाम राशनकार्ड से विलोपित किया जाएगा। उक्त बातें पलामू के उपायुक्त शशि रंजन ने कही। वे मंगलवार को समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के पूर्व बोल रहे थे। मौके पर आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कू सहित अन्य उपस्थित थे। आपूर्ति विभाग, पलामू की ओर से पांच जागरूकता रथ का परिचालन किया जा रहा है। हरी झंडी दिखाये जाने के बाद से जागरूकता रथ के माध्यम से खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखंड सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं अंतर्गत वितरित किए जा रहे खाद्यान्न व अन्य सामान की जानकारी दी जाएगी। जागरूकता रथ जिले के विभिन्न गांवों में जाकर बैनर, पोस्टर-पंपलेट एवं माइकिंग के माध्यम से लोगों को जागरूक करेगा। जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कू ने कहा कि मुख्य रूप से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री नमक वितरण योजना, मुख्यमंत्री दाल वितरण योजना, सोना-सोबरन धोती-साड़ी वितरण योजना, चीनी वितरण योजना आदि के संबंध में लोगों को जागरूक किया जा रहा है। बताया कि छतरपुर व हुसैनाबाद में अनुमंडल स्तर पर एक-एक व सदर अनुमंडल क्षेत्र के लिए तीन जागरूकता रथों का परिचालन किया जा रहा है। कहा कि 31 मार्च तक इ-केवाईसी कराया जा रहा है। प्रवासी मजदूर व लाभुक वर्तमान में जहां हैं, वहीं पर अपने किसी भी नजदीकी जन वितरण प्रणाली दुकानदार से इ-केवाईसी पूर्ण करा सकते हैं। इ-केवाईसी से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी व शिकायत दर्ज कराने के लिए 1967/ 1800-212-5512 पर लोक शिकायत प्रबंधन प्रणाली से संपर्क कर सकते हैं।

भौगोलिक स्थिति और मौसम के अनुरूप बीज का उत्पादन करें: डा हेमंत

लोहरदगा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। लोहरदगा सदर प्रखंड के कुजरा गांव स्थित भगवती बीज ग्राम में जिला कृषि कार्यालय और कृषि विज्ञान केंद्र लोहरदगा के सहयोग से बीज उत्पादन किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए कृषि वैज्ञानिक डा हेमंत कुमार पांडेय ने कहा कि लोग अपनी भौगोलिक स्थिति और मौसम के अनुरूप खुद से ही बीज का उत्पादन करें। यही झारखंड सरकार का उद्देश्य है। क्योंकि मौसम में विगत वर्ष में परिवर्तन देखने को मिल रहा है बीच उत्पादन के लिए सरकार बीज ग्रामों का सुधार करने का प्रयास कर रही है। हम लोगों की भौगोलिक स्थिति में आईआर 64 डीआरटी और ललाट धान उपयुक्त है। उन्होंने किसानों से मडुवे की खेती के लिए आगे आने को कहा। मडुआ सुपर फूड है। मडुवे की खेती के लिए सरकार प्रोत्साहन दे रही है।

बुजुर्ग महिला ने लगाई बेटी की प्रताड़ना से मुक्ति दिलाने की गुहार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधव मिश्रा ने मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया। इसमें धनबाद चीरागोड़ा की रहने वाली एक बुजुर्ग महिला ने उपायुक्त से बेटी की प्रताड़ना से मुक्ति दिलाने की गुहार लगाई। बुजुर्ग महिला ने उपायुक्त को बताया कि उनकी चार बेटियां है। जिसमें तीसरे नंबर की बेटी, जिसकी शादी हो चुकी है लेकिन ससुराल से वापस घर आ गई है, रोज उनको प्रताड़ित और उनके साथ मारपीट करती है।

बुजुर्ग महिला ने उपायुक्त से बेटी को घर से निकालने और प्रताड़ना से मुक्ति दिलाने की गुहार लगाई। उपायुक्त ने बुजुर्ग महिला को दो-तीन दिनों में समस्या का समाधान करवाने का आश्वासन दिया। वहीं पश्चिम बंगाल के अंडाल से आई दो महिलाओं ने बताया कि उनकी पैतृक जमीन गोमो कॉलेज के पास थी। परिवार में उनकी मां, दो भाई और तीन बहन है। उक्त जमीन रेलवे ने अधिग्रहित कर ली। भूमि अधीग्रहण के बाद दोनों भाइयों ने मुआवजा की राशि आपस में बांट ली और मां को घर से निकाल दिया। मां पिछले चार वर्ष से बेटी के साथ अंडाल में रहती है। महिलाओं ने उपायुक्त से इस मामले में हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की गुहार लगाई। जनता दरबार में पूर्वी टुंडी की महिला ने उपायुक्त को बताया कि वह विधवा है और उनका एक दिव्यांग बेटा है। वहीं इलाके के कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से उनकी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। विरोध करने पर दबंगों द्वारा गाली गलौज और मारपीट की जाती है। इसके अलावा जनता दरबार में रेलवे द्वारा अर्जित की गई जमीन का मुआवजा दिलाने, ऑनलाइन रसीद निर्गत कराने, एसएनएमएमसीएच में एचआइवी पीड़ितों के लिए डायलिसिस मशीन उपलब्ध कराने, महावीर नगर स्थित तालाब की सफाई कराने, उच्च न्यायालय, रांची, के आदेश के बावजूद सास - ससुर द्वारा विवाहिता को घर का ताला खोलने से रोकने, बेटी के इलाज के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। जनता दरबार में निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद मौजूद थे।

चैनपुर के बभंडी स्थित राधा कृष्ण मंदिर को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करे सरकार : सांसद

सांसद बीडी राम ने लोकसभा में उठाई मांग

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। लोकसभा में सांसद विष्णु दयाल राम ने नियम 377 के पलामू जिला के चैनपुर प्रखंड के बभंडी स्थित राधा कृष्ण मंदिर को प्रमुख तीर्थ स्थल के रूप में किकसित करने का मामला उठाया। कहा कि राधा कृष्ण महोत्सव कराने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करने की जरूरत है। बीडी राम ने कहा कि राधा कृष्ण मंदिर सरोवर के मध्य स्थित है। मंदिर क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए गहरी धार्मिक व सांस्कृतिक आस्था का केंद्र है। ऐतिहासिक मंदिर की स्थापना वर्ष 1930 में हुई थी। पलामू के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. रघुवंश नारायण सिंह व स्थानीय जिला प्रशासन के प्रयास से मंदिर का जीर्णोद्धार का कार्य किया गया है। इसके ऐतिहासिक व आध्यात्मिक महत्व को संरक्षित रखने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। श्री बंशीधर नगर महोत्सव को राजकीय महोत्सव घोषित किया गया है, उसी तर्ज पर श्रद्धालुओं व क्षेत्र की स्थानीय जनता बभंडी में राधा कृष्ण महोत्सव का आयोजन कराने की मांग लगातार कर रहे हैं। इससे इस मंदिर को एक प्रमुख तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है। इसे श्री बंशीधर नगर मंदिर से जोड़कर एक व्यापक राधा कृष्ण धार्मिक पर्यटन सर्किट का हिस्सा बनाएं जाने की आवश्यकता है। इस क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। इससे आर्थिक व सांस्कृतिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।संसद के अध्यक्ष के माध्यम से सांसद ने भारत सरकार के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय के मंत्री से केन्द्र सरकार की सांस्कृतिक एवं धरोहर संबंधी योजनाओं के तहत राधा कृष्ण महोत्सव को वित्तीय सहायता एवं आधिकारिक मान्यता प्रदान करने की मांग की। कहा कि इस मंदिर को एक धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकेगा।

श्री राम कथा से पूर्व आज निकलेगी श्री राम ध्वज यात्रा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। 27 मार्च से 4 अप्रैल तक अंतर्राष्ट्रीय श्रीराम कथा वाचक राजन जी महाराज के मुखारविंद से होने वाली श्री रामकथा, बोकारो के सेक्टर 4 स्थित मजदूर मैदान में चैत्र नवरात्र के अवसर पर आयोजित होने जा रही है। इस नौ दिवसीय कार्यक्रम की शुरूआत से पहले आज श्रीराम ध्वज यात्रा श्री राम मंदिर जनवृत 1 से प्रातः 9 बजे निकाली जाएगी जो श्री रामकथा स्थल मजदूर मैदान, जनवृत 4 तक जाएगी। इस पावन श्रीराम ध्वज यात्रा में हजारों लोगों के भाग लेने की संभावना है। इस चिर प्रतीक्षित यात्रा को लेकर तमाम नगर वासियों में हर्ष एवं उल्लास का माहौल है। पूरा बोकारो अभी से ही पूरी तरह राममय में हो गया है। 27 मार्च से मजदूर मैदान में शुरू होने वाली श्रीराम कथा से बोकारो का वातावरण भक्तिमय बन गया है। श्री राजन जी महाराज की कथा में बोकारो सहित आसपास के जिलों से आधिकाधिक संख्या में श्रद्धालु श्रोतागण की आने की संभावना है, जो उनकी मधुर वाणी और भावपूर्ण कथा का आनंद लेकर अपना जीवन सफल बनाएंगे। श्रीराम कथा के आयोजन के लिए मजदूर मैदान को विशेष रूप से सजाया गया है जिसमें विशाल पंडाल की भव्यता आकर्षण का मुख्य केंद्र है । श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं एवं सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं ताकि श्रद्धालुगण बिना किसी व्यवधान के श्रीराम कथा का श्रवण कर अपना जीवन धन्य कर सकें। श्रीराम कथा आयोजन ट्रस्ट बोकारो आशा करता है कि श्रीराम कथा श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ज्ञान और शांति प्रदान करेगी।

विधायक किस्को में करेंगे समीक्षा बैठक

लोहरदगा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड के लोहरदगा जिले के किस्को प्रखंड मुख्यालय और आसपास के नागरिकों और कांग्रेस जनों ने आरोप लगाया है, कि प्रखंड विकास अधिकारी प्रखंड में आते ही नहीं है। लगभग डेढ़ साल से पदस्थापित हैं। वावजूद इसके वह आज तक अपने अधीनस्थ 29 विभागों में से किसी भी विभाग की समीक्षा बैठक नहीं किए हैं। 25 मार्च को ओलावृष्टि से हुए नुकसान की समीक्षा बैठक स्थानीय विधायक डा रामेश्वर उरांव किस्को प्रखंड मुख्यालय में करेंगे। इसकी जानकारी मिलने पर प्रखंड विकास अधिकारी प्रखंड कार्यालय का रंग-रोगन दिन-रात करवाने में व्यस्त है। ताकि विधायक को यह पता चल सक कि प्रखंड कार्यालय चमचमा रहा है।

खाद्य सुरक्षा से संबंधित ट्रेनिंग एवं सर्टिफिकेशन कार्यक्रम संपन्न

फोर्टिफाइड फूड व एफएसएसएआई की महत्वाकांक्षी योजनाओं की दी गई जानकारी

खूंटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिले में खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सिविल सर्जन कार्यालय परिसर में एक दिवसीय फूड सेफ्टी ट्रेनिंग एवं सर्टिफिकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखंड, रांची के निदेशानुसार, अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी एवं खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, खूंटी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में ज्ञानसीटी एजुकेशनल ट्रस्ट के मास्टर ट्रेनर श्री अनुप कुमार तिवारी ने रेस्टोरेंट, कैटरर्स, पानीपुरी विक्रेता, फास्ट फूड एवं मिठाई दुकानदारों को खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दिया। ट्रेनिंग के दौरान उपस्थित लोगों को फोर्टिफाइड फूड एवं एफएसएसएआई की प्रमुख योजनाएँ जैसे ईट राइट इंडिया एवं "आज से थोड़ी कम" (तेल, चीनी एवं नमक के संतुलित उपयोग पर जोर) के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रसोई परिसर की साफ-सफाई, व्यक्तिगत स्वच्छता, खाद्य पदार्थों को ढककर रखने तथा खाना पकाते एवं परोसते समय एप्रन, ग्लव्स एवं हेड कैप के उपयोग पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी गई। इस अवसर पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। उपस्थित विक्रेताओं को मिठाइयों में मिलावट न करने, शुद्ध तेल एवं खाद्य रंगों के प्रयोग की अपील की गई।

सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं रामनवमी व ईद का त्यौहार : डॉ अमित झा

आपसी समरसता के साथ त्यौहार को मनाएं दोनों समुदाय : इंस्पेक्टर

सोशल मीडिया पर भ्रामक प्रचार फैलाने वाले से निपटेगी पुलिस : चंद्रशेखर यादव

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। रामनवमी व ईद दोनों त्यौहार अपने आप में दोनों समुदायों के लिए खास है। एकता का परिचय देते हुए दोनों धर्मावलंबी शांतिपूर्ण ढंग से त्यौहार को मनाएं। उक्त बातें पंड़वा के प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी डॉक्टर अमित कुमार झा ने कही। वे मंगलवार को पंड़वा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक में बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉक्टर झा ने दोनों समुदायों के लोगों से आपसी एकता के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में ईद व रामनवमी का त्यौहार मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पूरी तरह चौकसी बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि दोनों समुदाय के लोगों की जिम्मेदारी है कि शांति व उल्लास पूर्वक त्योहार को मनाएं। मौके पर पाटन क्षेत्र के पुलिस इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस प्रशासन के लिए गये दिशा निर्देश के अनुसार आपसी समरसता के साथ त्यौहार को शांतिपूर्ण ढंग से व एक दूसरे के साथ मिलजुल कर मनाएं। कहा कि पंडवा थाना क्षेत्र में दोनों समुदाय के लोगों ने शांति का परिचय देकर त्यौहार मनाया है। इस बार भी आपसी समरसता के साथ त्यौहार मनाएं। थाना प्रभारी चंद्रशेखर यादव ने कहा कि त्यौहार में एक दूसरे के प्रति आपसी वैमनस्यता को भूलकर मिलजुल कर साथ दोनों त्यौहार को मनाएं । कहा कि सोशल मीडिया पर कोई भी भ्रामक प्रचार, अफवाह या सामाजिक दुर्भावना फैलाने का प्रयास करेगा तो इसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दें। पुलिस तुरंत एक्शन लेकर कानूनी कार्रवाई करेगी। कहा कि पुलिस प्रशासन के दिए गए दिशा- निर्देश के तहत एकता का परिचय देते हुए शांतिपूर्ण ढंग से त्योहार को मनाएं। मौके पर थाना के एसआई जितेंद्र कुमार यादव, नवल किशोर सिंह, प्रद्युम्न पासवान, पूर्व उप प्रमुख चंदेश्वर मेहता, पूर्व मुखिया राणा सिंह चौहान, सामाजिक कार्यकर्ता जयपाल सिंह, उस्मान मियां, कयूम अंसारी, संतोष प्रसाद, देवराज राम, सत्येंद्र मेहता, शिव नारायण मेहता समेत दर्जनों पंडवा थाना क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

गुमला की ग्रामीण महिलाओं ने रचा नया इतिहास

गुमला/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गुमला की ग्रामीण अनपढ महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि शिक्षा की ज्योत जलाने की कोई उम्र नहीं होती। वर्षों तक निरक्षरता के अंधकार में रहने के बाद अब वे बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान से खुद को सशक्त कर रही हैं। यह संकल्प तब और मजबूत हुआ जब रविवार को जिले के 12 प्रखंडों और 100 संकुलों में आयोजित नव-वयस्क साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा में हजारों महिलाओं ने भाग लिया। यह परीक्षा राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान द्वारा पूरे देश में आयोजित की गई थी। जिसे झारखंड राज्य साहित्य मिशन के तहत गुमला जिला प्रशासन और जिला साक्षरता समिति ने संपन्न कराया। जिले में कुल 4,378 निरक्षरों की पहचान की गई। जिनमें से 4,082 नवसाक्षरों ने इस परीक्षा में भाग लिया। विशेष रूप से परीक्षा देने वालों में 2,951 महिलाएं और 1,131 पुरुष शामिल थे। जो यह दशार्ता है कि महिलाओं में शिक्षा को लेकर जबरदस्त उत्साह है। यह आंकड़ा यह भी साबित करता है कि गांव की महिलाएं अब पढ़ने-लिखने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं और साक्षरता का सपना पूरा कर रही हैं। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने इस परीक्षा के लिए व्यापक तैयारियां की थीं। शिक्षा विभाग के सभी संकुल और प्रखंड संसाधन केंद्र रविवार को विशेष रूप से इस परीक्षा के लिए खुले थे। परीक्षा केंद्रों पर केंद्राधीक्षक और निरीक्षकों की नियुक्ति की गई थी। साथ ही,जो लोग पंजीकृत नहीं थे,उन्हें मौके पर ही पंजीकरण कर परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया गया।

कंप्यूटर ऑपरेटर के भरोसे पर चल रहा है पांडू प्रखंड व अंचल कार्यालय : बिट्टू पाठक

● प्रदेश में हमारी सरकार की समस्याओं को समाधान करना प्राथमिकता : जिला अध्यक्ष
● सहायता केंद्र का पलामू जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक ने किया शुभारंभ

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में जिले के सभी प्रखंड मुख्यालय में सहायता केंद्र का पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक के नेतृत्व में शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने उंटारी प्रखंड कार्यालय में लोगों की समस्या से अवगत हुए। सीओ - बीडीओ से मुलाकात कर समस्याओं के समाधान करने का आग्रह किया। कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार है। हमारी प्राथमिकता बनता है कि समस्याओं का समाधान करवाएं।पांडू प्रखंड में समस्या से अवगत होते हुए जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने कहा कि प्रखंड व अंचल कार्यालय कंप्यूटर ऑपरेटर के भरोसे चलाया जा रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। पांडू प्रखंड में समस्याओं का अंबार है। जनता को सुनने के लिए कोई भी पदाधिकारी कार्यालय में उपस्थित नहीं हैं। टेलीफोन के माध्यम से डीडीसी से वातार्लाप कर पूरी जानकारी से अवगत कराया गया। कहा कि अगर जनता की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन भी करना पड़े तो पीछे नहीं हटेंगे। प्रदेश की जनता जिस विश्वास व आस्था से इंडिया गठबंधन की सरकार को दोबारा मौका दिया है, उनकी आस्था व विश्वास को टूटने नहीं देंगे। कांग्रेस पार्टी अंतिम पयदान पर जरूरतमंद व्यक्ति को भी लाभ पहुंचाएगी। पदाधिकारी अपने कार्यशैली को सुधारे, नहीं तो कार्रवाई निश्चित होगी। मौके पर ईश्वरी सिंह, सन्नू खान, उंटारी प्रखंड अध्यक्ष रिंकू सिंह, पांडू प्रखंड अध्यक्ष सच्चिदानंद शुक्ला, जितेंद्र कमलापुरी, मिट्ठू खान, अशोक पासवान, अनिल सिंह, सतनारायण तिवारी, अशोक सिंह, गोमती पांडे, बुलू सिंह, असगर अली, विपिन सिंह, शमीम अंसारी, बिरजू रजवार, चंद्रदीप राम, बृजेश चंद्रवंशी, वृंदा देवी, चंपा देवी, नगीना देवी, सीमा देवी व विजय रविदास सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

जोमैटो और स्विगी के शेयरों में इस साल 40 प्रतिशत तक गिरावट, जेप्टो भी दे रहा टेंशन

नईदिल्ली, एजेंसी। जोमैटो और स्विगी के शेयरों में इस साल भारी गिरावट देखी गई है। स्विगी का शेयर 2025 के अपने उच्चतम स्तर से लगभग 40 प्रतिशत नीचे आ चुका है, जबकि जोमैटो 27 प्रतिशत गिरा है। यह गिरावट तब आई है जब इन कंपनियों ने इस वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही के नतीजे बाजार की उम्मीदों से कम दिखाए। आज भी जोमैटो के शेयर 5

फीसद से अधिक टूटकर 211 रुपये के आसपास आ गए हैं। स्विगी भी दो फीसद से अधिक टूटकर 344 रुपये पर आ गया है। इसी बीच, जोमैटो और स्विगी के क्विक कॉमर्स प्रतिद्वंद्वी जेप्टो भी उन्हें टेंशन दे रहा है। जेप्टो के 250 मिलियन के सेकेंडरी सेल से पहले कुछ शेयरधारकों द्वारा हिस्सेदारी बेचने की खबर ने भी इन शेयरों पर दबाव बनाया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, जेप्टो आईपीओ से पहले भारतीय निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए यह कदम उठा रहा है।

कंपनियों ने बताया मांग में कमी का दौर- जोमैटो के सीइओ राकेश रंजन ने 20 जनवरी को शेयरधारकों को लिखे पत्र में कहा, नवंबर के दूसरे हफ्ते से मांग में व्यापक गिरावट देखी जा रही है। स्विगी के सीइओ रोहित कपूर ने 5 फरवरी को त्तः3 नतीजों के बाद कहा, यह तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) थोड़ी कमजोर रही, लेकिन हम 19.2 प्रतिशत की ग्रोथ के साथ बाजार को दिए गए 18-22 प्रतिशत के अनुमान के भीतर हैं।

एक म्यूचुअल फंड ने 11 महीने में ही दिया 103 प्रतिशत तक का रिटर्न

नईदिल्ली, एजेंसी। , अगर आप म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं तो आपके लिए काम की खबर है। आज हम आपको एक ऐसे फंड के बारे में बता रहे हैं जिसने कम समय में ही अपने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। बता दें कि वित्तीय वर्ष 2025 म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए जबरदस्त रहा है। इस दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद कई योजनाओं का प्रभावशाली रिटर्न रहा है। इनमें से एक - मिराए एसेट हैंग सेंग टेक ईटीएफ एफओएफ टॉप परफॉर्मरर के रूप में उभरा है। इसने वित्तीय वर्ष 2025 में 102.63 प्रतिशत के चौंका देने वाला रिटर्न दिया है।

स्कीम की डिटेल

मिराए एसेट हैंग सेंग टेक ईटीएफ एफओएफ एक ओपन-एंडेड फंड-ऑफ-फंड स्कीम है, जो मुख्य रूप से मिराए एसेट हैंग सेंग टेक ईटीएफ की यूनिट में निवेश करती है। चालू वित्त वर्ष के पहले दिन 10,000 रुपये की मासिक एसआईपी 120.29 प्रतिशत के एक्सआरआर के साथ 1.84 लाख रुपये हो गई होगी। 1 अप्रैल, 2024 को किया गया 1 लाख रुपये का एकमुश्त निवेश अब 102.62 प्रतिशत की सीएजीआर के साथ 2.02 लाख रुपये हो गया होगा। वित्तीय वर्ष में अब तक, योजना के मैनेजमेंट के तहत संपत्ति में 42 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो अप्रैल 2024 में 72.50 करोड़ रुपये से बढ़कर फरवरी में 102.93 करोड़ रुपये (अंतिम उपलब्ध डेटा) हो गई है।

दिसंबर 2021 में हुई थी लॉन्चिंग- दिसंबर 2021 में लॉन्च की गई इस स्कीम को हैंग सेंग टेक ट्राई के मुकाबले बेंचमार्क किया गया है और इसका मैनेजमेंट एकता गाला और विशाल सिंह करते हैं।

2025 में 10 प्रतिशत तक बढ़ सकती है बिजली की अधिकतम मांग

भीषण गर्मी में एसी का इस्तेमाल बनेगा कारण

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत को इस साल गर्मी में बिजली की अधिकतम मांग के दौरान नौ से 10 प्रतिशत की वृद्धि के लिए तैयार रहना चाहिए। विशेषज्ञों ने देश में अत्यधिक गर्म हवाएं चलने की आशंका जताते हुए इस बारे में चेताया है। जानकारों का मानना है बढ़ती गर्मी के कारण एसी और वातानुकुल के दूसरे उपायों का इस्तेमाल बढ़ रहा है जिससे ऊर्जा की खपत लगातार बढ़ रही है।

पिछले साल अखिल भारतीय स्तर पर बिजली की अधिकतम मांग 30 मई को 250 गीगावाट को पार कर गई थी, जो अनुमान से 6.3 प्रतिशत अधिक थी। जानकारों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ी गर्मी बिजली की मांग को बढ़ाने वाला सबसे प्रमुख कारण है। वर्तमान में भारत की कुल बिजली खपत में उद्योगों, घरों और कृषि का योगदान क्रमशः 33 प्रतिशत, 28 प्रतिशत और 19 प्रतिशत है। दिल्ली स्थित थिंक टैंक काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर में सीनियर प्रोग्राम लीड - रिन्यूएबल्स दिशा अग्रवाल के अनुसार, पिछले एक दशक में घरेलू बिजली की मांग सबसे तेजी से बढ़ी है। घरेलू बिजली खपत का हिस्सा 2012-13 में 22 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 25 प्रतिशत हो गया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस वृद्धि का श्रेय आर्थिक विकास और बढ़ते तापमान के कारण एयरकंडीशन की बढ़ती खपत को दिया जा सकता है।

पिछले साल एसी की खरीद 40 से 50 प्रतिशत तक बढ़ी

अग्रवाल ने कहा कि 2024 की गर्मियों में रिकॉर्ड तोड़ तापमान के बीच रूम एयर कंडीशनर की बिक्री में सालाना आधार पर 40 से 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उन्होंने कहा,

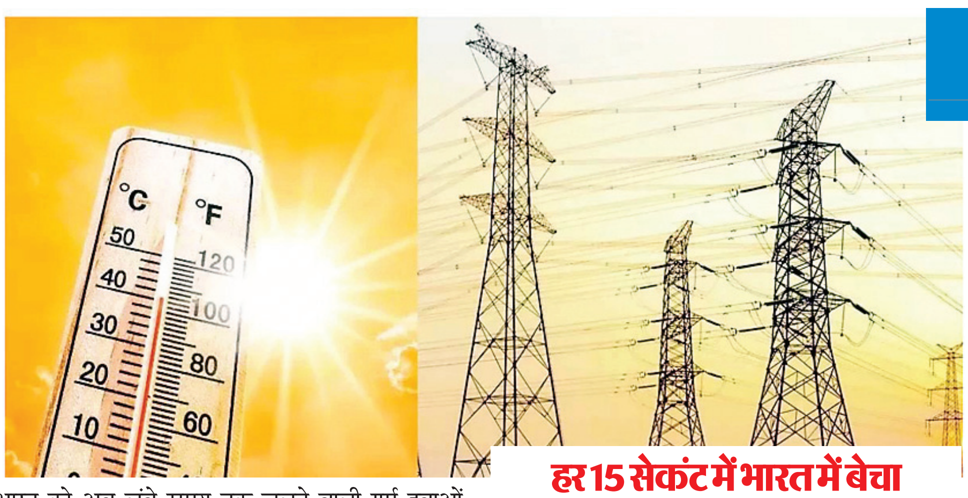

भारत को अब लंबे समय तक चलने वाली गर्म हवाओं और 9-10 प्रतिशत की अधिकतम बिजली मांग वृद्धि के लिए तैयार रहना होगा। हालांकि, हमारा विश्लेषण दर्शाता है कि यह अधिकतम मांग केवल कुछ समय तक ही रहेगी। अग्रवाल ने कहा कि भारत की बिजली खपत 2020-21 से सालाना करीब 9 फीसदी की दर से बढ़ रही है, जबकि पिछले दशक में यह 5 फीसदी सालाना के दर से बढ़ रही थी। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने अनुमान लगाया था कि 2022 से 2030 तक बिजली की मांग 6 फीसदी सालाना की दर से बढ़ेगी। पिछले सप्ताह नेचुरल रिसोर्सेज डिफेंस काउंसिल की ओर से आयोजित ग्लोबल हीट एंड कूलिंग फोरम में, विशेषज्ञों ने गर्मी के मौसम में तापमान में वृद्धि के कारण एयर कंडीशनिंग की बढ़ती मांग के बारे में चिंता जताई।

हर 15 सेकंट में भारत में बेचा जाता है एक एयर कंडीशनर

उन्होंने कहा, भारत वैश्विक स्तर पर एयर कंडीशनर का सबसे बड़ा बाजार बनने के लिए तैयार है। हर 15 सेकंड में भारत में एक एयर कंडीशनर बेचा जाता है। देश में एसी की पहुंच वर्तमान में लगभग 8 प्रतिशत है, जबकि विकसित देशों में यह 90 प्रतिशत है। झा ने कहा, भारत में एसी की पहुंच बढ़ने जा रही है। समस्या यह है कि इनमें से अधिकांश एयर कंडीशनर अत्यधिक ऊर्जा का इस्तेमाल करते हैं। इसमें थ्री स्टार, बिना स्टार या बिना ब्रांड वाले एसी भी शामिल हैं जो बहुत अधिक ऊर्जा की खपत करते हैं। यदि हम इसी राह पर चलते रहे, तो अधिकतम तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस तो भूल ही जाइए, 2 डिग्री सेल्सियस की भी वृद्धि संभव है।

पृथ्वी को नुकसान पहुंचाए बिना भी वातावरण को ठंडा रखना संभव

खोसला ने कहा कि पृथ्वी को नुकसान पहुंचाए बिना सभी के लिए वातानुकुलन की सुविधा प्राप्त करना संभव है। इसके लिए निष्क्रिय शीतलन विधियों, ऊर्जा दक्षता और हानिकारक रेफ्रिजरेंट गैसों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने पर ध्यान देने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि इन उपायों से शीतलन से जुड़े उत्सर्जन में 66 प्रतिशत की कमी आ सकती है। जबकि शेष कमी बिजली ग्रिड को डीकार्बोनाइज करने से आएगी। ऑक्सफोर्ड शोधकर्ता ने कहा कि वातानुकुलन केवल तापमान से जुड़ा नहीं है। इसमें आर्द्रता, वेंटिलेशन, रेडिएंट तापमान और कपड़ों का इन्सुलेशन भी शामिल है। उन्होंने कहा, समाधान केवल एक तकनीक को चालू करने से कहीं आगे की बात है।

पिछले साल देश में गर्मी के कारण आधिकारिक रूप से 143 मौतें दर्ज

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पिछले वर्ष भारत में असाधारण रूप से कठोर गर्मी पड़ी। 14 वर्षों में सबसे अधिक दिन हीटवेव चला।आधिकारिक आंकड़ों से पता चला है कि सबसे गर्म और सबसे लम्बी गर्मी की लहरों में से एक के दौरान, भारत में 41,789 संदिग्ध हीट स्ट्रोक के मामले सामने आए जिसमें गर्मी के कारण 143 मौतें दर्ज की गई। इस साल गर्मी पिछले साल से बहुत पहले आ गई। 2024 में ओडिशा में पहली बार 5 अप्रैल को गर्मी का प्रकोप देखने को मिला था। लेकिन 2025 में कोंकण और तटीय कर्नाटक के कुछ हिस्सों में 27-28 फरवरी को ही गर्मी का प्रकोप देखने को मिला। आईएमडी ने मार्च से मई तक चलने वाले ग्रीष्म ऋतु के दौरान देश के अधिकांश भागों में सामान्य से अधिक अधिकतम और न्यूनतम तापमान रहने का अनुमान लगाया है।

एसी में इस्तेमाल होने वाले ऊर्जा की मांग 2050 तक तीन गुना बढ़ेगी

कुछ साल पहले, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने अनुमान लगाया था कि 2050 तक एयर कंडीशनर्स से ऊर्जा की मांग तीन गुनी हो जाएगी। इसका मतलब होगा अगले 30 वर्षों तक हर सेकंड 10 नए एयर कंडीशनर की खपत बढ़ेगी। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में ऑक्सफोर्ड इंडिया सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट की अनुसंधान निदेशक ऋषिका खोसला ने कहा, इस इजाफ के बावजूद, 2050 तक दो से पांच अरब लोगों के पास एयर कंडीशनर तक पहुंच नहीं होगी। उन्होंने कहा कि चल रहे शोध से पता चला है कि पूर्व-औद्योगिक काल की तुलना में दो डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म दुनिया में एसी की सबसे अधिक मांग भारत से आएगी। इसके बाद चीन, नाइजीरिया, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, ब्राजील, फिलीपींस और अमेरिका का नंबर होगा।

प्राथमिकता क्षेत्र के 50 हजार तक के ऋण पर अधिक शुल्क न वसूलें बैंक

आरबीआई ने जारी किए दिशा-निर्देश

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने साफ किया है कि बैंक विशेष रूप से प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) श्रेणी के तहत छोटी ऋण राशियों पर अत्यधिक शुल्क नहीं लगा सकते हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि 50,000 रुपये तक के प्राथमिकता क्षेत्र के ऋणों पर कोई सेवा शुल्क या निरीक्षण शुल्क नहीं लगाया जाएगा। बैंक के इस कदम का मकसद छोटे उधारकर्ताओं को अनावश्यक वित्तीय बोझ से बचाना और उचित ऋण प्रथाओं को सुनिश्चित करना है।

आरबीआई ने पीएसएल से जुड़े नए दिशा-निर्देश जारी किए

भारतीय रिजर्व बैंक ने प्राथमिकता क्षेत्र ऋण पर जारी नए मास्टर निर्देश में यह बात कही है। ये निर्देश 1 अप्रैल, 2025 से लागू होंगे। इन दिशा-निर्देशों में केंद्रीय बैंक ने यह भी स्पष्ट किया है कि बैंकों की ओर से गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों से खरीदे गए सोने के आभूषणों के बदले लिए गए ऋणों को प्राथमिकता क्षेत्र ऋण श्रेणी के अंतर्गत नहीं माना जाएगा। इसका मतलब है कि बैंक ऐसे ऋणों को अपने पीएसएल लक्ष्यों के हिस्से के रूप में वर्गीकृत नहीं कर सकते। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्राथमिकता क्षेत्र के फंड उन क्षेत्रों की ओर निर्देशित हों जिन्हें वास्तव में वित्तीय सहायता की आवश्यकता है, जैसे कि छोटे व्यवसाय, कृषि और समाज के के कमजोर वर्ग। इसने कहा एनबीएफसी से बैंकों द्वारा खरीदे गए सोने के आभूषणों के बदले लिए गए ऋण प्राथमिकता क्षेत्र के दर्जे के लिए पात्र नहीं हैं।

रिजर्व बैंक अधिक कठोर निगरानी प्रणाली शुरू करेगा

आरबीआई ने यह भी आश्वासन दिया है कि पहले के पीएसएल दिशा-निर्देशों (2020 ढांचे) के तहत वर्गीकृत सभी ऋण अपनी परिपक्वता तक प्राथमिकता क्षेत्र श्रेणी के पात्र बने रहेंगे। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि पीएसएल लक्ष्यों के साथ बेहतर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, आरबीआई अधिक कठोर निगरानी प्रणाली शुरू करेगा। बैंकों को अब तिमाही और वार्षिक आधार पर अपने प्राथमिकता क्षेत्र के ऋणों से जुड़ा विस्तृत डेटा देना होगा।

8 में से 7 एक्सपर्ट्स ने कहा-सुजलॉन एनर्जी खरीदो

70 तक पहुंच सकता है शेयर का भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। तेवर, ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने सुजलॉन एनर्जी पर कवरेज शुरू करते हुए इसे बेलवेदर प्ले बताया है, जो भारत की विंड एनर्जी क्षमता को भुनाने की स्थिति में है। मोतीलाल ओसवाल समेत 8 में से 7 एनालिस्ट्स ने सुजलॉन पर क्ष्ब्ध् की सलाह दिया है। मौजूदा स्तर से 21 प्रतिशत की संभावित बढ़त का अनुमान है। मोतीलाल ओसवाल ने सुजलॉन का टार्गेट प्राइस 70 दिया है, जो सोमवार के क्लोजिंग प्राइस (57.9) से 21 प्रतिशत की संभावित बढ़त दर्शाता है।

सुजलॉन एनर्जी के शेयर आज सोमवार की तुलना में बढ़त के साथ खुले। आज एनएसई पर यह 58.46 रुपये पर खुला और जल्द ही 59.48 रुपये पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में इसमें 2 फीसद से अधिक की तेजी देखी जा रही थी। इसका 52 हफ्ते का हाई 86.04 रुपये और लो 36.80 रुपये है।

फाइनेंशियल ग्रोथ का अनुमान

ब्रोकरेज को यह भी उम्मीद है कि सुजलॉन के विंड टर्बाइन जेनरेशन सेगमेंट के लिए सकल मार्जिन वित्तीय वर्ष 2024 में 19.5 प्रतिशत से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2027 में 22 प्रतिशत हो जाएगा। मोतीलाल ओसवाल ने अनुमान लगाया कि वित्तीय वर्ष 2024-2027 के दौरान सुजलॉन का राजस्व, ब्याज, टैक्स, इबीआइटीडीए से पहले की कमाई और टैक्स के बाद समायोजित लाभ क्रमशः 51 प्रतिशत, 52 प्रतिशत और 63 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर वित्तीय वर्ष 2027 की पहली छमाही तक सुजलॉन पर कोई टैक्स लायबिलिटी होने की संभावना नहीं है। मोतीलाल ओसवाल ने कहा कि ऑर्डर बुक निष्पादन से परिचालन नकदी प्रवाह में भी वृद्धि होगी।

क्यों अच्छी है सुजलॉन की पोजीशनिंग

1. **भारत में विंड एनर्जी का बड़ा स्कोप-** भारत के रिन्यूएबल एनर्जी मिक्स में विंड एनर्जी की हिस्सेदारी मात्र 20 प्रतिशत है, जबकि अमेरिका/जर्मनी (39 प्रतिशत), चीन (33 प्रतिशत) और च (42 प्रतिशत) में यह काफी ज्यादा है। मोतीलाल का कहना है कि भारत में विंड एनर्जी के लिए अभी बड़ी गुंजाइश बाकी है।
2. **इंस्टॉलेशन टार्गेट बढ़ने की उम्मीद-** सुजलॉन का अनुमान है कि भारत में विंड इंस्टॉलेशन फाइनेंशियल ईयर 2025 में 4 जीडब्ल्यू, 2026 में 6 जीडब्ल्यू और 2027 से- सालाना 7-8 जीडब्ल्यू होने की उम्मीद है।
3. **मार्केट लीडरशिप-** सुजलॉन की 15 जीडब्ल्यू से ज्यादा इंस्टॉल्ड क्षमता है, जो सीमेंस गेमेसा (8.9 जीडब्ल्यू), वेस्टास (3.4 जीडब्ल्यू) और इनॉक्स (3.1 जीडब्ल्यू) से कहीं आगे है। ऑपरेशन्स एंड मेंटेनेंस सेगमेंट में मजबूत पकड़ के साथ रेनॉम एनर्जी सर्विसेज का अधिग्रहण कंपनी को और मजबूत बनाता है।

ओला और इस कंपनी के बीच हुआ सेटलमेंट

खबर के बाद ओला के शेयरों में तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड को लेकर अच्छी खबर आई है। देश की अग्रणी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर उत्पादन करने वाली कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने व्हीकल रजिस्ट्रेशन सर्विस प्रवाइडर रोजमेरटा ग्रुप के साथ अपने बकाया को सेटेल कर लिया है। इस खबर का असर कंपनी के शेयरों पर भी आज देखने को मिला है। बीएसई में आज यानी मंगलवार को कंपनी के शेयर 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ खुला है। इससे पहले सोमवार को कंपनी के शेयर 55.72 रुपये के लेवल पर बंद हुए थे।

रोजमेरटा ग्रुप ने अपनी याचिका को लिया वापस- एनएसएलटी बेंगलुरु में दाखिल की याचिका को वापस लेने का फैसला किया है। कंपनी की तरफ से जारी किए गए स्टेटमेंट के अनुसार 26.75 करोड़ रुपये के भुगतान के बाद अब अपनी याचिका को वापस ले रहा है। अब दोनों कंपनियों के बीच कोई एक्शन नहीं होगा। ओला इलेक्ट्रिक को 18 से 20 करोड़ रुपये का पेमेंट ना करने की वजह से कोर्ट में याचिका लगाई थी। बता दें, रोजमेरटा डिजिटल सर्विसेज लिमिटेड एक हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट और व्हीकल्स रजिस्ट्रेशन एजेंसी का काम करती है। बता दें, ओला इलेक्ट्रिक ने इससे पहले जारी किए गए बयान में कहा था कि वो कानूनी सलाह लेंगे।

इस साल 35 प्रतिशत टूटा है शेयर- इस मामले के सुलझने के बाद रोजमेरटा को बड़ी राहत दी है। कंपनी पहले ही सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्सन अथॉरिटी की जांच का सामना करना पड़ रहा है। एजेंसी ने 10,000 से अधिक दर्ज किए शिकायतों को लेकर अतिरिक्त दस्तावेज कंपनी से मांगे हैं। बीते एक हफ्ते में कंपनी के शेयरों का भाव 4 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। हालांकि, निवेशकों के लिए यह साल काफी कठिन रहा है। इस दौरान कंपनी के शेयरों का भाव 35 प्रतिशत टूटा है।

अमेरिका से व्यापार समझौते पर भारत को सतर्क रहने की जरूरत

जीटीआरआई की चेतावनी

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के दौरान भारत को सावधान रहना होगा, क्योंकि अमेरिका में फास्ट ट्रैक ट्रेड अथॉरिटी नहीं होने के कारण समझौते में किसी भी बड़े बदलाव के लिए कांग्रेस की मंजूरी लेने की जरूरत पड़ सकती है।

आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने दोनों देशों के बीच व्यापार पर वार्ता शुरू होने के खबरों के बीच यह बात कही है।

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिका की पोस्ट-एफटीए सर्टिफिकेशन प्रक्रिया के कारण, अमेरिका को किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद भी फिर से मोलभाव करने का मौका मिल जाता है। बातचीत के दौरान अमेरिकी अधिकारी भारत से घरेलू कानून में बदलाव, नियामकीय सुधार और नीतिगत बदलाव से जुड़े ऐसे मांग कर सकते हैं, जिससे देश की संप्रभुता प्रभावित हो सकती है।

उन्होंने कहा, भारत को अमेरिका से बातचीत में न केवल कूटनीतिक कौशल दिखाने की जरूरत है। इसके अलावे हमें अमेरिका की व्यापारिक नीतियों में मौजूद कानूनी असमानताओं से भी सतर्क रहना होगा।

अमेरिका से बातचीत क्यों है भारत के लिए चिंता की बात?

अमेरिका में फास्ट ट्रैक ट्रेड अथॉरिटी नामक प्राधिकरण 2021 से समाप्त हो चुका है। इसके कारण, अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से किए गए किसी भी व्यापार समझौते को कांग्रेस में संशोधन, टलने या अस्वीकृति का सामना करना पड़ सकता है। दूसरी ओर, किसी भी व्यापार समझौते में अमेरिका एकतरफा यह तय करता है कि समझौते के तहत भागीदार देश ने अपनी सभी शर्तें पूरी की हैं या नहीं। अमेरिकियों ने प्रक्रिया का अतीत में कई देशों पर अतिरिक्त शर्तें थोपने के लिए इस्तेमाल किया है। श्रीवास्तव ने कहा, ये दोनों कारण व्यापार समझौते से जुड़ी गंभीर अनिश्चितता पैदा करते हैं। अमेरिका समझौते में बाद में बदलाव कर सकता है या अतिरिक्त मांगें रख सकता है। ऐसे में भारत को एफटीए वार्ता में अत्यधिक सतर्क रहने की जरूरत है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से 2 अप्रैल से पारस्परिक टैरिफ लगाने की योजना के मद्देनजर, भारत और अमेरिका के अधिकारी बुधवार से व्यापार समझौते पर औपचारिक बातचीत शुरू कर रहे हैं।

12_16.12.2018 PAGE-04.qxd 25-03-2025 21:55 Page 1

अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत का खुलासा

महालेखाकार ने कई विभागों की गतिविधियों पर उठाये सवाल

- डाटा आपरेटरों की हो सकती है संलिप्तता
- आइपी एड्रेसों का किया जा रहा मिलान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। प्रदेश में एक बार फिर ठेकेदारों और अधिकारियों की मिलीभगत के एक बड़े मामले का खुलासा हुआ है। महालेखाकार की रिपोर्टों में इस तरह की बातें पहले भी आई हैं लेकिन इस बार खुलासा तकनीकी तौर पर बिलकुल नया है। झारखंड में एक-दो नहीं, लगभग एक दर्जन विभाग में एक ही तरीके से ठेके लूटे जाने से संबंधित खुलासे हुए हैं। महालेखाकार कार्यालय ने इन विभागों की संदिग्ध गतिविधियों पर सवाल उठाया है और संबंधित अधिकारियों से जवाब भी मांगा है।

जिन विभागों से बड़े टेंडर जारी हुए हैं और इसके लिए जिस कंप्यूटर का इस्तेमाल शर्तों के निर्धारण के लिए किया गया है, उसी कंप्यूटर के इस्तेमाल से कुछ सफल बिडर्स ने अपने फार्म भरे हैं और सफल भी हुए हैं। कुल मिलाकर इस प्रकार से ठेके हासिल करने के साथ-साथ ठेके लूट लिए जाने के आरोप भी सामने आए।

महालेखाकार की जांच में भी यह बात सामन आई कि कुछ कर्मियों की मदद से पूरे घटनाक्रम को अंजाम दिया गया है। संबंधित विभागों में चर्चा है कि डाटा ऑपरेटरों ने ही पूरे कांड को अंजाम दिया है।

दरअसल, दर्जनभर विभागों में जिस आइपी एड्रेस से विज्ञापन जारी हुए उसी आइपी एड्रेस से कुछ सफल बिडर्स ने फॉर्म भी भरे हैं।

झारखंड के प्रधान लेखाकार ने जैप आइटी के निदेशक को इसे संदर्भ में पत्र भी लिखा है और उनसे बिडर्स और विभाग की ओर से एक ही आइपी एड्रेस के इस्तेमाल को लेकर सवाल उठाए हैं।

महालेखाकार कार्यालय को विभागों से जवाब का इंतजार है। इन विभागों के सचिवों को पत्र लिखकर उनका पक्ष मांगा गया है। विभागों से पक्ष मिलते ही महालेखाकार की रिपोर्ट अंतिम रूप ले लेगी।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य विभाग, जल संसाधन विभाग, पंचायती राज विभाग, सड़क निर्माण विभाग, गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्पाद विभाग, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग।

ट्रेनों में होंगे बड़े बदलाव

रांची। यात्रियों को ट्रेनों में कंफर्म सीट मिले इसके लिए रेलवे ने कई ट्रेनों के कोच संयोजन में बदलाव किया है। हटिया-हावड़ा एक्सप्रेस और रांची-आनंद विहार टर्मिनल संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के कोच संयोजन में बदलाव करते हुए कोच की संख्या में बढ़ोतरी की है।

सामान्य श्रेणी के कोच की संख्या में बढ़ोतरी की है। जबकि द्वितीय श्रेणी स्लीपर के कोच की संख्या में कमी लाई गई है। हटिया हावड़ा में अब सामान्य श्रेणी के 04 कोच और द्वितीय श्रेणी स्लीपर के 06 कोच होंगे। जबकि संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में सामान्य श्रेणी के 04 कोच और द्वितीय श्रेणी स्लीपर के 07 कोच होंगे। जनरल कोच बढ़ने से स्लीपर कोच में भीड़ थोड़ी कम हो जाएगी। वहीं, टिकट की समस्या भी दूर हो जाएगी। बता दें कि रेलवे आए दिन यात्रियों की भीड़ को देखते हुए ट्रेन को मोडिफाय करने का काम कर रहा है।

मंईया सम्मान योजना को ले महिलाओं ने सुनायी आपबीती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग/कोडरमा। हजारीबाग जिले के टाटीझरिया प्रखंड क्षेत्र के सैकड़ों महिलाओं के बीच मंईयां सम्मान योजना के 3 माह की 7500 रुपये की राशि नहीं मिलने से सरकार के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

प्रतिदिन सैकड़ों महिलाएं प्रखंड मुख्यालय आकर राशि नहीं मिलने की जानकारी ले रही हैं। इनमें कुछ महिलाएं अपने दूधमुंहे बच्चे को लेकर यातायात की गंभीर समस्या होने के बावजूद भी प्रखंड कार्यालय का चक्कर काटने को विवश हो रही है। उन्हें प्रखंड कार्यालय से कुछ समाधान नहीं मिल पा रहा है।

इस कारण महिलाओं में सरकार के प्रति आक्रोश गहराता जा रहा है। इसके अलावे बैंक खाते को आधार कार्ड से लिंक व डीबीटी करवाने के लिए बैंको में भी महिलाओं की भीड़ उमड़ रही है।

मंगलवार को टाटीझरिया प्रखंड मुख्यालय में सैकड़ों महिलाएं पहुंची। काफी महिलाएं 10 से 15 किलोमीटर दूरी तय कर पैदल प्रखंड मुख्यालय पहुंची थी।

प्रखंड मुख्यालय में पहुंची दर्जनों महिलाओं ने बताया कि उन्हें महज वोट बैंक के रूप में प्रलोभन देकर वोट लिया और बीच मझधार में छोड़ दिया।

महिलाओं ने कहा कि झारखंड की महिलाओं के साथ यह अन्याय हो रहा है। निकट भविष्य में मंईयां योजना से वंचित महिलाएं सरकार को कड़े तरीके से जवाब देंगे।

मंईयां सम्मान योजना को ले जयनगर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर स्थगित

जयनगर (कोडरमा) में जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग के तत्वावधान में विभिन्न पेंशन के अलावे मंईयां सम्मान योजना से संबंधित तकनीकी समस्याओं तथा उसके निराकरण को लेकर मंगलवार को जयनगर प्रखंड मुख्यालय में आयोजित प्रशिक्षण शिविर अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया।

कार्यक्रम स्थगित होने की सूचना जयनगर प्रखंड के विभिन्न इलाकों में नहीं पहुंच पाई जिसके कारण मंगलवार को काफी संख्या में मंईयां सम्मान योजना की लाभुक महिलाएं प्रखंड मुख्यालय पहुंची।

जब महिलाओं को यह पता लगा के आज का प्रशिक्षण शिविर स्थगित कर दिया गया है तो महिलाओं में काफी नाराजगी दिखी। दूर दराज से आई महिलाएं काफी निराश दिखी। महिलाएं प्रज्ञा केंद्र में भी काफी परेशान दिखी। अपने कागजातों की फोटो कराने के लिए भी इधर-उधर भागती फिरती दिखी। कई महिलाएं अपने छोटे छोटे बच्चों को लेकर आई थीं, जिन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

भ्रष्टाचारियों पर सख्त लगाम लगायेगी सरकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। 100 करोड़ से अधिक के राजस्व हानि के आरोप की जांच गठित होने के बावजूद जमशेदपुर, हजारीबाग और चाईबासा में तैनात निबंधन सेवा के छह पदाधिकारियों को निलंबित करने की मांग धनबाद के भाजपा विधायक राज सिन्हा ने ध्यानाकर्षण सूचना के माध्यम से उठाई।

मंत्री रामदास सोरेन ने स्पष्ट कहा कि उन्होंने धनबाद के उपायुक्त से इस संदर्भ में बात की है। इस मामले में 15 दिनों में रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। रिपोर्ट आते ही सरकार कठोरतम कार्रवाई करेगी।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की ओर से तत्काल कार्रवाई की मांग पर संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बोला कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टीलरेंस नीति पर काम कर रही है।

उपायुक्तों की रिपोर्ट मिलने के तत्काल बाद सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

विधायक राज सिन्हा ने 12 जुलाई 2023 के धनबाद उपायुक्त के पत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि संतोष कुमार, जिला अवर निबंधक और श्वेता कुमारी, सहायक निबंधन महानिरीक्षक एवं सुजीत कुमार, तत्कालीन अवर निबंधक, धनबाद सह तत्कालीन जिला अवर निबंधक के खिलाफ विभागीय कार्यवाही हुई।

इसके अलावा, हिनू सहित अशोक कुमार सिन्हा, जिला अवर निबंधक, चाईबासा, राम कुमार मधेशिया, अवर निबंधक, जमशेदपुर एवं राजेश एक्का, जिला अवर निबंधक, हजारीबाग के खिलाफ विभागीय कार्यवाही हुई।

इसी तरह कई अन्य निबंधन सेवा के पदाधिकारियों के विरूद्ध गंभीर आरोप गठित होने के बावजूद सरकार ने उक्त पदाधिकारियों पर आवश्यक कार्रवाई नहीं की। सभी महत्वपूर्ण पदों पर पदस्थापित होकर काम कर रहे हैं।

वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक का किया विरोध

रांची। वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पर राज्य सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डा. इरफान अंसारी ने घोर आपत्ति जताई है। उन्होंने इसे जानबूझकर थोपा गया निर्णय बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार इस विधेयक के माध्यम से वक्फ बोर्ड की शक्तियों को सीमित करने का षड्यंत्र कर रही है, जो स्वीकार्य नहीं है।

विधानसभा परिसर में मीडिया से बातचीत में मंत्री ने कहा कि वक्फ अधिनियम में 40 संशोधनों का प्रस्ताव पारित किया गया है, जिससे वक्फ बोर्ड की अनियंत्रित शक्तियां कम हो जाएंगी। अब बोर्ड किसी भी संपत्ति पर बिना सत्यापन आधिपत्य घोषित नहीं कर सकेगा।

यह समुदाय के अधिकारों को कमजोर करने का प्रयास है, जिसका वे घोर विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि अपनी भावनाओं से उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य को अवगत करा दिया है। झारखंड विधानसभा का बजट सत्र चलने के कारण वे पटना में हो रही बैठक में भाग नहीं ले पा रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी से झोला छाप चिकित्सकों में हड़कम्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सरायकेला। स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की जिला स्तरीय उड़न दस्ता छापेमारी दल ने चांडिल एवं नीमडीह प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी अभियान चलाया।

छापेमारी दल का नेतृत्व जिला के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. जुझार माझी कर रहे थे। छापेमारी के दौरान दर्जन भर क्लीनिक बिना निबंधन और योग्य चिकित्सक के संचालित होने की बात सामने आई।

पिछले पांच वर्षों में इस जिले में 75 झोलाछाप चिकित्सकों के विरुद्ध कार्रवाई हुई है, 40 अवैध रूप से संचालित क्लीनिक को स्थाई रूप से बंद कराया गया है।

छापेमारी अभियान की शुरूआत चांडिल के चीलगू क्षेत्र से की गई। चीलगू में ममता क्लीनिक, महतो पॉली क्लीनिक एवं शिव- दुर्गा क्लीनिक का निरीक्षण किया गया। ममता क्लीनिक एवं महतो पॉली क्लीनिक निबंधित पाई गई, जबकि शिव दुर्गा क्लीनिक में अनियमितताएं देखने को मिली है। क्लीनिक बिना निबंधन के संचालन करते पाया गया एवं बिना किसी फार्मासिस्ट के दवाइयां बिक्री करते पाया गया।जिसके बाद दल द्वारा चांडिल के घोड़ानेगी में स्थित जीवनदीप क्लीनिक का निरीक्षण किया गया। जीवनदीप क्लीनिक भी निबंधित एवं सामान्य पाई गई।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नीमडीह प्रखंड के अंतर्गत गोपी मेडिकल स्टोर एंड क्लीनिक रघुनाथपुर, गांधी सेवा सदन क्लीनिक आदरडीह, सुधीर कुमार प्रसाद क्लीनिक समनपुर, गोविंद क्लीनिक चालियामा, लक्ष्मी मेडिकल स्टोर चालियामा तथा डॉक्टर अरुण चंद्र गोराई क्लीनिक, चालियामा में दल द्वारा निरीक्षण किया गया।

बिना निबंधन और योग्य चिकित्सक के संचालित हो रहे कई क्लिनिक

उक्त सभी क्लीनिक में कोई योग्य चिकित्सक नहीं पाए गए, बिना निबंधन के सभी क्लीनिक संचालित पाई गई। जिस पर क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत कार्रवाई करने की बात कही गई।डॉ. जुझार माझी ने बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान लोगों में खौफ का माहौल था। सामान्य बीमारियों का इलाज कराने में भी विभाग को काफी परेशानियां आई थी। परिणाम स्वरूप झोलाछाप चिकित्सक आपदा को अवसर बना कर पनपने लगे।

क्षेत्र में मनमानी तरीके से झोलाछाप डॉक्टरों के गलत इलाज के कारण लोगों में कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं देखने को मिल रही है। एस्टेरॉइड एवं हायर एंटीबायोटिक मेडिसिन के अंधाधुंध उपयोग से इम्युन सिस्टम पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

लोगों में रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी देखी जा रही है, छोटी -छोटी बीमारियां जो सामान्य दवाईयों से ठीक हो जाती थी, अब गम्भीर बीमारियां बनती जा रही है। इसका प्रमुख कारण है अप्रशिक्षित झोलाछाप चिकित्सक के द्वारा बिना किसी मापदंड के दवाईयों का डोज निर्धारित कर रोगियों को उपलब्ध कराना।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समय रहते हमें स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार लाना है। आर.एम.पी. चिकित्सकों को दायरे में रहकर चिकित्सा सेवा प्रदान करना होगा, उन्हें किसी निबंधित डिग्रीधारी चिकित्सक के परामर्श से ही सहयोगी बन कर चिकित्सा सेवा प्रदान करना है न कि मनमानी ढंग से।

किसी भी हालत में अवैध और मनमानी चिकित्सा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चिकित्सा सेवा गाइडलाइन को फॉलो करते हुए देना होगा। उन्होंने बताया कि क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट राज्य में लागू होने से काफी हद तक इस मामले में सुधार हुआ है।

अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.माझी ने बातचीत के क्रम में लोगों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी परिस्थिति में झोलाछाप चिकित्सकों के झांसे में नहीं आएं। छोटी-बड़ी जैसी भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हों, आप अपने निकट के सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों में जरूर जाएं । सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पहले की अपेक्षा अब काफी ज्यादा दुरूस्त है।

भाजपा को लग सकता है झटका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड के बरलंगा थाना क्षेत्र अंतर्गत अपने पैतृक आवास नेमरा गांव पहुंचे।

मुख्यमंत्री हेलीकाप्टर से अपराह्न में नेमरा पहंचे थे। मुख्यमंत्री के पहुंचते ही रामगढ़ जिला पुलिस ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

इसके बाद सीधे अपने आवास पहुंचे।घर पहुंचने के बाद अपने कुल देवता पर माथा टेक आशीर्वाद लिया। ग्रामीणों ने गाजेझबाजे के साथ अपने पैतृक आवास से सीएम को पूजा स्थल जाहेर स्थान लाया गया।

यहां पूर्व से पहुंचे उनके अपने सगे सम्बंधी, परिवार के लोगों से मिले। इसके बाद सीधे सीएम संथाली पहनावा के साथ जाहेर ग्राम पर ग्राम देवता की पूजाझअर्चना की गई।

यहां ग्रामीणों के भारी संख्या मे महिलाएं अपने माथे पर लोटा मे पानी के साथ साथ फूल और आम का पता लिए हेमंत सोरेन का स्वागत किया। इसके बाद सीएम बाहा पूजा मे शामिल हुए। मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बाहा पूजा व सरहुल पर्व झारखंड के आदिवासियों का मुख्य त्योहार है।

दोनों पर्व के उपलक्ष्य मे देशवासियों व राज्यवासियों को बधाई देता हूं। सीएम ने आदिवासी समाज की महिलाओं के साथ सरहुल त्योहार भी मनाया एवं उनके साथ नाचकर ढोल नगाडे बजाए।

सीता सोरेन के झामुमो में शामिल होने के लगाये जा रहे कयास

विधायक ममता देवी भी कार्यक्रम मे शामिल हुई। बाहा पूजा के मौके पर ममता देवी ने कहा कि बाहा व हरहुल पर्व की राज्यवासियों को बधाई देता हूं।

वहीं गांडेय विधायक व मुख्यमंत्री की पत्नी कल्पना सोरेन, जामा की पूर्व विधायक सीता सोरेन, सीएम की मां रुपी सोरेन, रेखा सोरेन आदि मौजूद थे।

सोरेन परिवार से अलग होकर भाजपा में शामिल हुईं सीता सोरेन झामुमो में फिर से शामिल हो सकती हैं। इसका संकेत आज नेमरा गांव में बाहा पूजा अनुष्ठान के दौरान मिला है।

पिछले दो साल के अंतराल में सीता सोरेन हेमंत सोरेन से दूरी बनाकर रह थीं। इस दौरान एक बार भी सीता सोरेन मुख्यमंत्री के किसी भी पारिवारिक कार्यक्रम में नेमरा नहीं आईं।

लगातार हेमंत सोरेन व झामुमो के खिलाफ आग उगलती रहीं। लेकिन आज मुख्यमंत्री व उनके परिवार के साथ ही बाहा पूजा में शामिल होने नेमरा पहुंची।

इस दौरान सीता सोरेन के फिर से झामुमो में शामिल होने की चर्चा होती रही। मौके पर

मुख्यमंत्री की चचेरी बहन व जिला परिषद सदस्य रेखा सोरेन ने कहा कि परिवार में सीता सोरेन के साथ दूरी थी, वह खत्म हो गया है। जल्द ही सीता सोरेन बीजेपी छोड़कर झामुमो में शामिल होंगी। पार्टी के लिए सक्रिय होकर काम करेंगी।

रैयत हो रहे परेशान

लोहरदगा। कुडू नवाटोली से लातेहार के उदयपुरा तक राष्ट्रीय उच्च मार्ग-39 में फोरलेन निर्माण कार्य में कुडू मौजा के रैयतों की भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। वैसे रैयतों के पास बैंककर्मी बनकर रैयतों से जमीन का पेपर, चेक, मोबाइल नंबर और फोन का ओटीपी मांगा जा रहा है।आधा दर्जन रैयत सीओ से मिलने पहुंचे और आवेदन देकर मामले की जानकारी दी। फोरलेन सड़क निर्माण के लिए कुडू मौजा के नावाटोली, कुडू, जामुन टोला और अन्य स्थानों का जमीन अधिग्रहण करने की प्रक्रिया चल रही है। अंचल कार्यालय, एनएचएआई और जिला भू-अर्जन कार्यालय द्वारा अधिग्रहित होने वाले जमीन के रैयतों से जमीन के पेपर और अन्य कागजात जमा कराया जा रहा है। इसकी जानकारी जालसाजों को हो गई है। जालसाज और साइबर ठग जमीन रैयतों से ठगी को लेकर एक से बढ़कर एक हथकंडा अपना रहे हैं। दो दिनों से कुडू नवाटोली के रैयतों सोमरा उरांव, तेंबू उरांव, संतोष उरांव, पार्वती उरांव और अन्य के पास बैंककर्मी बनकर फोन करते हुए जमीन का पेपर, चेक मांगा जा रहा है।

न्यायालय के आदेश पर सरकार देगी निजी कंपनियों में आरक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राज्य सरकार झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश आने के बाद ही निजी क्षेत्रों में 75 प्रतिशत आरक्षण से संबंधित कानून लागू करेगी।

कोर्ट के आदेश आने के बाद ही राज्य सरकार तय करेगी कि कोर्ट के आदेश का अनुपालन कराया जाए या आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी जाए।

श्रम, नियोजन एवं प्रशिक्षण मंत्री संजय प्रसाद यादव ने मंगलवार को विधानसभा में जेएलकेएम के विधायक जयराम महतो के सवाल पर इसे स्पष्ट किया।

उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय ने 11 दिसंबर 2024 को पारित अपने आदेश में 'झारखंड राज्य के निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन अधिनियम, 2021' के अनुपालन पर अंतरिम रोक लगाई गई है। इस मामले में अगली सुनवाई बुधवार को होनी है।

विधायक ने सरकार से पूछा कि कोर्ट में सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से जवाब देने की क्या तैयारी है? यदि कोर्ट का कोई नकारात्मक आदेश आता है तो आगे की सरकार की क्या कार्य योजना है?

इसपर मंत्री ने कहा कि जबतक न्यायालय का आदेश नहीं आ जाता तबतक इसपर कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा। कोर्ट के आदेश आने के बाद राज्य हित में निर्णय लिया जाएगा।

विधायक ने यह भी पूछा था कि सरकार आउटसोर्सिंग कंपनियों को निजी कंपनी मानती है या नहीं? आउटसोर्सिंग कंपनियां पर यह कानून लागू है या नहीं। जवाब में मंत्री ने यहां भी कहा कि मामला कोर्ट में है।

हालांकि, कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने स्पष्ट किया कि आउटसोर्सिंग कंपनियों पर भी यह कानून लागू है।

उनके अनुसार, निजी कंपनियों को कानून लागू होने के तीन वर्ष के भीतर 75 प्रतिशत पदों पर स्थानीय युवाओं को समायोजित करना था। कानून लागू हुए एक वर्ष ही हुआ था कि इसपर अंतरिम रोक लग गई। तीन वर्ष लागू होता तो कंपनियों को समायोजित करना पड़ता। जयराम ने कहा कि कोर्ट के आदेश के पहले भी झारखंड की निजी कंपनियों में जिन्हें नौकरी मिली, उनमें 53 हजार ही झारखंड के हैं। दो लाख दूसरे राज्यों के हैं। इस तरह लगभग 21 प्रतिशत ही आरक्षण मिल सका।

भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने सरकार से स्पष्ट रूप से बताने को कहा कि आउटसोर्सिंग कंपनियों में 75 प्रतिशत आरक्षण सरकार देगी या नहीं? कहा कि सरकार ने निजी क्षेत्रों में 75 प्रतिशत आरक्षण देने का ढोल पीटा।

महंगी हो सकती है बिजली

अप्रैल माह में ही फैसले की संभावना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड द्वारा टैरिफ दर बढ़ाने से संबंधित लाए गए प्रस्ताव पर अप्रैल माह में कभी भी फैसला आ जाएगा।

इसका संकेत गिधनी में जन-सुनवाई के उपरांत झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग के विधि सदस्य महेंद्र प्रसाद ने दी।

उन्होंने कहा कि आयोग सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर ही कोई निर्णय तक पहुंचेगी ताकि उपभोक्ता भी बेहतर तरीके से विद्युत का उपयोग कर सके और कंपनी भी चलना चाहिए। आयोग इस बात का ध्यान रखता है कि कोई अनावश्यक वृद्धि ना करें और किसी को इतना कम नहीं मिले कि कंपनी ही गायब हो जाए।

तकनीकी सदस्य अतुल कुमार ने कहा कि आयोग पूरी गंभीरता से इसका अध्ययन करेगी। आयोग का

काम है उपभोक्ताओं को सस्ती दर पर अच्छी बिजली उपलब्ध हो, इसको ध्यान में रखकर ही टैरिफ का निर्धारण करती है।

इनका काम है मांग मांगना है, कमिशन समीक्षा करने के बाद देने लायक मांग को ही देती है। काम जिस बेहतर तरीके से होनी चाहिए, उस स्तर की हो नहीं रही है।

विद्युत चोरी को रोकने की दिशा में कारगर कदम उठाना चाहिए। कंपनी का मूल सिद्धांत खर्च को कम कर राजस्व को बढ़ाने पर काम करने की जरूरत है। कंपनी में मैन पावर की कमी से इनकार नहीं किया जा सकता है।

शिकायत को सही तरीके से निष्पादन नहीं किया जाएगा। आयोग पेनाल्टी लगा सकती है, इससे बचें। टैरिफ बढ़ाने हर समस्या का समाधान नहीं है।

जानकारी हो कि 30 फीसदी से अधिक टैरिफ बढ़ाने का प्रस्ताव निगम ने दिया है।

पेपर लीक मामले में पुलिस के आठ जवान गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) के अधीन संचालित संयुक्त स्नातक स्तरीय (सीजीएल) परीक्षा के पेपर लीक मामले की जांच कर रही सीआइडी ने आठ संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपितों में झारखंड पुलिस की इंडियन रिजर्व बटालियन-8 गोड्डा के पांच जवान, असम राइफल का एक जवान, गृह रक्षा वाहिनी का एक जवान व असम राइफल के जवान का भतीजा शामिल है। पेपर लीक मामले का कथित मास्टरमाइंड गोरखपुर का निवासी है, जिसकी तलाश जारी है।

अपराध अनुसंधान विभाग (सीआइडी) ने जारी प्रेस बयान में बताया है कि 21 सितंबर 2024 व 22 सितंबर 2024 को राज्य के सभी जिलों में जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा तीन पालियों में आयोजित की गई थी।

सीजीएल परीक्षा के पेपर में कथित धोखाधड़ी व सीजीएल परीक्षा के उम्मीदवारों के साथ धोखाधड़ी व दिग्भ्रमित करके प्रश्नपत्र देने के नाम पर धन उगाही का मामला सामने आया।

सीआइडी ने एक जनवरी को प्राथमिकी दर्ज की थी। अनुसंधान के क्रम में पता चला कि परीक्षा के पूर्व ही एक गिरोह के सदस्यों

ने अभ्यर्थियों को सीजीएल के प्रश्नों को देने के नाम पर धन की उगाही की है।

इसमें आमजन में सीजीएल प्रश्न पत्र लीक के संबंध में अफवाह व सुगबुगाहट शुरू हो गई थी। अनुसंधान के क्रम में ही यह खुलासा हुआ है कि इस गिरोह का तथाकथित सरगना गोरखपुर का निवासी है।

इसके बाद ही इस कांड के अप्राथमिकी आठ अभियुक्तों को सीआइडी ने सोमवार को गिरफ्तार किया। हालांकि, सीआइडी आगे यह भी कहती है कि अब तक प्रत्यक्ष एवं भौतिक रूप से सीजीएल पेपर के मूल प्रश्न पत्र लीक होने के साक्ष्य नहीं मिले हैं। कांड में आगे के अनुसंधान जारी है।

टैरिफ बढ़ाने का हुआ विरोध

देवघर। विभिन्न व्यवसायिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने एक स्वर में टैरिफ बढ़ाने का विरोध किया। कहा पहले सर्विस ठीक करें, फिर बढ़ाने की सोचें। इस दौरान बारी-बारी से लोगों ने अपनी बातों को रखा और आठ रुपये तक टैरिफ बढ़ाने का विरोध किया।

प्रो. उदय प्रकाश ने विरोध करते हुए कहा कि विद्युत विभाग बांस-बल्ले के सहारे बिजली का इस्तेमाल कर रहे लोगों की परेशानी दूर करें। वहीं उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाने से पहले उपभोक्ताओं को विश्वास दिलाने की जरूरत है।

मीटर का झूठे जांच कर उपभोक्ताओं को परेशानी नहीं किया जाना चाहिए।

सार्वजनिक अधिसूचना

रेलवे सुरक्षा आयुक्त, दक्षिण पूर्व सर्किल
दिनांक 27.03.2025, 28.03.2025 और 29.03.2025 को आद्रा मंडल के पुरुलिया-कोटशिला स्टेशनों के बीच नवनिर्मित दोहरी लाइन का निरीक्षण करेंगे

एतदद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त, दक्षिण पूर्व सर्किल, कोलकाता **दिनांक 27.03.2025, 28.03.2025 और 29.03.2025 को** आद्रा मंडल के पुरुलिया-कोटशिला स्टेशनों के बीच नवनिर्मित दोहरी लाइन का उद्घाटन हेतु निरीक्षण करेंगे। **दिनांक 29.03.2025 को** इंस्पेक्शन स्पेशल, मोटर ट्रॉली, पुश ट्रॉली आदि द्वारा आवश्यक निरीक्षण किया जाएगा तथा इंस्पेक्शन स्पेशल द्वारा स्पीड ट्रायल किया जाएगा।

सड़क उपयोगकर्ताओं, स्थानीय नागरिकों और अन्य उपयोगकर्ताओं को यह सलाह दी जाती है कि वे इस अधिसूचना को ध्यान में रखें और लाइन पार करते समय पर्याप्त सुरक्षा सावधानी बरतें और अतिक्रमण से बचें।

(PR-1273) **मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), गार्डन रीच**

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

लखनऊ की खराब गेंदबाजी की वजह, चार तेज गेंदबाज चोटिल

एनसीए से फिटनेस सर्टिफिकेट का कर रहे इंतजार

लखनऊ, एजेंसी

आईपीएल 2025 में लखनऊ की टीम का आगाज हार के साथ हुआ है। दिल्ली कैपिटल्स ने रोमांचक मुकाबले में लखनऊ को एक विकेट से हरा दिया। लखनऊ की टीम ने 209 रन बनाए थे और इसके बाद दिल्ली के सात रन पर तीन विकेट भी गिरा दिए थे। हालांकि, गेंदबाजों के पास अनुभव की कमी की वजह से डेथ ओवरों में लखनऊ को खूब मार पड़ी। आशुतोष शर्मा और विपराज निगम ने खूब रन बटोरे और लखनऊ को मैच से दूर कर दिया। लखनऊ की टीम मेगा नीलामी के बेहद संतुलित दिख रही थी और उसके पास भारत के कुछ बेहतरीन पेसर्स की चौकड़ी थी। हालांकि, टूर्नामेंट शुरू होने से पहले चारों चोटिल हो गए और लखनऊ को अब इसका नुकसान हो रहा है।

लखनऊ के ये चार गेंदबाज हैं चोटिल

लखनऊ की टीम को आईपीएल के नए सत्र से पहले ही करारा झटका लगा था। टीम के कम से कम चार तेज बाद गेंदबाज आवेश खान, मयंक यादव, मोहसिन खान और आकाशदीप चोटिल हो गए। ये सभी खिलाड़ी फिलहाल एनसीए में हैं और रिहैब में हैं। वे एनसीए से फिट सर्टिफिकेट मिलने का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में लखनऊ को सोमवार को अन्य गेंदबाजों के साथ खेलना पड़ा। शार्दुल ठाकुर, प्रिंस यादव, दिग्वेश और एम सिद्धार्थ के साथ टीम को उतरना पड़ा। शार्दुल ने पहले ही ओवर में दो विकेट लेकर लखनऊ की टीम को अच्छी शुरुआत भी दिलाई, लेकिन डेथ ओवरों में उनके वेरिएशन का जादू नहीं चला। प्रिंस के पास तेजी तो दिखी, लेकिन अनुभव की कमी की वजह से वह गलत लाइन पर गेंदबाजी करते रहे।

209 रन का बचाव नहीं कर पाए लखनऊ के गेंदबाज

ये गेंदबाज दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सत्र के अपने पहले मैच में अच्छी शुरुआत करने के बावजूद 209 रन के स्कोर का बचाव नहीं कर पाए। इस मैच में ओस ने भी अपनी भूमिका निभाई। क्लूसनर ने मैच के बाद कहा, %अभी हमारे पास गेंदबाजी में बहुत अधिक विकल्प नहीं हैं। जब तक हमारे खिलाड़ी चोट से उबरकर वापसी नहीं करते हैं तब तक हमें अपने वैकल्पिक खिलाड़ियों से ही काम चलाना होगा।

बल्लेबाजों को निभानी होगी महत्वपूर्ण भूमिका

उन्होंने कहा, लेकिन यही इस खेल की प्रकृति है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हैदराबाद में होने वाले अगले मैच में हमारे बल्लेबाजों को इस मैच की तरह महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। क्लूसनर ने कहा, हम इसके लिए तैयार हैं लेकिन जैसा मैंने कहा कि इससे कुछ युवा खिलाड़ियों को मौका मिल रहा है। शार्दुल ठाकुर ने पहले ओवर में ही दो विकेट लिए जिससे वास्तव में मुझे काफी खुशी मिली।

मैच में क्या हुआ

मैच की बात करें तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 209 रन बनाए। मिचेल मार्श ने 36 गेंद में छह चौके और छह छक्के की मदद से 72 रन की पारी खेली। वहीं, निकोलस पूरन ने 30 गेंद में छह चौके और सात छक्के की मदद से 75 रन की पारी खेली। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 19.3 ओवर में नौ विकेट खोकर 211 रन बनाए और एक विकेट से मुकाबला जीत लिया। आशुतोष ने 31 गेंद में 66 रन की नाबाद पारी खेली। इसके अलावा विपराज निगम ने 15 गेंद में पांच चौके और दो छक्के की मदद से 39 रन बनाए, जबकि फाफ डुप्लेसिस ने 29 रन और कप्तान अक्षर पटेल ने 22 रन की पारी खेली।

मैच हारने के बाद लखनऊ के मालिक गोयनका से बात करते दिखे कप्तान पंत

विशाखापत्तनम

आशुतोष शर्मा की तूफानी बैटिंग की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने सोमवार को खेले गए मैच में लखनऊ सुपर जाएंट्स को एक विकेट से हरा दिया। 210 रन के लक्ष्य को दिल्ली ने तीन गेंद शेष रहते हासिल किया। आशुतोष ने 31 गेंद में 66 रन की पारी खेली। लखनऊ की हार के बाद एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत को मुख्य कोच जस्टिन लैंगर और मालिक संजीव गोयनका के साथ गहन बातचीत करते देखा गया।

इसके बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। फैंस इस पल को लखनऊ के पूर्व कप्तान केएल राहुल के साथ हुई घटना से जोड़कर देखने लगे। दरअसल, पिछले साल आईपीएल में लखनऊ की एक हार के बाद गोयनका बीच मैदान में राहुल को फटकार लगाते दिखे थे। इसके बाद फ्रेंचाइजी ने राहुल को रिलीज कर दिया था और दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत को रिकॉर्ड दाम पर खरीदकर कप्तान बनाया था। संयोगवश राहुल अब दिल्ली की टीम में हैं। गोयनका और पंत की बातचीत पर कई मीम्स वायरल हो रहे हैं।

श्रीलंका की अदालत ने मैच फिक्सिंग मामले में भारतीय को सुनाई 4 साल की सजा

कोलंबो – श्रीलंका की एक अदालत ने एक भारतीय नागरिक को क्रिकेट मैच फिक्सिंग के 2024 के एक मामले में मंगलवार को चार साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। योगी पटेल पर कैंडी में खेले गए लीजेंड्स लीग टी 20 टूर्नामेंट में मैच फिक्स करने की पेशकश के आरोप लगे थे। उस पर श्रीलंका की चयन समिति के अध्यक्ष उपुल थरंगा की शिकायत के आधार पर आरोप लगाए गए थे।

पटेल पर अदालत द्वारा यात्रा प्रतिबंध के बावजूद देश से भाग जाने के कारण उसकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया गया था। उसे पिछले साल मार्च में गिरफ्तार किया गया था और बाद में कड़ी शर्तों के तहत मई में जमानत पर रिहा कर दिया गया था। श्रीलंका ने 2019 में खेल संबंधी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम को अपनाया, जिसमें 10 साल तक की जेल की सजा और 5,50,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक का जुर्माना लगाए जाने का प्रावधान है।

इंपैक्ट प्लेयर नियम पर बोल महेंद्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या ने उलट दिया यह बयान

नई दिल्ली – भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी जब इम्पैक्ट प्लेयर नियम को पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लागू किया गया तो वह इसकी जरूरत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं थे लेकिन अब वह इसे टी20 क्रिकेट के विकास के एक हिस्से के रूप में देखते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स का यह 43 वर्षीय करिश्माई क्रिकेटर हालांकि खुद को इंपैक्ट प्लेयर नहीं मानते हैं क्योंकि वह अब भी अपनी टीम के पहली पसंद के विकेटकीपर हैं।

धोनी ने कहा, 'जब पहली बार यह नियम लागू किया गया तो मुझे लगा कि वास्तव में इसकी जरूरत नहीं है। कुछ हद तक इसने मेरी मदद की और नहीं भी की। मैं अभी विकेटकीपिंग कर रहा हूं इसलिए मैं इंपैक्ट प्लेयर नहीं हूं। मुझे इसके अनुसार ही आगे बढ़ना होगा। कई लोगों का कहना है कि इस नियम के कारण बड़े स्कोर बन रहे हैं लेकिन मेरा मानना है कि खिलाड़ियों की सहज होकर खेलने से ऐसा हो रहा है।

इस नियम की भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा और स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ियों ने आलोचना की है। इन दोनों का मानना है कि इससे ऑल राउंडर प्रभावित हो रहे हैं क्योंकि टीम इंपैक्ट प्लेयर की भूमिका के लिए आक्रामक बल्लेबाजों को चुन रही हैं।

धोनी ने कहा कि इस नियम से टीमों को कड़ी परिस्थितियों में एक अतिरिक्त बल्लेबाज रखने का मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि एक अतिरिक्त बल्लेबाज रखने के कारण बड़े स्कोर बन रहे हैं। यह मानसिकता से जुड़ा है। टीमों के पास अब एक अतिरिक्त बल्लेबाज की सुविधा है, इसलिए वे अधिक आक्रामक तरीके से खेलते हैं। ऐसा नहीं है कि सभी चार या पांच अतिरिक्त बल्लेबाजों का उपयोग किया जा रहा है, यह सिर्फ उस बल्लेबाज के होने से मिला आत्मविश्वास है। टी20 क्रिकेट इसी तरह विकसित हुआ है।

आशुतोष ने प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड इस भारतीय दिग्गज को किया समर्पित, वीडियो कॉल पर बात भी की

विशाखापत्तनम, एजेंसी

आईपीएल 2025 के रोमांचक मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने विशाखापत्तनम के डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जाएंट्स पर एक विकेट से नाटकीय जीत हासिल की। आशुतोष शर्मा ने अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने धैर्य के साथ खेल को खत्म किया। उन्होंने 31 गेंद पर नाबाद 66 रन की पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने पांच चौके और पांच छक्के जड़े। आशुतोष को प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। हालांकि, दिल्ली के इस खिलाड़ी ने यह अवॉर्ड भारतीय टीम के पूर्व स्टार शिखर धवन को समर्पित किया और उन्हें अपना मेंटर बताया। इसके बाद धवन से उन्होंने वीडियो कॉल पर बातचीत भी की।

प्लेयर ऑफ द मैच चुने जाने के बाद अपने प्रदर्शन को लेकर आशुतोष ने कहा, %पिछले साल से सबक लिया था। पिछले सीजन में कुछ मौकों पर खेल खत्म करने से चूक गया था। पूरे साल मैंने इस पर ध्यान केंद्रित किया और इसके बारे में कल्पना की। मुझे विश्वास था कि अगर मैं आखिरी ओवर तक खेलूंगा, तो कुछ भी हो सकता है। विपराज ने अच्छा खेला। मैंने उन्हें लगातार हिट करते रहने के लिए कहा। वह दबाव में बहुत शांत थे। मैं यह पुरस्कार अपने मेंटर शिखर पाजी को

समर्पित करना चाहता हूं।

आशुतोष के शब्द उनकी कड़ी मेहनत को दर्शा रहे थे। उन्होंने पिछली गलतियों से सीखा और अपने फिनिशिंग स्किल पर ध्यान केंद्रित किया। दबाव में उनके शांत रहने से उन्हें टीम को जीत दिलाने में मदद मिली। इसमें उन्हें विपराज का बखूबी साथ मिला। मैच के बाद धवन के साथ बातचीत कर आशुतोष बेहद खुश दिखे। दिल्ली कैपिटल्स ने इसका वीडियो शेयर किया है। आशुतोष ने डीसी द्वारा साझा किए गए वीडियो में कहा, %धवन सच में खुश थे। लव यू पाजी।% धवन और आशुतोष पिछले सीजन में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) में एक साथ खेले थे।

धवन क्रिकेट से संन्यास ले चुके

धवन ने इस साल की शुरुआत में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। पंजाब किंग्स में साथ रहने के दौरान वह आशुतोष के मेंटर थे। धवन, जो अपने नेतृत्व और संयम के लिए जाने जाते हैं, ने एक खिलाड़ी के रूप में आशुतोष के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। धवन खुद भारत और आईपीएल के दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं। उनके नाम कई रिकॉर्ड हैं। धवन ने भारत के लिए 34 टेस्ट में 40.61 की औसत से 2315 रन, 167 वनडे में 44.11 की औसत से 6793 रन और 68 टी20 में 126.37 के स्ट्राइक रेट से 1759 रन बनाए। टेस्ट में उनके नाम सात शतक और पांच अर्धशतक, वनडे में 17 शतक और 39 अर्धशतक और टी20 में 11 अर्धशतक हैं। धवन ने 222 आईपीएल मैचों में 35.07 की औसत और 127.13 के स्ट्राइक रेट से 6768 रन बनाए।

मेरी कप्तानी में ऐसा ही होगा, आदत बना लो, लखनऊ पर रोमांचक जीत के बाद बोले दिल्ली के कप्तान अक्षर

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने सोमवार को आईपीएल मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स पर मिली एक विकेट की रोमांचक जीत के बाद कहा कि इसे आदत बना लो क्योंकि मेरी कप्तानी में ऐसा ही होगा। उन्होंने कहा, %मेरे फैसले लेने की प्रक्रिया भी कुछ इसी तरह की है, इसलिए कुछ भी हो सकता है। कभी-कभी प्रशंसकों को गुस्सा भी होगा। अभी हम जीत गए हैं, इसलिए कोई कुछ नहीं कहेगा।% अक्षर ने कहा, %आईपीएल में हमने बहुत कुछ देखा है। पावरप्ले में चार विकेट गंवाना और फिर मैच जीतना, ऐसा बहुत बार नहीं देखा। पर अब क्रिकेट बदल रहा है। इसलिए आपको बस क्रीज पर रहना और कोशिश करनी है।%

वहीं, लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा, %हमने अच्छा स्कोर खड़ा किया था। हम इस हार से सीखेंगे और सुधार करने का प्रयास करेंगे। यह कहना आसान है कि कहां गलती हुई। उनके लिए ट्रिस्टन स्टब्स और आशुतोष ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। एक और खिलाड़ी विप्रज निगम ने मिलकर मैच दिल्ली के पक्ष में कर दिया।% दिल्ली कैपिटल्स के आशुतोष शर्मा 'मैन ऑफ द मैच' रहे जिन्होंने 31 गेंद में नाबाद 66 रन की पारी खेलकर जीत दिलाई।

उनका रवैया किसी शेर जैसा..., नवजोत सिद्धू ने धोनी और कोहली की तारीफ में पढ़े कसीदे

नई दिल्ली, एजेंसी

महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली को मौजूदा दौर के आइकन के रूप में जाना जाता है। दोनों ने क्रिकेट को रोमांचक बनाने के लिए काफी योगदान दिया है। दोनों ही 2008 से लेकर अब तक आईपीएल का हिस्सा हैं। इस बीच भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा है कि ये दोनों दिग्गज संस्था किसी से कम नहीं हैं। सिद्धू ने कहा कि समकालीन खिलाड़ियों के फीके पड़ने के बाद भी कोहली और धोनी की प्रासंगिकता कम नहीं होगी।दरअसल, 28 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मुकाबला खेला जाना है। इस मुकाबले को लेकर पूछे जाने पर सिद्धू ने कहा, लोग कोहली और धोनी को आइकन कहते हैं, लेकिन मैं उन्हें संस्थाएं

कहता हूं। विराट कोहली का नाम पीढ़ियों तक रहेगा। धोनी का नाम पीढ़ियों तक रहेगा। उन्हें लंबे समय तक दुनिया भर में अपने वर्चस्व को स्थापित करने और सभी प्रारूपों में खुद को ढालने के लिए जाना जायेगा। उनका रवैया किसी शेर जैसा है।

सिद्धू ने कहा, इन दोनों ने अपने करिश्मे और आकर्षण से पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। पूरी दुनिया में उन्हें रोल मॉडल माना जाता है। गली के बच्चे विराट कोहली बनना चाहते हैं। उनका प्रभाव इस तरह का है। सिद्धू ने धोनी को खास खिलाड़ी करार देते हुए कहा, वह भारत के सर्वश्रेष्ठ कप्तान रहे हैं। वह साथी खिलाड़ियों में आत्मविश्वास भरने में सफल रहे हैं। वह सामान्य खिलाड़ियों को विशेष बनाने में माहिर हैं।सिद्धू ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में धोनी की स्टंपिंग का जिक्र करते हुए कहा, धोनी 43 साल के हैं, लेकिन आपने देखा होगा कि उन्होंने किस तरह से स्टंप किया। उन्होंने बिजली की गति से तेजी से गिल्लियां बिखेर दी थीं। मेरा कहने का मतलब यह है कि युवा खिलाड़ी भी इतनी फुर्ती नहीं दिखा सकते हैं। वह इस तरह से लोगों को प्रेरित करते हैं।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम घोषित की

दुबई –पाकिस्तान के खिलाफ चल रही पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने के बाद मेजबान न्यूजीलैंड ने आगामी एकदिवसीय मैचों के लिए घोषित टीम में दो अनकैप्ड खिलाड़ियों को जगह दी है। न्यूजीलैंड के चयनकर्ताओं ने आगामी तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज के लिए टीम की कमान टॉम लेथम को सौंपी है। जबकि सफेद गेंद कप्तान मिशेल सेंटनर टीम में नहीं होंगे। टीम में कई नए खिलाड़ियों को भी घरेलू टीम में शामिल किया गया है।

न्यूजीलैंड के प्रथम श्रेणी सर्किट में वेलिंगटन फायरबर्ड्स के लिए खेलने वाले शीर्ष क्रम के बल्लेबाज निक केली और बाएं

दो अनकैप्ड खिलाड़ी टीम में

हाथ के तेज गेंदबाज मुहम्मद अब्बास को पहली बार राष्ट्रीय टीम में जगह दी गई है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेल रहे राचिन रवींद्र, डेवोन कॉनवे, ग्लेन फिलिप्स और सेंटनर टीम से बाहर है। पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के शुरुआती मैच में शतक बनाने वाले विल यंग, केली के साथ शीर्ष क्रम में शामिल होंगे। जबकि डेरिल मिशेल, माइकल ब्रेसवेल और नाथन स्मिथ मध्य क्रम में खेलेंगे।

गेंदबाजी की बात की जाये तो विल ओ'रुर्क, जैकब डफी, नाथन स्मिथ और बेन सियर्स चार-आयामी तेज गेंदबाजी आक्रमण में शामिल होंगे। इस बीच, जैमीसन को आराम दिया गया है। स्पिन में ऑलराउंडर ब्रेसवेल के साथ 22 वर्षीय ऑकलैंड एसेस के लेग स्पिनर आदि अशोक शामिल होंगे। दूसरा एकदिवसीय मैकलीन पार्क, नेपियर में मैच दो अप्रैल, तीसरा एकदिवसीय मैच पांच अप्रैल को बे ओवल, माउंट माउंगानुई में होगा।

न्यूजीलैंड की टीम

टॉम लैथम (कप्तान), मुहम्मद अब्बास, आदि अशोक, माइकल ब्रेसवेल, माक 'चैपमैन, जैकब डफी, मिच हे, निक केली, डेरिल मिशेल, विल ओ'रूर्क, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ और विल यंग।

संक्षिप्त समाचार

डीटीसी बसें करीब आधे रूटों पर दौड़ी ही नहीं, फिर भी हर साल बढ़ता रहा घाटे के बोझ : कैग रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। शराब नीति और मोहल्ला क्लीनिक के बाद दिल्ली विधानसभा में सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) पर कैग रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट के अनुसार, डीटीसी की बसें करीब 43 फीसदी मार्गों पर दौड़ी ही नहीं। वर्ष 2015 से 2022 तक की अवधि के लिए तैयार की गई इस रिपोर्ट में कहा गया है कि डीटीसी को बीते सात वर्षों में कुल 60,741 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। डीटीसी ने 814 रूटों में से महज 57% पर बस संचालन किया। वर्ष 2015-22 के दौरान निगम में ओवरएज लो फ्लोर बसों की संख्या 0.13% थी, जो 31 मार्च 2023 तक 44.96 फीसदी हो गई। पुरानी बसों में ब्रेकडाउन बढ़ने से 668 करोड़ का घाटा हुआ। निगम ने 300 ई-बसें खरीदी, जबकि फंड अधिक था। ई- बसों की आपूर्ति में देरी हुई, इसके लिए ऑपरेटरों पर 29.86 करोड़ रुपये का जुर्माना नहीं लगाया गया। बेहतर योजना न होने की वजह से न सिर्फ डीटीसी को घाटा झेलना पड़ा, बल्कि आधी दिल्ली में लोगों को बस सेवाओं की सुविधा भी नहीं मिली। कैग की डीटीसी पर वर्ष 2015 से 2022 तक के आंकड़ों पर पेश की गई रिपोर्ट में इसका जिक्र किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, डीटीसी की ओर से तय 814 रूटों में से बसों का परिचालन सिर्फ 468 रूटों पर ही किया गया। यानी दिल्ली के 346 (43 प्रतिशत) रूटों पर बसों का संचालन ही नहीं किया गया। इससे राजस्व में कमी आई। इसके अलावा लो-फ्लोर बसों का माइलेज निर्धारित मानकों से कम रहने, बसों में आग लगने की घटनाओं से और बिना काम किए भुगतान किए जाने से भी डीटीसी का घाटा साल दर साल बढ़ता गया।

दिल्ली के वासुदेव घाट कश्मीरी गेट पर देनी होगी 50 एंट्री फीस, डीडीए ने बताई वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। डीडीए की तरफ से पिछले साल मार्च में शुरू किए गए वासुदेव घाट पर अब आम नागरिकों को 50 रुपये प्रवेश शुल्क देना होगा। आईएसबीटी कश्मीरी गेट के पास लगभग 40 एकड़ में फैले वासुदेव घाट पर टिकट काउंटर में जाकर लोगों को प्रवेश के लिए टिकट लेनी होगी। 60 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को 25 रुपये प्रवेश शुल्क तय किया गया है। मासिक तौर पर सामान्य नागरिकों के लिए 500 रुपये प्रवेश शुल्क तय किया है। 60 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को 250 रुपये मासिक शुल्क देना होगा। विदेशी पर्यटकों के लिए हर दिन 200 रुपये प्रवेश शुल्क निर्धारित किया गया है। हालांकि, मंगलवार और रविवार को शाम 5 बजे से सात बजे के दौरान यमुना आरती के समय प्रवेश नि:शुल्क है। इस घाट को पिछले साल लोगों के लिए शुरू किया गया था। इस घाट में तीन प्रवेश द्वार हैं। यहां पर 150 कारों की पार्किंग की जगह है। नदी तक उतरने के लिए 25 सीढ़ियां हैं। इसके अतिरिक्त एक छतरी भी, जिस पर उत्तर प्रदेश से जलेसर से मंगवाई गई 300 किलो की धातु की घंटी भी लगी है। इसे बजाने पर एक अनोखी कंपन्न और ध्वनि उत्पन्न होती है। डीडीए ने टिकट काउंटर के साथ आदेश चस्पा किया। इसे लेकर डीडीए के बागवानी विभाग के अधिकारी के हस्ताक्षर करते हुए आदेश टिकट काउंटर पर लगाया गया है। डीडीए के इस आदेश पर लोगों ने आपत्ति जताई है। इससे पहले द्वारका सेक्टर-16 डी के एक पार्क में भी प्रवेश शुल्क डीडीए ने लगाया था। तब भी लोगों ने इस डीडीए प्रशासन के इस फैसले पर सवाल उठाए थे। प्रवेश शुल्क को लेकर लोगों ने आपत्ति जताई है। वासुदेव घाट पर आए नितिन ने कहा कि मैं अकसर यहां पर पिछले साल मार्च में इसके उद्घाटन के बाद कई बार आया हूं। यहां पर सितंबर में भी आया था, तब यहां पर प्रवेश नि:शुल्क था। अब घाट पर प्रवेश शुल्क लगा दिया है। यह ठीक व्यवस्था नहीं है।

पहाड़ों पर होगी बारिश, मैदानी इलाकों में गर्मी बरपाएगी कहर

नई दिल्ली, एजेंसी। जैसे-जैसे मार्च का महीना अपनी समाप्ति की ओर बढ़ रहा है, मौसम में गर्मी बढ़ती जा रही है। अभी भले ही देश के कुछ स्थानों पर बारिश और तेज हवाएं चलती दिख रही हैं, लेकिन 30 मार्च तक बारिश का नामोनिशान खत्म हो जाएगा।

मौसम विभाग ने भयंकर गर्मी का अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से आने वाले कुछ दिनों में पहाड़ों पर बारिश देखने को मिल सकती है। लेकिन मैदानी इलाकों और खासकर उत्तर प्रदेश में गर्मी का प्रकोप लोगों के पसीने निकालने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय

इस वक्त दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हैं। पहला पश्चिमी विक्षोभ झारखंड और बिहार के ऊपर बना हुआ है, जबकि दूसरा पश्चिमी विक्षोभ कतर के पास सक्रिय है। इनके कारण पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 27 मार्च तक फिर से बारिश शुरू होने की संभावना है। प्रायद्वपीय भारत के कई स्थानों पर 25 मार्च को गरज के साथ 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। 26 और 27 मार्च को जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश और 28 मार्च को अरुणाचल प्रदेश के लिए भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है।

गर्मी से निकलेगा दम

उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी स्थानों में कई जगहों पर अगले 2 दिनों के दौरान तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। हालांकि उत्तर प्रदेश में काफी गर्मी पड़ने वाली है। यहां अगले 4 दिनों में तापमान में 4 से 6 डिग्री की वृद्धि हो सकती है। पश्चिम भारत और पूर्वोत्तर भारत में भी अगले 4-5 दिमों में तापमान में 4 से 6 डिग्री की बढ़ोतरी होगी। मध्य भारत और महाराष्ट्र में 4 से 5 दिनों में तापमान 2 से 4 डिग्री तक बढ़ सकता है। वहीं गुजरात में अगले 24 घंटे में तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा।

कहीं बारिश, तो कहीं गिरे ओले

बीते 24 घंटे की बात करें, तो आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में भयंकर बारिश हुई। वहीं पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय और तेलंगाना में ओलावृष्टि देखने को मिली। इस दौरान ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में तेज हवाएं भी चलीं।

गुजरात के सुरेंद्रनगर में देश का सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान दर्ज किया गया, जो 41 डिग्री रहा। 24 मार्च को प्रायद्वीपीय भारत के ज्यादातर हिस्सों में मेघगर्जन के साथ-साथ वज्रपात की स्थिति रही।

दिल्ली में ड्रैस-किताबें स्कूलों से लेने की बाध्यता होगी खत्म, रेखा गुप्ता सरकार का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने को लेकर अब स्कूलों की मनमानी नहीं चलेगी। दिल्ली सरकार आदेश जारी करने जा रही है, जिससे स्कूल या किसी विशेष विक्रेता से यूनिफॉर्म और किताबें खरीदने की अनिवार्यता नहीं थोपी जा सकेगी। सूत्रों की मानें तो स्कूल फिर भी ऐसा करते हैं तो वह दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आएगा। 1 अप्रैल से स्कूलों में शुरू होने वाले नए शिक्षण सत्र से पहले ही यह आदेश जारी कर दिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने ऐसी शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए यह आदेश जारी करने को कहा है। सरकार यह भी सुनिश्चित करेगी है कि स्कूल तीन साल तक यूनिफॉर्म में बदलाव नहीं कर पाएंगे।

हेल्पलाइन नंबर-ईमेल आईडी जारी किए जाएंगे

विभाग से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि अभिभावकों को अपनी शिकायतें दर्ज कराने के लिए सरकार एक ई-मेल आईडी और हेल्पलाइन नंबर भी जारी करेगी। सरकार का कहना है कि यह कदम अभिभावकों पर वित्तीय दबाव को कम करने के लिए उठाया जा रहा है। आदेश में यह भी उल्लेख होगा कि स्कूलों को कम से कम पांच दुकानों के पते और संपर्क विवरण प्रदर्शित करने होंगे, जिससे अभिभावकों के पास विकल्प हों।

स्कूलों की स्थिति पर ऐक्शन रिपोर्ट तैयार करेगी दिल्ली सरकार : शिक्षा मंत्री

वहीं दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने सोमवार को विधानसभा को सूचित किया कि राजधानी में स्कूलों की खराब स्थिति पर एक ऐक्शन रिपोर्ट तैयार की जाएगी। दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र में बोलते हुए मंत्री ने स्कूल के बुनियादी ढांचे के बारे में विभिन्न विधायकों द्वारा उठाई गई चिंताओं को संबोधित किया। गांधी नगर से पांच बार के भाजपा विधायक अरविंदर सिंह लवली ने ब्रह्मपुरी मेन रोड पर एक स्कूल की खराब स्थिति को उजागर किया और कहा कि यमुनापार क्षेत्र के कई स्कूल इसी तरह की स्थिति में हैं। उन्होंने मंत्री से ऐसे स्कूलों का डिटेल प्रदान करने का आग्रह किया, जिस पर सूद ने आश्वासन दिया कि आवश्यक जानकारी एकत्र की जाएगी और सदन में प्रस्तुत की जाएगी। इसी तरह, भाजपा विधायक कुलवंत राणा ने साहेब हदरी में एक स्कूल की जीर्ण-शीर्ण स्थिति की ओर इशारा किया। उन्होंने पूछा, पिछली सरकार ने स्कूल का निर्माण किया था, लेकिन दो साल के भीतर इसकी छत गिर गई। इसके पीछे क्या कारण था और क्या इमारत का पुनर्निर्माण किया जाएगा प्रतिभा स्कूलों के बारे में चिंता जताते हुए विश्वास नगर से भाजपा विधायक ओपी शर्मा ने दावा किया कि 1993 से 1998 के बीच बने कई स्कूलों को पिछली सरकार ने बंद कर दिया था।

अदालत को ही धोखा दे रहे, पेंशन योजना लागू नहीं करने पर सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को लगाई फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पंजाब में 1996 की पेंशन लाभ योजना को लागू करने में पंजाब सरकार की निष्क्रियता पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की। जस्टिस अभय एस. ओका और उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि अगर राज्य सरकार इस योजना को लागू करने में विफल रही तो अदालत खुद लाभार्थियों को मौद्रिक लाभ प्रदान करेगी।

कोर्ट ने कहा कि कई मौकों पर आश्वासन देने के बावजूद पंजाब सरकार इस संबंध में कार्रवाई करने में विफल रही है। जस्टिस ओका ने नाराजगी जताते हुए कहा, राज्य को इसका जवाब देना चाहिए। हम इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि राज्य सरकारें अदालतों के साथ कैसा व्यवहार कर रही हैं।

1 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई

अदालत ने कहा कि हम इस बात को दर्ज करेंगे कि राज्य के किसी भी अधिकारी पर भरोसा नहीं किया जा सकता। राज्य ने अदालत को धोखा दिया है। दलीलें सुनने के बाद अदालत ने पंजाब की ओर से पेश वकील को प्रदेश सरकार से निर्देश लेने का आदेश दिया और मामले की अगली सुनवाई एक अप्रैल तय की। शीर्ष अदालत ने इस वर्ष पांच मार्च को पंजाब के मुख्य सचिव को 1996 की पेंशन लाभ योजना को लागू करने में विफल रहने और इसे लागू करने की वचनबद्धता का उल्लंघन करने के लिए अवमानना नोटिस जारी किया था।

शीर्ष अदालत पंजाब प्राइवेटली मैनेज्ड एफिलिएटेड एंड पंजाब गवर्नमेंट एडेड कॉलेजेस पेंशनरी बेनिफिट्स स्कीम, 1996 को लागू नहीं करने को लेकर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

हूती विद्रोहियों पर हमले को लेकर अमेरिका का एक वॉर प्लान लीक होने से हड़कंप

वाशिंगटन , एजेंसी। यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों पर हमले को लेकर अमेरिका का एक वॉर प्लान लीक होने से हड़कंप मच गया है। ये वॉर प्लान सिग्नल ऐप पर एक ग्रुप में लीक हुआ जिसमें कथिततौर पर अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो सहित कई शीर्ष मंत्री और अधिकारी जुड़े हुए थे। ये अधिकारी यूरोप पर अपनी भड़ास निकालते हुए उन्हें मुफ्तखोर तक कह रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों ने हूती विद्रोहियों पर हमले की योजनाओं को लेकर सिग्नल मैसेजिंग ग्रुप में बातचीत की थी, जिसमें गलती से द अटलांटिक मैग्जीन के प्रधान संपादक जेफ्री गोल्डबर्ग भी जुड़े हुए थे। यह घटना उस समय सामने आई जब गोल्डबर्ग ने 24 मार्च को एक आर्टिकल पब्लिश किया, जिसमें उन्होंने इस असाधारण सुरक्षा उल्लंघन का जिक्र किया। इस घटना ने अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और गोपनीयता प्रोटोकॉल पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

व्हाइट हाउस से पत्रकार तक कैसे पहुंचा वॉर प्लान?: गोल्डबर्ग ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि उन्हें 13 मार्च को सिग्नल ऐप पर हूथी पीसी स्मॉल ग्रुप नामक एन्क्रिप्टेड चैट ग्रुप में शामिल कर लिया गया था। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज ने अपने डिप्टी एलेक्स वोंग को हूतियों पर अमेरिकी कार्रवाई के लिए टाइगर टीम तैयार करने का निर्देश दिया था। गोल्डबर्ग के अनुसार, 15 मार्च को यमन में हूथियों पर सैन्य हमले से कुछ घंटे पहले, अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ग्रुप चैट में ऑपरेशन की जानकारी शेयर की, जिसमें लक्ष्यों, हथियारों और हमले की रणनीति से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां थीं। हालांकि, गोल्डबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में इन विवरणों को प्रकाशित नहीं किया, लेकिन उन्होंने इसे चौंकाने वाली लापरवाही करार दिया।

अधिकारियों के बीच क्या बातचीत हुई?: द अटलांटिक ने अपनी रिपोर्ट में इस ग्रुप चैट के स्क्रीनशॉट शेयर किए हैं। इनके मुताबिक, ग्रुप में अमेरिका के शीर्ष अधिकारी शामिल थे, जिनमें उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, ष्ट्रद्ब निदेशक जॉन रैटक्लिफ, खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड, ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट और व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ सूजी वाइल्स प्रमुख हैं।

ग्रुप में उपराष्ट्रपति वेंस ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से सवाल करते हुए पूछा कि क्या यूरोप को अमेरिकी समर्थन मिलना चाहिए? उनका कहना था कि इस क्षेत्र में समुद्री व्यापार में व्यवधान से सबसे ज्यादा यूरोप को नुकसान होगा।

एलन मस्क के 14 वें बच्चे का पंजाब से खास कनेक्शन

वाशिंगटन, एजेंसी। टेस्ला कंपनी के मालिक एलन मस्क हाल ही में 14वें बच्चे के पिता बने हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए अपने नवजात शिशु का नाम और उसकी जड़ों के बारे में जानकारी दी। मस्क ने बताया कि उनके बच्चे की जड़ें पंजाबी हैं और वह दिखने में भी पंजाबी जैसा लगता है। यह मस्क और उनकी चौथी पत्नी शिवॉन का चौथा बच्चा है और उन्होंने इसे सोने के दिल वाला बाजीगर बताया है। एलन मस्क की पत्नी शिवॉन का जन्म कनाडा के ओंटारियो में एक पंजाबी मां से हुआ था। वह गोरी हैं और बड़ी-बड़ी आंखों वाली हैं, जिनका यह गुण उनके नवजात शिशु को भी विरासत में मिला है। मस्क ने यह भी कहा कि उनका बच्चा दिखने में पंजाबी जैसा लगता है और उसकी जड़ें भी पंजाबी संस्कृति से जुड़ी हुई हैं। एलन मस्क के बच्चों के नाम हमेशा से ही अनोखे और विशेष रहे हैं। उनके सभी बच्चों के नाम विज्ञान, पौराणिक कथाओं और उनके व्यक्तिगत रुचियों से प्रेरित होते हैं। मस्क और शिवॉन ने अपने चौथे बच्चे का नाम सैल्डन लाइकगर्स रखा है। सैल्डन नाम विज्ञान कथा लेखक इसहाक असिमोव के फाउंडेशन सीरीज के एक पात्र हरि सैल्डन से लिया गया है। हरि सैल्डन एक गणितज्ञ और भविष्यवादी थे, जिन्होंने साइको हिस्ट्री का विकास किया था।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति की पत्नी के ग्रीनलैंड दौरे को लेकर बवाल

पीएम बोले- हम करेंगे बायकॉट; ट्रंप ने की थी कब्जे की बात

न्यूयॉर्क एजेंसी। अमेरिका की द्वितीय महिला उषा वेंस के ग्रीनलैंड दौरे को लेकर विवाद पैदा हो गया। दरअसल उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पत्नी उषा वेंस ने रविवार को एलान किया कि वह इस हफ्ते ग्रीनलैंड की राष्ट्रीय डॉगस्लेड रेस, अवन्नाटा क्यूमुसेर्सु देखने जाएंगी और देश की सुंदर भूमि, संस्कृति और परंपराओं के बारे में जानेंगी।

उनके इस एलान को लेकर डेनमार्क के राज्य प्रमुख ने कहा है कि उनके प्रस्तावित दौरे से बड़ी गड़बड़ी होगी।ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूटे बोरुप एगेडे ने उनकी इस यात्रा का एकमात्र उद्देश्य शक्ति प्रदर्शन करना है। इससे हालात बिगड़ सकते हैं। प्रधानमंत्री एगेडे ने उषा वेंस की इस विजिट का बायकॉट करने का फैसला किया है। उन्होंने इस हाई प्रोफाइल विजिट को उकसाने वाला बताया है।

क्या है इस यात्रा का उद्देश्य

ग्रीनलैंड के कार्यालय के अनुसार, इस यात्रा का उद्देश्य ग्रीनलैंडिक संस्कृति और एकता का जश्न मनाना है, तथा वेंस और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल इस प्रतिष्ठित दौड़ का अनुभव करने के लिए उत्सुक हैं, जिसमें 37 मशर और 444 कुत्ते भाग लेते हैं।

ऊषा वेंस ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया वीडियो

भारतीय अमेरिकी द्वितीय महिला ने खुद को एक सांस्कृतिक राजदूत के रूप में प्रस्तुत किया। यात्रा के बारे में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो में, उन्होंने कहा कि अमेरिका को कुत्तों की दौड़ का समर्थन करने पर गर्व है और वह अपने बच्चों के साथ इसके बारे में सब कुछ पढ़ रही हैं। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आने वाले सालों में हमारे संबंध और मजबूत होंगे जो कुछ ग्रीनलैंडर्स के लिए अशुभ लग रहा था। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूटे बोरुप एगेडे ने कहा, अमेरिकी उपराष्ट्रपति की पत्नी और अमेरिकी राष्ट्रपति के सर्वोच्च सुरक्षा सलाहकार का यहां आना केवल एक निजी यात्रा के रूप में नहीं देखा जा सकता।

विदेश में पढ़ाई के इच्छुक छात्रों को झटका, अमेरिका ने 41 प्रतिशत एफ-1 वीजा आवेदन किए खारिज

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में पढ़ाई करने का सपना देखने वाले विदेशी छात्रों के लिए बुरी खबर है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में एफ-1 वीजा अस्वीकृतियों की दर 10 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। अमेरिकी सरकार के अनुसार, इस साल 6.79 लाख आवेदनों में से 2.79 लाख (41प्रतिशत) को खारिज कर दिया गया, जो पिछले वर्ष 36 प्रतिशत थी। हालांकि अमेरिका ने देशवार वीजा अस्वीकृति दर साझा नहीं की है, लेकिन इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 के पहले नौ महीनों में भारतीय छात्रों को दिए गए वीजा में 38प्रतिशत की गिरावट देखी गई। 2023 में इसी अवधि में 1.03 लाख भारतीय छात्रों को एफ-1 वीजा मिला था, जबकि 2024 में यह संख्या घटकर 64,008 रह गई।

अगर पिछले दशक के आंकड़ों को देखें, तो 2014-15 में कुल 8.56 लाख एफ-1 वीजा आवेदन किए गए थे। इसके बाद कोविड-19 महामारी के दौरान यह संख्या घटकर 1.62 लाख रह गई। महामारी के बाद आवेदनों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई, लेकिन 2023-24 में इसमें 3प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत स्वच्छता रथ का फ्लैग ऑफ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएसएल में 16-31 मार्च तक जारी स्वच्छता पखवाड़ा के तहत 25 मार्च को कार्यकारी निदेशक प्रभारी सीआर महापात्रा द्वारा इस्पात भवन परिसर से स्वच्छता रथ का फ्लैग-ऑफ किया गया. इस मौके पर अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सीआर मिश्रा, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएँ) अनीश सेनगुप्ता के साथ मुख्य महाप्रबंधक, वरीय अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे. स्वच्छता रथ के माध्यम से बोकारो स्टील सिटी के नागरिकों को स्वच्छता का सन्देश तथा स्वच्छता के बारे में जागरूकता का सन्देश दिया गया. स्वच्छता रथ पर वीडियो फिल्म के माध्यम से रोजमर्रा की जिंदगी में एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक से बचने का तथा अपने आस पास के क्षेत्र में स्वच्छता बनाये रखने के लिए आम जनता को जागरूक किया गया.

19 प्रबंध प्रशिक्षुओं ने दिया बीएसएल में योगदान

बीएसएल में योगदान दिए 19 प्रबंध प्रशिक्षुओं के नए बैच के लिए 25 मार्च ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में परंपरागत तरीके से दीप प्रज्वलन के साथ इंडक्शन प्रोग्राम का शुभारम्भ किया गया. कार्यक्रम में अधिशासी निदेशक (संकार्य) सह कार्यकारी निदेशक प्रभारी श्री सी आर महापात्रा के साथ अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी उपस्थित थे. कार्यक्रम में श्री महापात्रा के साथ सुरक्षा शपथ लेने के पश्चात मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास) श्री मनीष जलोटा ने स्वागत अभिभाषण में सभी प्रबंध प्रशिक्षुओं को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए बोकारो स्टील प्लांट में उनका स्वागत किया. श्री महापात्रा ने प्रबंध प्रशिक्षुओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए इस्पात जगत में बोकारो स्टील प्लांट के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी प्रशिक्षुओं को सुरक्षा संस्कृति व अनुशासित तरीके को अपनाते हुए बोकारो स्टील प्लांट के निरंतर विकास एवं प्रबधंन में योगदान देने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने प्रबंध प्रशिक्षुओं को वर्तमान इस्पात जगत में व्याप्त प्रतिस्पर्धा और बोकारो स्टील प्लांट के द्वारा उठाए गए प्रतिस्पर्धात्मक कदम पर भी प्रकाश डाला. अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी ने भी अपने संबोधन में प्रबंध प्रशिक्षुओं का सेल में स्वागत किया तथा उन्हें शुभकामनाएं दी. कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक (ज्ञानर्जन एवं विकास) एस. एन मिश्रा ने किया. कार्यक्रम के अंत में महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री नीता बा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया. कार्यक्रम में नव प्रशिक्षु प्रकोष्ठ के कर्मचारियों का अहम योगदान रहा.

बीएसएल के सीआरएम -III विभाग में कार्यस्थल पर मानव संसाधन सम्बंधता - 'संवाद से प्रगति' कार्यक्रम का आयोजन

बीएसएल के सी आर एम -III विभाग में कार्यस्थल पर मानव संसाधन सम्बंधता - 'संवाद से प्रगति' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में सी आर एम -III विभाग के महा प्रबंधक पीके मोहंती, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन - मिल्स एरिया) श्री नरेन्द्र कुमार झा के साथ लगभग 40 कर्मचारियों ने भाग लिया. कार्यक्रम में ह्यूमन कैपिटल मैनेजमेंट (एच सी एम) एमआईबी (मेडिकल इनवैलिडेशन बोर्ड), सामूहिक बीमा योजना, शिकायत पोर्टल, बायोमेट्रिक प्रणाली, एचसीएम-प्रखर तथा नए एचआरएमएस मॉड्यूल, संविदा कर्मियों का मेडिकल चेकअप, श्रम उत्पादकता, सेल /बीएसएल की विस्तार योजना,कर्मचारी सहायता (ईएपी), जैसे मुख्य विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई. सी आर एम -III विभाग के कर्मचारियों ने अपने प्रश्नों को स्पष्ट करने और उस पर मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए सक्रिय रूप से भाग लिया. शॉप एच आर में कार्यरत अधिशासियों के द्वारा कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का संचालन सुश्री चाहत प्रिया, सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन) तथा नितेश कुमार, सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन) द्वारा किया गया.

सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन करें स्कूल प्रबंधन

नहीं तो होगी कार्रवाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढ़ांडा ने मंगलवार को समाहरणालय सभागार में जिले के अभिभावक संघ के प्रतिनिधियों एवं विभिन्न निजी स्कूलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) जगरनाथ लोहरा, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल चौबे, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत विभिन्न प्रिंट एवं ईलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे। अनुमंडल पदाधिकारी ने क्रम वार अभिभावक संघ के प्रतिनिधियों से विभिन्न स्कूलों से संबंधित समस्याओं, उनके पक्ष को जाना। वहीं, कुछ मामलों में स्कूल प्रबंधनों/प्रतिनिधियों से भी जवाब लिया। उन्होंने अभिभावकों को अपनी शिकायतों को लिखित रूप से जिला स्तरीय समिति के समक्ष रखने को कहा। समिति लिखित रूप से सभी स्कूलों से उन पर उका पक्ष लेगी। सीबीएसई/ आइसीएससी/ आरटीई एवं राज्य सरकार द्वारा समय झ्र समय पर दिए गए दिशा - निर्देशों का स्कूल प्रबंधन अनुपालन कर रहें हैं या नहीं। इसकी जांच कर डीईओ/डीएसई समिति को प्रतिवेदन समर्पित करेंगे। समिति नियमों की अनदेखी करने पर स्कूल प्रबंधनों के विरूद्ध कार्रवाई करेगी। बैठक में स्कूल प्रबंधनों द्वारा फीस बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के निदेर्शानुसार 09 सदस्यीय कमेटी (स्कूल प्रबंधन/अभिभावक आदि) गठित कर उनके समक्ष प्रस्ताव रखने। कमेटी द्वारा सहमति के बाद ही फीस बढ़ोतरी लागू होने की बात कहीं गई। सभी विद्यालयों को अपने पुस्तकों एवं उसके प्रकाशनों की सूची स्कूल के वेबसाइट पर अपलोड करने को कहा। किसी भी एक स्टोर/दुकान से पुस्तक/कापी लेने का स्कूल प्रबंधन अभिभावकों को बाध्य नहीं करेंगे। यह व्यवस्था करें कि स्कूल की पुस्तकें शहर के कम से कम 10 -15 दुकानों में उपलब्ध हो। एनसीईआरटी की पुस्तकें विद्यालय द्वारा संचालित की जाएं। छात्र - छात्राओं को प्रतिवर्ष ड्रेस बदलने का स्कूल प्रबंधन अभिभावकों पर नहीं डाले दबाव। साथ ही, बच्चों के अवकाश पर रहने का फाइन अविलंब बंद करें स्कूल प्रबंधन। मौके पर उपस्थित डीईओ एवं डीएसई ने कहा कि प्रबंधन यह ध्यान दें विद्यालयों का संचालन लाभ कामने के उद्देश्य से नहीं किया जाता है।

अभिभावकों की समस्या/बातों को सुनने के लिए शिक्षकों का नाम व नंबर सर्वजनिक करें। स्कूल के वेबसाइट के साथ परिसर के बाहर फ्लैक्स/होर्डिंग के माध्यम से अधिष्ठापित करें। बैठक में इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। जिस पर एसडीओ, डीईओ, डीएसई ने अभिभावक संघ के प्रतिनिधियों एवं स्कूल प्रबंधनों को जरूरी दिशा - निर्देश दिया।

संक्षिप्त समाचार

एचडीएफसी बैंक के बलियापुर शाखा का नगर आयुक्त ने किया उद्घाटन

बलियापुर (धनबाद)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। देश की अग्रिम बैंकों में से एक एचडीएफसी बैंक का मंगलवार को धनबाद ज़िले के बलियापुर में नई शाखा का उद्घाटन हुआ। शाखा का उद्घाटन धनबाद नगर निगम के नगर आयुक्त (सीईओ) रवि राज शर्मा द्वारा किया गया। इस उदघाटन के मौके पर अपने संबोधन में नगर आयुक्त रवि राज शर्मा ने कहा कि इस क्षेत्र में बैंक खुलने से लोगों को बेहतर सुविधा मिलेगी, इस क्षेत्र के विकास में बैंक सहभागी बनेगी और क्षेत्र की सारी बैंकिंग समस्या का हल होगा। इस मौके पर एचडीएफसी बैंक के जोनल हेड अभिषेक कुमार ने कहा कि इस शाखा में बैंकिंग से संबंधित सारी सुविधाएं दी जाएगी और आसपास के लोगों की डे टू डे बैंकिंग आसन हो जाएगी।इस मौके पर क्लस्टर हेड रोहित कुमार सिंह,शाखा प्रबंधक दीपक एस कुमार एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

अवैध बालू लदा टाटा 407 जब्त, एफआइआर दर्ज

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा के निर्देश पर जिले में खनिज संपदा के अवैध खनन, भंडारण व परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई जारी हैं। जिला खनन टास्क फोर्स ने बैंक मोड़ थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए अवैध बालू लदा एक टाटा 407 जब्त किया है। इसकी जानकारी देते हुए जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा ने बताया कि खान निरीक्षक बिनोद बिहारी प्रमाणिक, बैंक मोड़ थाना के सब इंस्पेक्टर बाबु राम हांसदा एवं अन्य पुलिस बल के साथ संयुक्त रूप से बालू के अवैध खनन एवं परिवहन के विरूद्ध नया बाजार सुभाष चौक के पास औचक छापामारी की गई। इस क्रम में धनबाद की ओर से आ रहे एक बालू लदे टाटा 407, डब्ल्यू.बी. 37 बी 4736 को बिना परिवहन चालान के बालू का परिवहन करते पकड़ा गया। टीम ने वाहन को जब्त कर बैंक मोड़ थाना में वाहन मालिक, वाहन चालक, वाहन पर लदे बालू एवं इसमें संलिप्त अन्य सभी लोगों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई।

मनरेगा में टॉप फाइव जिलों में बोकारो शामिल

मनरेगा आयुक्त, झारखंड ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मंगलवार का दिन बोकारो के लिए अच्छा रहा। उपायुक्त विजया जाधव के मार्ग-दर्शन में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गरांटी योजना (मनरेगा) के सभी मानकों में बेहतर कार्य करने को लेकर बोकारो जिला राज्य के टॉप फाइव जिलों में शामिल हुआ। इस बाबत रांची में आयोजित एक कार्यक्रम में मनरेगा आयुक्त मृत्युंजय कुमार वर्णवाल ने जिले को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने जिले को आगे भी बेहतर प्रदर्शन जारी रखने की बात कहीं। जिले की ओर से मनरेगा के नोडल पदाधिकारी पंकज दूबे ने यह सम्मान प्राप्त किया। जानकारी हो कि, रांची में मनरेगा आयुक्त द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत सूबे के सभी जिलों में कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक की गई। इस क्रम में सभी मानकों में बेहतर करने वाले टॉप फाइव जिलों को चिन्हित कर सम्मानित किया गया। टॉप फाइव जिलों में बोकारो, पाकुड़, रामगढ़, खूंटी और रांची जिला शामिल हैं।

बीएस सिटी में 27 मार्च से 04 अप्रैल तक यातायात व्यवस्था में परिवर्तन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। श्री रामकथा ट्रस्ट द्वारा 27 मार्च से 04 अप्रैल तक मजदूर मैदान, सेक्टर-4 में श्री राम कथा का आयोजन किया गया है। उक्त कथा में काफी संख्या में लोगों के आवागमन हो सकता है तथा भारी संख्या में वाहनों के भी आने की संभावना है। इस दौरान यातायात को सुव्यवस्थित रखने एवं विधि-व्यवस्था के मद्देनजर यातायात रूट में बदलाव किया गया है। अनुमंडल पदाधिकारी चास एवं ट्रैफिक डीएसपी ने इस बाबत निर्देश जारी किया है, जो निम्न प्रकार है-

समय- दोपहर 14.00 बजे से रात्रि 21.00 बजे तक - गाँधी चौक, सेक्टर-4 से बीजीएच चौक की ओर

आने वाली थी बारात, पहुंच गई पुलिस, रुकवाया बाल विवाह

कसमार (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बाल कल्याण समिति, बोकारो व प्रखंड प्रशासन ने मंगलवार को कसमार प्रखंड की एक गांव की 16 वर्षीय किशोरी की शादी रुकवा दी। किशोरी की शादी मंगलवार को ही दो बच्चों के पिता के साथ होनेवाली थी। जब इसकी सूचना बाल कल्याण समिति बोकारो व कसमार थाने को मिली तो उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए गांव पहुंचकर तत्काल शादी रोकते हुए किशोरी को बाल कल्याण समिति बोकारो में प्रस्तुत किया गया। इस दौरान घरवालो ने काफी हंगामा भी किया। किशोरी की शादी गोला थाना क्षेत्र अंतर्गत हैंसापोडा गांव के खैराजारा मे उमेश कुमार महतो के साथ तय हुई थी। गांव वालो व आसपास के ग्रामीणों ने बताया कि लड़की पूरी तरह नाबालिग है, लेकिन इसकी शादी दो बच्चे के पिता के साथ हो रही थी। इसके पीछे घर की माली स्थिति ठीक नहीं रहने व लडकी के पिता द्वारा रोजाना शराब का सेवन कर हमेशा घर मे लड़ाई-झगड़ा की बात कही गई। कसमार थाना प्रभारी भजनलाल महतो ने नाबालिग लड़की के स्वजनों को चेतावनी देते हुए समझाया कि जब तक बेटी की उम्र 18 वर्ष की पूरी न हो जाए, तब तक विवाह नहीं करना है। यह दंडनीय अपराध है। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष शंकर रवानी ने बताया कि बाल विवाह रुकवाया गया है। मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सीओ प्रवीण कुमार ने कहां कि किसी भी हाल मे बच्चों का बाल विवाह नहीं करना है। अगर कहीं से भी ऐसी सूचना मिलती है तो उसे रुकवाने के लिए बाल कल्याण समिति के सहयोग से मामले पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल कसमार में हो रहे बाल विवाह को तत्काल रोक दिया गया है। इस संबंध में सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने बताया कि जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रंस तथा प्रशासन के साथ मिलकर बोकारो जिले में बाल विवाह के खिलाफ सघन रूप से अभियान चलाया जा रहा है। सीडब्ल्यूबीसी ने लड़की के माता-पिता को हिदायत दी है, कि जब तक किशोरी की उम्र 18 वर्ष नहीं हो जाती तब तक उसकी शादी किसी भी हाल में नहीं करना है। किशोरी को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। इस दौरान कसमार थाना प्रभारी भजनलाल महतो, स्थानीय मुखिया बबीता देवी, पंचायत समिति सदस्य जागेश्वर हेंब्रम, चाइल्ड लाइन के जितेंद्र कुमार महतो, रजनीश कुमार,सहयोगिनी की मंजू देवी, आंगनबाड़ी की सुपरवाइजर- सेविका सहित सैकड़ो ग्रामीण मौजूद थे।

डालसा के सहयोग से अब पढ़ेगी दिव्यांग अनाथ मन्नू

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मन्नू को पढ़ने की लालसा थी परंतु ईश्वर ने उसके दोनो आंख छीन लिए, इतना ही नहीं चार वर्ष की उम्र मे हीं मन्नू के सर से पिता का साया उठ गया। विधवा मां और शत प्रतिशत दिव्यांग मन्नू अपने सपनों को साकार कैसे करती? उसे डालसा का सहारा मिला उसके जीवन में डालसा एक नई रोशनी बनकर आई। मंगलवार को अधिकार मित्र राजू कुमार की नजर बाघमारा में उस बच्चे पर पड़ी तुरंत इसकी सूचना अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार राकेश रोशन को दी गई। बच्चों को रेस्क्यू करने के लिए तुरंत टास्क फोर्स बनाया गया टीम जब बाघमारा बच्चों को रेस्क्यू करने पहुँची तो वहां देखा कि मन्नू ही नहीं उसके छोटे भाई भी शत प्रतिशत दिव्यांग हैं उसके भी आँखों में रौशनी नहीं है। इसी दौरान दो और अनाथ बच्चों पर टीम की नजर पड़ी जिनसे बातचीत पर यह पता चला कि वो भी पढ़ना चाहते हैं परंतु गरीबी के कारण और माता पिता का साया सर पर नहीं रहने के कारण वह पढ़ नहीं पा रहे हैं। अवर न्यायाधीश श्री रौशन ने पूरे मामले की जानकारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी को दी। प्रधान जिला जज के आदेश पर त्वरित कार्रवाई हुई, बच्चों को झालसा के द्वारा चलायी जा रहीं योजना दिव्यांगों को मिले समानता का अधिकार परियोजना के तहत मिलने वाले समस्त अधिकारों को दिलाने का निर्देश दिया गया। निर्देश के आलोक में दोनों दिव्यांग बच्चों को गिरिडीह नेत्रहीन बाल विकास विद्यालय में दाखिला कराने की कार्यवाही शुरू कर दी गई। वहीं अन्य दो अनाथ बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना के तहत मिलने वाले लाभ दिलाने की कागजी कार्रवाई पूरी कर ली गई।अवर न्यायाधीश श्री रोशन ने बताया कि जल्द ही दोनों दिव्यांग बच्चों का दाखिला हो जाएगा तथा दो अनाथ बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।न्यायाधीश ने मौके पर ही बच्चों को पहनने के लिए कपड़े, खेलने के लिए खिलौने व खाने पीने की सामग्री दी।

उपायुक्त ने किया जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने समाहरणालय से ई-केवाईसी कराने के लिए आपूर्ति विभाग के जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रथ को रवाना करने के बाद उपायुक्त ने कहा कि भारत सरकार के निदेर्शानुसार, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से अच्छादित सभी लाभुकों को ई-केवाईसी करना अनिवार्य है। इसकी अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 निर्धारित है। जागरुकता रथ जिले के सभी प्रखंडों का भ्रमण करेगा और ई-केवाईसी के लिए छुटे हुए लाभुकों को जागरूक करेगा। साथ ही उन्हें झारखंड सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के संबंध में जानकारी भी देगा। वहीं एडीएम सप्लाई जियाउल अंसारी ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत पीला कार्ड धारी को निःशुल्क 35 किलोग्राम प्रति कार्ड, गुलाबी कार्ड धारी को निःशुल्क 5 किलोग्राम प्रति सदस्य, झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत हरा कार्ड धारी को निःशुल्क 5 किलोग्राम प्रति सदस्य, मुख्यमंत्री नमक वितरण योजना के तहत पीला, गुलाबी एवं हरा कार्ड धारी को निःशुल्क एक किलोग्राम प्रति कार्ड, मुख्यमंत्री दाल वितरण योजना के तहत पीला, गुलाबी एवं हरा कार्ड धारी को निःशुल्क एक किलोग्राम प्रति कार्ड खाद्यान्न दिया जाता है। जबकि सोना सोबरन धोती साड़ी वितरण योजना के तहत पीला, गुलाबी एवं हरा कार्ड धारी को प्रति वस्त्र 10 रुपए की दर से एक साड़ी एवं एक धोती या लूंगी हर 6 महीने में दिया जाता है। वहीं चीनी वितरण योजना के तहत पीला कार्ड धारी को एक किलोग्राम प्रति माह निर्धारित अनुदानित मूल्य पर चीनी दी जाती है। जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला ने कहा कि सभी लाभुक यह सुनिश्चित करें कि खाद्यान्न प्राप्त करने के समय खाद्यान्न वेइंग मशीन पर रखा हुआ हो तथा ई-पॉस मशीन में अंगूठा लगाने के बाद बीप की आवाज आने के बाद पर्ची प्राप्त करने के उपरांत ही अपना खाद्यान्न प्राप्त करें। दुकानदार दरा दुकानदार द्वारा उपरोक्त वस्तुओं का वितरण निर्धारित मात्रा एवं दर पर नहीं किए जाने पर लाभुक टोल फ्री नंबर 1800 212 5512 एवं 1967 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इस मौके पर उपायुक्त माधवी मिश्रा, एडीएम सप्लाई जियाउल अंसारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, आपूर्ति शाखा के संदीप कुमार महतो, अमित कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com